C M Y K

आज का विचार

छोटी से जिन्दगी है,

हर बात में खुश रहें।

आने वाला कल किसने देखा है।

अपने आज में खुश रहें।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-42 अंक-212 ■ पृष्ठ-8+4 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

सीजी एसईटी 2024 परिणाम में जानबूझकर देरी या प्रशासनिक लापरवाही

अम्बिकापुर, मंगलवार 27 मई , 2025

कोर्ट पर ही टेनिस स्टार राफेल नडाल के निकले आंसू

पहला कॉलम

पुलिस के साथ मुठभेड़ में नक्सली कमांडर मनीष यादव ढेर, 10 लाख का इनामी नक्सली कुंदन गिरफ्तार

लातेहार ,26 मई (ए)। झारखंड के लातेहार में पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। लातेहार पुलिस ने 5 लाख रुपए के इनामी नक्सली मनीष यादव को मार गिराया है। इसके अलावा, 10 लाख रुपए के इनामी नक्सली कुंदन खेरवार को भी गिरफ्तार किया है।

यह मुठभेड़ महुआडांड़ थाना क्षेत्र के करमखाड़ और दौना के बीच हुई। जानकारी के अनुसार, लातेहार पुलिस को सूचना मिली थी कि नक्सली मनीष यादव अपने दस्ते के साथ महुआडांड़ थाना क्षेत्र के दौना और करमखाड़ के बीच जंगल में मौजूद है। इसके बाद नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर टीम गठित की गई और पुलिस ने नक्सलियों को पकड ? के लिए इलाके की घेराबंदी की।

इस दौरान नक्सलियों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में नक्सली कमांडर मनीष यादव को मार गिराया गया। यह मुठभेड़ रविवार देर रात शुरू हुई थी, जो सोमवार सुबह तक जारी रही। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 10 लाख रुपए का इनामी नक्सली कुंदन खेरवार को भी गिरफ्तार कर लिया। पलामू के डीआईजी वाईएस रमेश ने नक्सली के मारे जाने की पुष्टि की है।

कुछ अलग

मुझे पाकिस्तान से बहुत प्यार हैज ज्योति मल्होत्रा का वीडियो आया सामने, 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

हिसार ,26 मई (ए)। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को हिसार की एक अदालत ने सोमवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस रिमांड की अवधि पूरी होने के बाद ज्योति को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेजने का आदेश दिया गया।

ज्योति मल्होत्रा को पुलिस ने नौ दिन की रिमांड पर लिया था, जो अब समाप्त हो चुकी है। इस दौरान पुलिस ने उससे गहन पूछताछ की और जासूसी से संबंधित महत्वपूर्ण सुराग जुटाने का प्रयास किया। इससे पहले भी पुलिस ने ज्योति को दो बार रिमांड पर लिया था। रिमांड के दौरान जांच एजेंसियों ने ज्योति से गहनता से पूछताछ की। ज्योति मल्होत्रा एक यूट्यूबर है और उसके खिलाफ 16 मई को सरकारी गोपनीयता अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया। वह उन 12 लोगों में शामिल थी जिन्हें जासूसी के संदेह में पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया था। बताया गया कि वह पाकिस्तानी उच्चायोग के कर्मचारी एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश के संपर्क में थी। भारत ने कथित तौर पर जासूसी में लिप्त होने के कारण 13 मई को दानिश को देश से निष्कासित कर दिया था।

खरी-खरी

एक अनूठी सेवा के हुए 10 वर्ष पूरे... बाजार के इस झाले में कोई भूखा नहीं सोया

◆ सेवा भावी बहनो ने अपने घर से भोजन बनाकर उन जरूरतमन्दों को कराया भोजन

(दीपक सराठे)
(अम्बिकावाणी समाचार)

अम्बिकापुर। रात्रिकालीन भोजन सेवा के शानदार १० वर्ष पूरे हुए। कम्पनी बाजार में सप्ताह में तीन ३ दिन शहर की २० सेवा भावी बहने अपने घर से भोजन बनाकर उन जरूरतमन्दों को भोजन कराती है, जो निशक्त है, जो मजदूरी करने आते है और रात में कम्पनी बाजार के झाले में कभी भूखे भी सो जाते है। ऐसे ही लोगों के लिए १० वर्ष पहले शहर की सेवा भावी बहनों ने रात्रि कालीन भोजन सेवा का बीड़ा उठाया था ताकि वहां रहने वाले लोग भूख ना सोए। रात्रि कालीन भजन सेवा में वहां लगभग ३५ से ४० बड़े और बच्चे भरपेट भोजन करते है। दीपावली हो या फिर दशहरा, होली, ईद इन त्योहारों में भी जहां घर पर सेवाभावी बहनों को ज्यादा काम होता है, उनके द्वारा यहां रहने वाले लोगों को विशेष भोजन कराया गया। गर्मी के मौसम में मजदूरों को राहत के लिए आमपना, आमरस, ठंड में सूप भी लगातार दिया जाता है। इन सेवाभावी बहनों के अलावा इस अनूठी सेवा में शहर के होटल मनपसन्द, जायसवाल होटल, माया रसोई, पर्पल से भी समय समय पर स्वादिष्ट भोजन दिया जाता है। कुछ लोग अपने बच्चो के जन्मदिन, आदि अवसरों पर भी भोजन करवाते है।

सोमावर, बुधवार, शुक्रवार को नियमित भोजन, कभी सूखा अनाज, कभी गर्म नास्ता भी दिया जाता है, शहर की कई बहने शुरूआत में जुड़ी, फिर भोजन देना बंद कर दी,जबकि २० बहने निरन्तर सेवा दे रही है, उनका समर्पण सेवा अनूकर्णीय है।रात्रिकालीन भोजन कार्यक्रम के १० वर्ष पूरे हुवे इस पुनीत कार्य मे जरूरतमन्दों को सेवा भावी बहनो ने स्वदिस्ट भोजन घर से बनाकर लाई, जरूरतमनद बच्चो से केक कटवाया गया, इस अवसर पर रात्रिकालीन भोजन की संस्थापिका सुश्री वन्दना दत्ता, रेखा इंगोले, नीलिमा गोयल, ज्योति द्विवेदी, चयती अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, हिना रिजवी,स्मिता तिवारी, सरीफुन निशा, लिलि बसु रॉय, वसुधा तिवारी, श्रद्धा खेरपाण्डे, आशा बंसल, नंदिनी राजपूत सीमा अग्रवाल का सहयोग हमेशा की तरह रहा।

कोरोना के समय भी नहीं बंद हुई सेवा

कोरोना काल में इन्ही बहनों ने २ माह तक अपनी थाली से भोजन देकर अन्नपूर्णा समूह से शहर के कई परिवारों को भोजन देकर सहयोग किया। कोरोना के समय भी सदस्यों के घर से भोजन निगम के कर्मचारी लेकर भोजन बांटते थे, कोरोना से पहले पंगत से भोजन करवाया जाता था, कोरोना के बाद से उन्हें परोस कर भोजन दिया जाता है, समय पर मांसाहारी भोजन भी दिया जाता है।

कुम्हड़ा वाली दाई

कम्पनी बाजार में सभी भोजन के लिए सेवा भावी बहनों का इंतजार करते है,और साफ सफाई भी करते है। सभी लोग आदर स्नेह करते है। एक वृद्ध माता जो केवल घर , घर आंगन झाड़ती है, वो रविवार की बाजार से भिक्षा मांग कर सेवा भावी बहनों को कुम्हड़ा भेंट की, उसका कहना था आप लोग रोज हमें खिलाती हो हम क्या दे, तो उसने कुम्हड़ा दिया, तब से उसे कुम्हड़ा वाली दाई के नाम से जाना जाता है।

वडोदरा में रोड शो के दौरान कर्नल सोफिया के परिवार ने पीएम मोदी पर बरसाए फूल

एजेंसी, वडोदरा । गुजरात दौरे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वडोदरा में भी रोड शो किया। भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी का परिवार भी इस रोड शो का हिस्सा बना।

कर्नल सोफिया कुरैशी की मां, भाई और बहन ने पीएम मोदी पर फूल बरसाए। इस दौरान पीएम मोदी हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन स्वीकार किया। कर्नल सोफिया कुरैशी के पिता ताज मोहम्मद कुरैशी ने बताया कि पीएम मोदी ने हमें पहचान लिया। उन्होंने हाथ जोड़कर प्रणाम किया। हमने भी हाथ जोड़े।

कर्नल सोफिया कुरैशी की मां हलीमा कुरैशी ने कहा, हमने पीएम मोदी का फूलों से स्वागत किया। यह बहुत अच्छी बात है कि सभी लोग मिलकर उनका स्वागत कर रहे हैं। वह हमारे देश के प्रधानमंत्री हैं, इसलिए उनका स्वागत होना चाहिए। सोफिया न केवल हमारी बेटी है, बल्कि हमारे देश की बेटी है और उसने जो कुछ भी किया है वह बहुत अच्छा है और हमें इसे आगे बढ़ाना चाहिए।

कर्नल सोफिया कुरैशी की जुड़वां बहन शायना सुनसारा ने कहा, यह गर्व की बात है कि हमारे प्रधानमंत्री हमेशा सबसे आगे खड़े रहते हैं और देश के लोगों को भरोसा दिलाते हैं कि वह हमेशा हमारे साथ हैं। आज पीएम मोदी के रोड शो में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। पीएम मोदी के नेतृत्व में इतने बड़े ऑपरेशन को अंजाम दिया गया। ऑपरेशन सिंदूर की प्रेस ब्रीफिंग दो महिलाओं ने की, मेरी बहन-कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह। यह दुनिया को संदेश था कि महिलाएं किसी से कम नहीं हैं।

मुंबई पानी-पानी, 25 साल बाद इतनी जल्दी आया मानसून, मई में बारिश का 107 साल का रिकॉर्ड टूटा

एजेंसी, मुंबई : दक्षिण-पश्चिम मानसून महाराष्ट्र पहुंच गया है और मुंबई सहित कई हिस्सों में भारी बारिश हो रही है। भारतीय मौसम विभाग (द्रूरूष्ठ) ने बताया कि महाराष्ट्र में तटीय कोंकण में भी पिछले दो दिनों से भारी प्री-मानसून बारिश हो रही है।

मुंबई के आठ मौसम केंद्र रेड अलर्ट पर हैं - बोरीवली, सांताक्रूज, पवई, मुलुंड, चेंबूर, वर्ली, कोलाबा और अलीबाग। नवी मुंबई, ठाणे और कल्याण के मौसम केंद्र ऑरेंज अलर्ट पर हैं।

इसी तरह भारी बारिश की चेतावनी के बाद रायगढ़ जिले में रेड अलर्ट है। आईएमडी ने सोमवार को मध्यम गरज और भारी बारिश के साथ अधिकतम सतही हवा की गति का अनुमान लगाया है।ठाणे और पालघर जिले में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है।

राज्य में ३५ वर्षों में पहली बार इतनी जल्दी मानसून का आगमन हुआ है। दक्षिण-पश्चिम मानसून आमतौर पर सात जून के आसपास महाराष्ट्र और ११ जून को मुंबई पहुंचता है। मौसम विभाग ने कोंकण और पश्चिमी महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों को लेकर अगले कुछ दिनों के लिए अलर्ट जारी किया है जिसमें अत्यधिक बारिश की चेतावनी दी गई है।

मुंबई में समय से पहले आया मानसून, सारे रिकॉर्ड टूटे

२५ साल बाद यह पहला मौका है जब मुंबई में मानसून ने २६ मई को दस्तक दी है। साथ ही मई महीने में हुई बारिश ने शहर के १०७ साल के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून मुंबई में आ गया है, जो पिछले २५ वर्षों में शहर में सबसे पहले आया है। मौसम ब्यूरो के अनुसार, मानसून ११ जून की अपनी सामान्य तिथि से १६ दिन पहले आ गया है।

मध्य प्रदेश में कब से शुरू होगी मानसून की बारिश

मध्य प्रदेश में मुंबई के रास्ते मानसून का प्रवेश होता है। भोपाल में मौसम विभाग की अधिकारी दिव्या सुरेंद्रन ने बताया कि जिस तरह से मानसून आगे बढ़ रहा है, मध्य प्रदेश में जून के पहले हफ्ते से बारिश होने लगेगी। गौरतलब है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून ने शनिवार को केरल में दस्तक दी थी। वर्ष २००९ के बाद से राज्य में इसका सबसे जल्दी आगमन है। २००९ में यह २३ मई को दक्षिणी राज्य केरल में पहुंचा था।

अभी बिहार से बाहर हैं तेज प्रताप यादव, पटना लौटते ही होगा बड़ा हंगामा, समर्थक कर रहे भड़काऊ पोस्ट

- 0 १२ साल से अनुष्का यादव के साथ रिलेशनशिप में तेज प्रताप यादव
- 0 खुलासा होने के बाद लालू यादव ने पार्टी और परिवार से बाहर किया
- 0 भाई तेजस्वी ने कहा- राजनीतिक और व्यक्तिगत जीवन अलग-अलग

परिवार से दूरी के साथ राजनीतिक करियर भी दांव पर

पटना । बिहार में राजेडी सुप्रीम लालू यादव ने अपने बड़े तेज प्रताप यादव को परिवार और पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया। अब सवाल यह है कि आगे क्या होगा? तेज प्रताप यादव शांत बैठ जाएंगे या कुछ न कुछ ऐसा करेंगे, जिससे लालू परिवार की साख को और बट्टा लगे?

अनुष्का यादव नाम की लड़की से १२ साल की रिलेशनशिप स्वीकार करने के बाद से तेज प्रताप यादव का पता लगाया जा रहा है। खबर है कि फिलहाल मालदीव में हैं और वहां से लौटकर अपना आगे का रुख तय करेंगे।

शांत बैठने वाले नहीं तेज प्रताप यादव, समर्थक कर रहे भड़काऊ पोस्ट

तेजप्रताप की पिछली हरकतों का हवाला देते हुए राजद के सूत्र बता रहे कि किसी भी तरह के विवाद से बचने के लिए कार्रवाई लालू के स्तर से हुई है। अगर प्रदेश अध्यक्ष या पार्टी के किसी दूसरे सक्षम पदाधिकारी के स्तर से कार्रवाई होती तो तेजप्रताप के आक्रामक होने की आशंका थी। फिर भी इंटरनेट मीडिया पर उनके कथित समर्थकों द्वारा भड़काऊ पोस्ट किए जा रहे। इससे आशंका जताई जा रही कि मालदीव से लौटने पर तेजप्रताप शायद ही खामोश रहें। इसका एक महत्वपूर्ण कारण उनका राजनीतिक करियर भी होगा।

वह दो बार विधायक चुने गए हैं, लेकिन विधानसभा क्षेत्र बदलकर। इस बार फिर वह अपनी पुरानी सीट (महुआ) से चुनाव लड़ने की इच्छा प्रकट कर चुके हैं। निष्कासन की स्थिति में वे पार्टी सिंबल के दावेदार नहीं होंगे।

तलाक का मामला अभी भी कोर्ट में

अनुष्का के साथ संबंध स्वीकार करने के बाद सवाल उठ रहे हैं कि ऐसी स्थिति में तेज प्रताप यादव ने ऐश्वर्या से शादी क्यों की? बता दें, २०१८ में तेज प्रताप की शादी पूर्व मुख्यमंत्री दरोगा प्रसाद राय की पौत्री और पूर्व मंत्री चंद्रिका राय की बेटी ऐश्वर्या से हुई थी।

कुछ माह बाद ही तलाक की नौबत बन आई। मामला अभी पारिवारिक न्यायालय में है। ऐसे में इस प्रकरण से परिवार के साथ पार्टी के लिए और भी विषम परिस्थिति बन सकती है।

पक्का घर और बेहतर भविष्य सुनिश्चित करती प्रधानमंत्री आवास योजना

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। प्रधानमंत्री आवास योजना ने ग्रामीण परिवारों को एक स्थायी और सुरक्षित छत प्रदान किया है। जिससे आमजनों के जीवन स्तर में व्यापक परिवर्तन हो रहे है। ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामीणों के पक्के आवास बन जाने पर सरकार के प्रति भरोसा बढ़ा है। जिले के बलरामपुर विकासखंड के ग्राम महराजगंज के निवासी श्री मुनेश्वर यादव को प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत पक्के आवास की चाबी मिली।

पहला कालम

सुहागिनों ने निर्जला उपवास रख मांगी पतियों की लंबी उम्र

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि पर पड़ने वाला वट सावित्री व्रत आज पूरे श्रद्धा और परंपरा के साथ कोयलांचल सहित आसपास के क्षेत्रों में मनाया गया। सुबह से ही सुहागिन महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सज-धजकर मंदिरों और वटवृक्षों के पास एकत्रित हुईं, जहां उन्होंने निर्जला व्रत रखकर अपने पतियों की दीघार्यु, स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना की। महिलाएं अपने साथ पूजन थाल, फल, पंखा, मौली धागा , मिठाई, जल कलश और वस्त्र लेकर पहुंची और वट वृक्ष की परिक्रमा कर पूजा-अर्चना की। वृक्ष के चारों ओर धागा लपेटते हुए महिलाएं अपने सुहाग की सलामती के लिए प्रार्थना करती रहीं। पूजन के दौरान महिलाओं ने सावित्री और सत्यवान की पौराणिक कथा का श्रवण किया, जो इस व्रत का मूल आधार है। मान्यता है कि सावित्री ने यमराज से अपने पति सत्यवान का जीवन वापस प्राप्त किया था। यह कथा स्त्रियों को साहस, प्रेम और संकल्प की प्रेरणा देती है। इस व्रत को अखंड सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। हिंदू धर्म में वट वृक्ष को अत्यंत पवित्र माना गया है। मान्यता है कि इस वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों देवताओं का वास होता है। इसी कारण महिलाएं इसे साक्षात ईश्वर मानकर इसकी पूजा करती हैं। वट सावित्री को लेकर क्षेत्र में भक्ति का माहौल बना रहा।

डौरा, नीलकंठपुर, करमडीहा एवं महावीरगंज में किया गया शिविर का आयोजन

ग्रामीणों को आवेदन के निराकरण एवं योजनाओं की दी गई जानकारी

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

राज्य शासन द्वारा चलाए जा रहे सुशासन तिहार अंतर्गत आज जिले के बलरामपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत डौरा, कुसमी के नीलकंठपुर, रामचन्द्रपुर के महावीरगंज एवं वाड्रफनगर के करमडीहा ब में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। कलस्टर नीलकंठपुर में सामरी विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा एवं कलस्टर करमडीहा ब में प्रतापपुर विधायक श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते तथा डौरा व महावीरगंज में स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। समाधान शिविरों में अधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में ग्रामीणों को उनके आवेदनों के निराकरण के संबंध मे जानकारी दी। इसके साथ ही शिविर स्थल पर ही पंजीयन काउंटर के माध्यम से नए आवेदन लिए गए। शिविर में सभी विभागों द्वारा स्टॉल लगाया गया था, जहां ग्रामीणों के द्वारा स्टॉल का अवलोकन कर विभागीय योजनाओं जानकारी ली गई। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा हितग्राहियों को हितग्राहीमूलक

सामग्रियों का वितरण भी किया गया।

सुशासन तिहार के अंतर्गत समाधान शिविरों में अतिथियों ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि समाधान शिविरों के माध्यम से आप लोगों के समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में आम जनता की शिकायतों एवं मांगों के त्वरित समाधान के लिए च्सुशासन तिहारज का आयोजन जारी है। तीसरे चरण में जिले के गांवों और कस्बों में शासन-प्रशासन पूरी तत्परता और तन्मयता के साथ आमजन की बातें सुन रहा है और उनका समाधान कर रहा है। आम नागरिकों एवं ग्रामीणों के मांग, शिकायत एवं समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से सुशासन तिहार के अंतर्गत समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों को अधिकाधिक भागीदारी की अपील करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं से लाभान्वित होने तथा अपनी समस्याओं से अवगत कराने का अच्छा अवसर है, इसके लिए सभी शिविर का लाभ अवश्य लें। इसके साथ ही शिविर स्थल पर पंजीयन काउंटर में नए आवेदन लिए जा रहे हैं, जिनका शीघ्र निराकरण किया जायेगा।

शिविर में संस्थागत प्रसव की जानकारी तथा कुपोषित बच्चों के उपचार के लिए जिला मुख्यालय में संचालित एनआरसी के बारे में बताया गया। बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने संचालित नोनी सुरक्षा योजना के बारे में भी जानकारी दी गई। साथ ही बाल विवाह की रोकथाम के लिए आमजनों को जागरूक किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा मौसमी बीमारियों के बचाव, आयुष्मान कार्ड एवं वय वंदन कार्ड से ५ लाख तक का निःशुल्क उपचार की जानकारी दी गई। कृषि विभाग द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, शाकम्भरी योजना, किसान क्रेडिट कार्ड के पंजीयन के लिए आवश्यक दस्तावेज के संबंध में विस्तार से बताया गया। ताकि आसानी से पंजीयन कराकर लाभ ले सके। इसके साथ ही सहकारी समितियों में खाद, बीज की उपलब्धता के बारे में बताया गया ताकि किसान आगामी फसल के लिए समय से धान बीज का उठाव कर सके। पुलिस विभाग द्वारा यातायात नियमों, साइबर क्राइम के संबंध में जागरूक एवं नशा कर वाहन न चलाने की समझाइश दी गई। ताकि घटनाओं से बचा जा सके। वन विभाग द्वारा हिंसक पशुओं से हानि पर दी जाने वाली सहायता राशि के बारे में विस्तार से बताया गया साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा विभागीय योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई।

कलस्टर डौरा अन्तर्गत मांग एवं शिकायत के १५९३ प्राप्त हुए थे। जिसमें से १५८९ आवेदनों का निराकरण कर उपस्थित ग्रामीणों को निराकरण की जानकारी दी गई। इसी प्रकार कलस्टर करमडीहा ब में ८०० आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से लगभग ५७८ आवेदनों का निराकरण किया गया। नीलकंठपुर में १२७५६ आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से १२७३५ आवेदनों का निराकरण किया गया तथा कलस्टर महावीरगंज के अंतर्गत ३४९७ आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से ३४४१ आवेदनों का निराकरण कर आवेदकों को जानकारी दी गई। साथ ही बताया गया कि शेष आवेदनों का शीघ्र निराकरण किया जाएगा।

समाधान शिविर में जनप्रतिनिधियों द्वारा हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास की चाबी, लखपति कार्ड, किसान कार्ड, राशनकार्ड, बीज वितरण, आयुष्मान कार्ड, मिनी कीट, टीबी मरीजों को पोषण कीट, जॉब कार्ड, जाति प्रमाण पत्र का वितरण किया गया।

शिविर में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिका, अधिकारी-कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

20वीं क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति की प्रथम बैठक संपन्न

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

20वीं क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर की प्रथम बैठक 26 मईह्न 2025 को महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, तरुण प्रकाश की अध्यक्षता में संपन्न हुई । बैठक में दो सांसदो सहित क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के 19 सदस्य उपस्थित थे । बैठक में सदस्यों के अतिरिक्त दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित थे । बैठक की शुरूआत सदस्यों का स्वागत करते हुए उप महाप्रबंधक (सा.) एवं दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (जेडआरयूसीसी) के सचिव समीर कांत माथुर ने इस बैठक की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की समस्त उपलब्धियों में प्रत्यक्ष

एवं परोक्ष रूप से आप सभी सदस्यों के सुझाव एवं सहयोग समाहित है । बैठक में तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे एवं अध्यक्ष दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (जेडआरयूसीसी) ने अपने उद्बबोधन में यात्री सुविधाओं के विकास हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा किये गये महत्वपूर्ण कार्यो एवं जोन की उपलब्धिओं से सदस्यों को अवगत कराया । उन्होनें कहा कि यात्रियों की सुविधा और उनकी अपेक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे लगातार यात्री सुविधाओं के विकास कार्य कर रहा है । अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत बिलासपुर, रायपुर एवं दुर्ग का पूनर्विकास तथा 47 स्टेशनों का उन्नयन किया जा रहा है । महाप्रबंधक ने सभी सदस्यों के साथ विचार विमर्श करते हुए कहा कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में सुरक्षित रेल परिचालन के लिए सभी रेलकर्मी निरंतर अथक प्रयास कर रहे हैं । यात्री सुविधाओं एवं सेवाओं में निरंतर विकास हम सब का उद्देश्य है । उन्होने सदस्यों के सकारात्मक सहयोग के लिए धन्यवाद दिया । महाप्रबंधक के संबोधन के पश्चात क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्यों के समक्ष उप महाप्रबंधक (सा.) एवं दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सचिव समीरकांत माथुर ने पावरपाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा उपलब्ध कराई गयी यात्री सुविधा एवं उपलब्धियों की जानकारी दी ।

इस बैठक में यात्री सुविधाओं से संबंधित तथा यात्री सुविधा विकास एवं परियोजनाओं से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया । सदस्यों द्वारा महत्वपूर्ण सुझावों के रूप में यात्री सुविधाओं से संबन्धित मुद्दे जिसमें में प्रमुख रुप से ट्रेनों के ठहराव, देश के विभिन्न स्थानों के लिए नई सेवाएं, महत्वपूर्ण ट्रेनों के विस्तारीकरण सहित विभिन्न यात्री सुविधाएं आदि शामिल थे ।

इस बैठक का संचालन उप महाप्रबंधक (सा.) ने किया एवं उपस्थित सांसदों में विजय बघेल, देवेन्द्र प्रताप सिंह संसद सदस्य (राज्यसभा), रायगढ़ सदस्यों में लोकेश साहू, प्रिंसिपल चेंबर ऑफ कामर्स एण्ड ट्रेड एसोशिएशन, मौनिल अशोक जैन, प्रिंसिपल चेंबर ऑफ कामर्स एण्ड ट्रेड एसोशिएशन राजेन्द्र जग्गी, प्रिंसिपल चेंबर ऑफ कामर्स एण्ड ट्रेड एसोशिएशन, राकेश कुमार मिश्रा, पीएसयू के प्रतिनिधि, सेवक भाऊ कारेमोरे, रजिस्टर्ड पैसेंजर एसोशिएशन, राजेन्द्र सोनी, रजिस्टर्ड पैसेंजर एसोशिएशन, दीपक शर्मा, रजिस्टर्ड पैसेंजर एसोशिएशन, डॉक्टर क्रांति खूँटे, उपभोक्ता संरक्षण संगठन, कुलवंत सिंह सलूजा, विकलांग कल्याण संगठन, दीपक सिंह ठाकुर, केन्द्रीय मंत्री के प्रतिनिधि, मधुसूदन हनुमान प्रसाद रुंगटा, रेल मंत्रालय के विशेष हितों के प्रतिनिधि, मुकेश तिवारी, भास्कर नारायण पराते, आर्यन ओहरी, निमाई बनर्जी, अन्य उपस्थित थे । सभी ने सटीक व सकारात्मक सुझाव दिये । महाप्रबंधक ने उनके सकारात्मक सहयोग एवं सुझाव के लिए सदस्यों को धन्यवाद दिया ।

नाबालिग किशोर के कब्जे से कबाड़ जब्त

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

सोमवार को लटोरी पुलिस ने एक नाबालिग के कब्जे से तीन क्विंटल लोहा कबाड़ को जब्त कर कार्यवाही की है। लटोरी पुलिस ने बताया कि आज सुबह एक नाबालिग किशोर को उस वक्त धर दबोचा जब वह भारी मात्रा में अवैध लोहा-कबाड़ लेकर अंबिकापुर की ओर जा रहा था। यह कार्रवाई बाजारपारा लटोरी इलाके में की गई, जहां नाबालिग किशोर को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा गया है। पकड़े गए किशोर की उम्र १७ वर्ष बताई जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में उसने बताया कि वह यह कबाड़ भटगांव की ओर से लेकर आया है और अंबिकापुर में बेचने के उद्देश्य से ले जा रहा था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने जब उसे रोका और कबाड़ के संबंध में कागज दिखाने कहा तो उसके पास कबाड़ के स्वामित्व या परिवहन संबंधी कोई दस्तावेज मौजूद नहीं था।पुलिस ने नाबालिग बालक के कब्जे करीब ३ क्विंटल अवैध लोहा-कबाड़ जब्त किया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग १०००० रुपए आंकी गई है। नाबालिग किशोर के खिलाफ बीएनएस की धारा ३५ (१) (ई) और धारा ३०३ (२) के तहत कार्यवाही कर न्यायालय में पेश कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले को किशोर न्याय अधिनियम अंतर्गत आगे बढ़ाया जाएगा, जिसमें किशोर की भूमिका और उसके पीछे मौजूद नेटवर्क की भी जांच की जाएगी। कार्रवाई में लटोरी चौकी प्रभारी अरुण गुप्ता, प्रधान आरक्षक रवि किंडो, आरक्षक सोमनाथ कुशवाहा, इश्तियाक अहमद, सुनील एक्का सक्रिय रहे।

सीजी एसईटी 2024 परिणाम में जानबूझकर देरी या प्रशासनिक लापरवाही

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। छत्तीसगढ़ राज्य पात्रता परीक्षा २०२४ के अभ्यर्थियों का सब्र अब जवाब देने लगा है। परीक्षा सम्पन्न हुए १० महीने से अधिक हो चुके हैं, लेकिन परिणाम अब तक घोषित नहीं किया गया। इस असमय देरी ने हजारों छात्रों को मानसिक, भावनात्मक और करियर से जुड़ी गंभीर परेशानियों में डाल दिया है। परीक्षा की तैयारी में वर्षों खपा देने वाले युवाओं के भविष्य पर अब प्रश्नचिह्न लग गया है।एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव सरफराज खान ने कहा कि भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद से राज्य हर क्षेत्र में पिछड़ रहा है। युवाओं से किए गए वादे झूठे साबित हो रहे हैं।

एक ओर सुशासन तिहार मनाया जा रहा है, दूसरी ओर सीजी सेट के हजारों अभ्यर्थी महीनों से दर-दर भटक रहे हैं, लेकिन सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही। अभ्यर्थियों ने पिछले कई महीनों में व्यापम कार्यालय, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री व वित्त मंत्री को ज्ञापन भेज जनप्रतिनिधियों से संपर्क किया, लेकिन कहीं से भी न तो कोई स्पष्ट उत्तर मिला और न ही समाधान की दिशा में कोई कदम उठाया गया। ऐसा प्रतीत होता है मानो सरकार ने इस विषय को पूरी तरह नजर अंदाज कर दिया हो। जब कुछ अभ्यर्थी रायपुर स्थित व्यापम कार्यालय जाकर स्वयं परीक्षा नियंत्रक से परिणाम की जानकारी लेने पहुंचे। अभ्यर्थियों के अनुसार नियंत्रक द्वारा केवल सवालों को टालने की कोशिश की गई। एनएसयूआई के सरफराज खान ने कहा कि हम इस अन्याय को कभी चुपचाप नहीं सहेंगे। अगर जल्द ही परिणाम जारी नहीं किए गए, तो आंदोलन और व्यापक रूप लेगा। छत्तीसगढ़ के युवाओं की आवाज को अब दबाया नहीं जा सकता। यह सिर्फ परीक्षा परिणाम की मांग नहीं, बल्कि न्याय और भविष्य की लड़ाई है।

ट्रैक मेंटेनरों को मिलेगा सायकल मेंटेनेंस भत्ता,आदेश जारी

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर की प्रमुख मांगों में शामिल सायकल मेंटेनेंस भत्ता (संध्या समय में कार्यरत ट्रैक मेंटेनरों के लिए) अब पूरा हो गया है। २३ मई २०२५ को वरीष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी डॉ. अंशुमान मिश्रा द्वारा यह आदेश जारी किया गया। इससे बिलासपुर मंडल में कार्यरत ट्रैक मेंटेनरों को मासिक १८० (वार्षिक ?२१६०) का आर्थिक लाभ मिलेगा। रेलवे मजदूर कांग्रेस ने यह मुद्दा १२-१३ मार्च २०२५ को हुई पीएनएम बैठक में प्रमुखता से उठाया था। यूनियन के जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव, शाखा सचिव कंरजी पप्पू सिंह और मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री के नेतृत्व में यह मांग लगातार उठाई जाती रही। इस फैसले पर लोकतांत्रिक ट्रैक मेंटेनर एसोसिएशन के नेता शुभम उपाध्याय और अनिल कुमार यादव ने मजदूर कांग्रेस का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ट्रैक मेंटेनरों के हित में लगातार कार्य करता आ रहा है। मजदूर कांग्रेस की यह उपलब्धि उस वादे की पूर्ति है, जिसे उसने हाल ही में हुए गुप्त मतदान चुनावों के प्रचार के दौरान किया था। यह जीत एक बार फिर से यह दशार्ती है कि यूनियन रेल कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार सक्रिय और प्रतिबद्ध है।

राजस्व प्रकरणों के शीघ्र निपटान के निर्देश

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। कलेक्टर श्री विलास भोसकर के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक ने आज जिला कार्यालय में राजस्व विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। बैठक में सर्व एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार उपस्थित रहे। अपर कलेक्टर श्री नायक ने कहा कि आम नागरिकों को समय पर राहत मिले, इसके लिए सभी राजस्व अधिकारी सीमांकन, डायवर्सन, विवादित एवं अविवादित नामांतरण, बंटवारा, वृक्ष कटाई, भूमि आबंटन, जाति, निवास एवं आय प्रमाण-पत्र, भू-अर्जन मुआवजा भुगतान, भू-राजस्व वसूली जैसे प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से करें।उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक क्षेत्र के राजस्व अधिकारी अपने अधीनस्थ पटवारियों को लक्ष्य देकर फौती, सीमांकन और बंटवारे के प्रकरणों को समय-सीमा में निराकृत करें।

एण्डटीवी की अभिनेत्रियों ने बताया, उनके बैग में क्या रहता है!

मुंबई।एक बैग सिर्फ सामान रखने की चीज नहीं है, बल्कि यह किसी की जिंदगी की खास झलक भी दिखाता है। मेकअप, दवाईयों से लेकर कुछ खास यादगार चीजों तक, बैग में रखा हर सामान उनकी आदतों, पसंद और छोटी-छोटी खुशियों के बारे में बताता है जो उनके दिन को आसान बनाती हैं। एण्डटीवी की अभिनेत्रियों ने उन चीजों के बारे में बताया, जो उनके लिये मायने रखती हैं और जिनके बिना उन्हें घर से निकलना पसंद नहीं है। इन कलकारों में शामिल हैं स्मिता सेबल (धनिया, ह्यभीमाह्न), हिमानी शिवपुरी (कटोरी अम्मा, ह्यहप्पू की उलटन पलटन) और शुभांगी अत्रे (अंगूरी भाबी, भाबीजी घर पर हैं)।

भीमा में धनिया की भूमिका निभा रहीं स्मिता सेबल ने बताया कि मेरे साथ हमेशा रहने वाली मेरी सबसे जरूरी चीजों में से एक बैंडेज है। आपको यह अजीब लग सकता है, लेकिन मेरी इस आदत की शुरूआत तब हुई थी, जब सेट पर एक स्पॉट ब्वॉय को चोट लगी थी और मेरे बैग में बैंडेज रखा था। मैंने तुरंत उसकी मदद की और उस पल मुझे लगा कि पहले से तैयार रहना कितना महत्वपूर्ण होता है। तब से मैंने कहीं भी जाने से पहले प्राथमिक उपचार की जरूरी चीजों को अपने साथ रखने की आदत डाल ली। इसके साथ ही मैं मेकअप के लिये जरूरी चीजें भी रखती हूँ, जिनके बिना मेरा काम नहीं चल सकता, जैसे कि हाइड्रेटिंग लिप बाम, एक छोटा-सा मिरर और काजल। थोड़ा-सा टच-अप करने से बहुत अच्छा लगता है और मैं बिल्कुल तरोताजा और कैमरे के लिये तैयार महसूस करती हूं। मेरे बैग में गुलाबजल की एक छोटी बॉटल भी रहती है और सीन्स की शूटिंग के बीच रिफ्रेश होने और नयापन लाने के लिये मुझे उस पर भरोसा है। इसके अलावा मैं मुट्ठीभर बादाम भी अपने साथ रखती हूँ। लंबे वक्त तक शूटिंग करने के दौरान बादाम खाने से मुझे एनर्जी मिलती है। मेरा बैग बाहर से साधारण दिख सकता है, लेकिन उसमें मेरे लिये जरूरी हर चीज होती है।

ह्यहप्पू की उलटन पलटनह्य में कटोरी अम्मा की भूमिका निभा रहीं हिमानी शिवपुरी ने कहा कि मेरा हैंडबैग एक छोटा-सा खजाना है, जिसमें मेरी जरूरतों और भावनाओं से जुड़ी चीजें हैं। मैं हमेशा एक बिस्कुट का पैकेट रखती हूँ, जो मेरे लिए नहीं, बल्कि रास्ते में मिलने वाले स्ट्रीट डॉग्स के लिए होता है। उन्हें खिलाने से मुझे बहुत सुकून और खुशी मिलती है। यह छोटी-सी कोशिश मेरे लिए बहुत मायने रखती है। इसके अलावा, मेरे बैग में चश्मा और एक अच्छी पेपरबैक नॉवल जरूर होती है। सेट पर ब्रेक के समय पढ़ना मुझे अच्छा लगता है और इससे मैं बिल्कुल रिफ्रेश हो जाती हूं। मेरे बैग में होम्योपैथिक दवाओं का एक छोटा पाउच भी होता है जिनका मैं सालों से इस्तेमाल करती आई हूँ। एक खुशबूदार रूमाल भी मेरे बैग में होता है, यह आदत मुझे थिएटर के दिनों से है। साथ ही, मेरे बैग में हैंड सैनिटाइजर, बटुआ, कंघी और फटाफट टच-अप के लिए लिपस्टिक भी रहती है। मेरे बैग की हर चीज की अपनी कहानी और मकसद है, जो उसे मेरे लिए खास बनाती है।

ह्यभाबीजी घर पर हैंह्य में अंगूरी भाबी का किरदार निभाने वालीं शुभांगी अत्रे ने बताया कि मेरे बैग में मिलने वाली मेरी पसंदीदा चीजों में से एक है छोटा-सा एक क्रिस्टल। यह मेरे एक करीबी दोस्त ने बहुत सोच-समझकर मुझे तोहफे में दिया था, क्योंकि उसे एनर्जी हीलिंग पर यकीन है। मैं खुद यह प्रैक्टिस बहुत अच्छी तरह से नहीं कर पाती हूँ, लेकिन यह छोटा क्रिस्टल कई सालों से मेरे साथ है। इससे मुझे बेहद शांति एवं संतुलन मिलता है, खासकर शूटिंग के व्यस्त दिनों में। मेरे बैग में एक छोटी डायरी भी होती है, जिसमें मेरे विचार, प्रेरक बातें और निजी सोच लिखी होती हैं। सफर में या सेट पर शांत पल मिलने पर मैं इसे पढ़ती हूँ, जिससे मुझे तुरंत उत्साह और ताकत मिलती है। यह मेरे लिए बहुत जरूरी है। इसके अलावा, मैं एक लाइट फ्लोरल परफ्यूम भी रखती हूँ, जो मेरा मूड तरोताजा कर देता है। एक स्किन हाइड्रेटिंग स्प्रे मुझे सीन के बीच तरोताजा रखता है, और हर्बल टी के सैशे लंबी शूटिंग के दौरान काम आते हैं। ग्लैमर के लिए मेरी पसंदीदा न्यूड लिपस्टिक और सनस्क्रीन भी हमेशा साथ रहते हैं, खासकर बाहर शूटिंग के वक्त। ये सारी चीजें मुझे स्थिरता और एनर्जी देती हैं, ताकि मैं पूरे दिन तैयार रहूँ।

कोरबा में लीडरशिप समिट- शिक्षा में एआई के प्रभाव पर प्राचार्यों ने की गहन चर्चा

कोरबा अम्बिकावाणी - आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब भविष्य नहीं, वर्तमान की हकीकत है। शिक्षा जगत भी इससे अछूता नहीं रह गया है। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी, रायगढ़ द्वारा शनिवार को होटल गणेश इन, कोरबा में लीडरशिप समिट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय था. एआई-पावर्ड एजुकेशन शाम ६ बजे से ९ बजे तक आयोजित इस समिट में कोरबा क्षेत्र के करीब २५ स्कूल और कॉलेजों के प्राचार्य शामिल हुए। समिट का उद्देश्य था कि उभरती तकनीक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को शिक्षा के क्षेत्र में किस तरह सकारात्मक रूप से शामिल किया जा सकता है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. आर. डी. पाटीदार ने कहा, च्च्एआई अब हमारी शिक्षा प्रणाली का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। यह न केवल पढ़ाने के तरीकों को बदल रही है, बल्कि छात्रों के सीखने के अनुभव को भी बेहतर बना रही है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि तकनीक शिक्षक की भूमिका को खत्म नहीं करे, बल्कि उसे और मजबूत बनाए। समिट के दूसरे सत्र में यूनिवर्सिटी के इनोवेशन सेंटर के सीईओ डॉ. दीपायन प्रियदर्शी ने च्च्इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिपज्ज विषय पर प्रस्तुति दी। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों में नवाचार, रचनात्मकता और स्टार्टअप संस्कृति को प्रोत्साहित करने की बात कही। सभी प्राचार्यगण ने इस पहल की सराहना की और कहा कि इस तरह के आयोजन समय की आवश्यकता हैं। इनके माध्यम से न केवल शिक्षक बल्कि छात्र भी तकनीकी रूप से अधिक जागरूक बन सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी की टीम ने कुशलता से किया। समिट ने कोरबा के शैक्षणिक परिदृश्य में तकनीकी चेतना की एक नई लहर पैदा की है।

छोटी खबरें

साइबर सेल व थाना बांगो की संयुक्त कार्रवाई में वाहन चालक से लूटपाट करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

कोरबा अम्बिकावाणी - साइबर सेल कोरबा एवं थाना बांगो की संयुक्त कार्रवाई में वाहन चालक से लूटपाट करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। घटना २१ मई की रात २:३० से ३:०० बजे के बीच की है, जब प्रार्थी अपने सहचालक के साथ ट्रक में हाईब्रिड धान लोड कर अंबिकापुर से कोंडागांव की ओर जा रहा था। चोटिया टोल से करीब १८-२० किलोमीटर आगे एक पुलिया के पास टायर पंचर होने पर ट्रक को किनारे लगाकर टायर बदला जा रहा था। इसी दौरान एक सफेद रंग की कार ट्रक के पीछे आकर रुकी, जिसमें से उतरे ३-४ लोगों ने पानी मांगने के बहाने मारपीट शुरू कर दी। टायर लीवर से हमला कर ट्रक के केबिन से मोबाइल, पर्स, दस्तावेज, १,००० रुपये नगद एवं कृषक संगवारी समिति की ३९,००० रुपये की राशि लूट ली गई। सूचना पर थाना बांगो में रिपोर्ट दर्ज की गई। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर तत्काल जांच शुरू की गई। सीसीटीवी फुटेज व कार के टूटे शीशे के आधार पर संदिग्ध वाहन की पहचान की गई। टी.पी. नगर स्थित दुकान से शीशा बदलवाने आई कार से एक आरोपी पकड़ा गया, जिसकी निशानदेही पर एक अन्य आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

पाली के बच्चों की पढ़ाई व्यवस्था के सहारे, 15 वर्षों से मिडिल स्कूल भवन का इंतजार

कोरबा अम्बिकावाणी- जिले के दूरस्थ अंचल पौड़ी उपरोड़ा जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत पाली में विगत १५ वर्षों से मिडिल स्कूल भवन का अभाव बना हुआ है। आज भी यहां के बच्चों को केवल व्यवस्था के सहारे शिक्षा दी जा रही है। यह स्थिति न केवल शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है, बल्कि शासन-प्रशासन के दावों की हकीकत को भी उजागर करती है। पाली गांव कोरबा मुख्यालय से लगभग ११० किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहां मिडिल स्कूल की पढ़ाई तो होती है, लेकिन भवन के नाम पर कुछ भी स्थायी नहीं है। कभी पंचायत भवन तो कभी आंगनबाड़ी केंद्र के कमरे में बच्चों को बैठाकर पढ़ाई कराई जाती है। बारिश के मौसम में स्थिति और भी बदतर हो जाती है, जिससे बच्चों की पढ़ाई पर सीधा असर पड़ता है। ग्राम पंचायत के सरपंच सुमार सिंह मरकाम ने इस मुद्दे को लेकर गंभीरता दिखाई है। उन्होंने अपने पंचगणों के साथ जिला कलेक्टर जनदर्शन में पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और मिडिल स्कूल भवन की शीघ्र स्वीकृति की मांग की। सरपंच का कहना है कि जब शासन हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का दावा कर रहा है, तो पाली जैसे पिछड़े इलाके के बच्चों को इस बुनियादी सुविधा से वंचित क्यों रखा गया है? पाली के ग्रामीणों का कहना है कि शिक्षा ही उनके बच्चों का भविष्य संवार सकती है, लेकिन विद्यालय भवन की अनुपलब्धता से बच्चों का मनोबल गिर रहा है। प्रशासन यदि समय रहते इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाए, तो क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था में न सिर्फ सुधार होगा, बल्कि ग्रामीणों का भरोसा भी बढ़ेगा।

जन्म प्रमाण पत्र के लिए रिश्वत मांगने वाली ए.एन.एम. निलंबित

खबर का असर

कोरबा अम्बिकावाणी - २३ मई को जन्म प्रमाण पत्र में सुधार के नाम पर एक पीड़ित माँ से ५०० रुपये की अवैध मांग करने वाली ए.एन.एम. पर आखिरकार प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। दैनिक अम्बिकावाणी में खबर प्रकाशित होने के बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए अनुविभागीय अधिकारी एवं एसडीएम पोड़ी उपरोड़ा द्वारा जांच के आधार पर संबंधित ए.एन.एम. को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। मामला यह था कि ग्राम बंजारी निवासी अमीशा धनवार ने अपने बच्चे के जन्म प्रमाण पत्र में सुधार के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिर (उप स्वास्थ्य केंद्र), मड़ई पहुंचकर आवेदन किया था। आरोप है कि वहां पदस्थ ए.एन.एम. सरस्वती रजक ने प्रमाण पत्र में सुधार के एवज में ५०० रुपये की मांग की और पैसे न देने पर प्रमाण पत्र जारी करने से इनकार कर दिया। दैनिक अम्बिकावाणी में यह खबर प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद प्रशासन हरकत में आया और मामले की जांच के निर्देश दिए। जांच में प्रथम दृष्टया शिकायत सही पाए जाने पर सरस्वती रजक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जटगा, विकासखंड पोड़ी उपरोड़ा में मुख्यालय निर्धारित किया गया है। प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई को आमजन और जागरूक नागरिकों ने सराहा है। इस घटनाक्रम ने यह साबित किया है कि मीडिया की सजग भूमिका और जनता की आवाज का असर होता है, बशर्ते प्रशासन संवेदनशील और जवाबदेह हो।

गरीबी की मार और तंत्र की बेरुखी

जन्म प्रमाण पत्र के लिए चावल बेचने को मजबूर हुई माँ, शोषण और भ्रष्टाचार की मार झेल रही ग्रामीण माँ का वीडियो वायरल, प्रशासन हरकत में

कोरबा अम्बिकावाणी - एक जन्म प्रमाण पत्र के लिए कितनी बार चक्कर काटना पड़ा, और जब बना, तो पैसे भी देने पड़े- यह दर्दभरा बयान था अमीषा धनवार का, जो इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में अपने आँसुओं के साथ भ्रष्ट तंत्र की कलई खोलती नजर आ रही हैं। ग्राम बंजारी निवासी अमीषा धनवार अपने बच्चे के जन्म प्रमाण पत्र में नाम सुधार करवाने के लिए महीनों से बंजारी के स्वास्थ्य केंद्र का चक्कर काट रही थीं। आर्थिक रूप से बेहद कमजोर अमीषा के पास नकद पैसे नहीं थे, लिहाजा उन्होंने अपने घर का चावल बेचकर ५०० रुपये की व्यवस्था की—ताकि अपने बच्चे के अधिकार के लिए रिश्वत दी जा सके। अमीषा का आरोप है कि बंजारी उपस्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ एएनएम द्वारा प्रमाण पत्र के एवज में २०० रुपये और नाम सुधार के लिए ५०० रुपये की मांग की गई। वीडियो में अमीषा की पीड़ा स्पष्ट दिखाई देती है, जो यह दर्शाती है कि ग्रामीण क्षेत्रों में किस तरह गरीबों से अवैध वसूली की जा रही है।

प्रशासन हरकत में, ताला मिला उपस्वास्थ्य केंद्र पर

वीडियो के वायरल होने के बाद पोड़ी उपरोड़ा एसडीएम के मौखिक निर्देश पर नायब तहसीलदार सुमन दास मानिकपुरी ने जांच के लिए

ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों ने भी लगाए आरोप - जांच के दौरान बुलाए गए ग्राम सरपंच, उपसरपंच और अन्य ग्रामीणों ने भी पुष्टि की कि यह पहली बार नहीं है। उन्होंने बताया कि संबंधित एएनएम जानबूझकर प्रमाण पत्र में त्रुटियाँ करती है और फिर पैसे की माँग करती है। डर और दबाव के कारण अब तक कोई खुलकर सामने नहीं आया था। ग्रामीणों ने बताया कि जैसे ही यह वीडियो वायरल हुआ, आरोपी कर्मचारी घर से फरार हो गई।

प्रशासन की परीक्षा की घड़ी

यह घटना न केवल एक गरीब माँ की पीड़ा को उजागर करती है, बल्कि यह सवाल भी खड़े करती है कि आखिर कब तक गरीबों का शोषण इसी तरह होता रहेगा? स्वास्थ्य और नागरिक सेवाओं से जुड़ी ऐसी घटनाएँ शासन-प्रशासन की साख पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आम नागरिको की समस्याएं, आवेदनों का गंभीरता से निराकरण के दिए निर्देश

कुल 68 आवेदन हुए प्राप्त

कोरबा अम्बिकावाणी- कलेक्टर अजीत वसंत ने आज जनदर्शन में आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने जनदर्शन में प्राप्त सभी आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को प्रेषित कर निश्चित समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन में आज भूमि सीमांकन, बंटवारा, नक्शा दुरूस्तीकरण, अभिलेख शुद्धता, किसान ऋण पुस्तिका, मुआवजा भुगतान, वनाधिकार पत्र, पेंशन सहित अन्य ६८ आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत दिनेश कुमार नाग, अपर कलेक्टर मनोज कुमार बंजारे सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

ग्राम पंचायत गढ़कटरा की आदिवासी महिला की पुश्तैनी जमीन पर जबरन कब्जा, न्याय की गुहार

कोरबा अम्बिकावाणी - जिले के कोरबा जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत गढ़कटरा गांव की एक आदिवासी महिला जनकुंवर, पति सगऊ राम, जाति मंझवार, ने अपनी पुश्तैनी भूमि पर जबरन कब्जे की शिकायत जनदर्शन में पहुंच प्रशासन से की है। जनकुंवर का आरोप है कि ग्राम पुरेना, तहसील कटघोरा निवासी कृष्णपाल नामक व्यक्ति ने उनकी करीब ५० डिसमिल खेती योग्य जमीन पर बलपूर्वक कब्जा कर धान की बोआई कर दी है।

शिकायत पत्र के अनुसार, यह भूमि जनकुंवर की पुश्तैनी है, जिस पर वह वर्षों से खेती कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रही हैं। उनका कहना है कि उनके घर में कोई शासकीय या निजी नौकरी करने वाला सदस्य नहीं है, और यही जमीन उनकी आजीविका का मुख्य स्त्रोत है। जनकुंवर ने बताया कि कृष्णपाल ने पास की एक अन्य किसान रामायण सिंह से जमीन खरीदी है, जो उनकी जमीन से लगी हुई है। परंतु कृष्णपाल अब दादागीरी करते हुए यह दावा कर रहा है कि उससे लगी सारी जमीन भी उसी की है और वह जबरन उस पर भी खेती करेगा। विरोध करने पर महिला को धमकाया जा रहा है। इस घटना से गांव में दहशत का माहौल है। बुजुर्ग ग्रामीणों ने भी पुष्टि की है कि विवादित जमीन जनकुंवर की पुश्तैनी है। आदिवासी महिला ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर कृष्णपाल के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्यवाही की जाए ताकि उसे न्याय मिल सके और उसकी आजीविका सुरक्षित रह सके।

कुदरी गांव की महिला ननकी बाई को पुश्तैनी जमीन से किया वंचित, पटवारी और दलालों पर मिलीभगत का आरोप

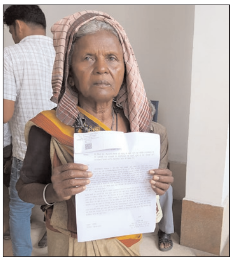

कोरबा अम्बिकावाणी- कोरबा जिले के ग्राम कुदरी की ६५ वर्षीय महिला ननकी बाई, पिता स्वर्गीय गेंदाराम यादव ने आरोप लगाया है कि उनके पिता की मृत्यु के पश्चात भूमि का फौती नामांतरण प्रक्रिया में भारी गड़बड़ी की गई है। उन्होंने शिकायत की है कि गांव के दलालों और पटवारी की मिलीभगत से उनके हिस्से की पुश्तैनी जमीन में से उनका नाम काट दिया गया है और दूसरी पत्नी गुरुवारीन बाई के वारिसों के नाम पर नामांतरण कर दिया गया। शिकायत पत्र के अनुसार, गेंदाराम यादव की दो पत्नियां थीं- पहली पत्नी सुखमीन बाई से तीन पुत्रियां थीं, जिनमें ननकी बाई भी शामिल हैं। दूसरी पत्नी गुरुवारीन बाई से तीन पुत्र और दो पुत्रियां हैं। ननकी बाई का कहना है कि पहली पत्नी की संतानें भी इस भूमि की वारिस हैं, लेकिन उन्हें जानबूझकर हक से वंचित किया गया। ननकी बाई ने आरोप लगाया है कि खसरा नंबर ३१७ और ५४/१ की जमीन, जिसका कुल रकबा लगभग ०.८१ हेक्टेयर है, उसे फर्जी तरीके से दूसरी पत्नी के वारिसों के नाम फौती कर दिया गया है। इसके बाद इस जमीन को एनएच रोड पर दर्शा कर किसी अन्य महिला झ्र ईतवारीन बाई झ्र की जमीन में मिलाकर बेच दिया गया है। यह कार्य दलालों और संबंधित कर्मचारियों की मिलीभगत से किया गया है। ननकी बाई ने प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच करायी जाए, दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए और उन्हें न्याय दिलाया जाए। साथ ही, उन्होंने अपने नाम को सहखातेदार के रूप में राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करने की मांग की है।

नगर निगम कोरबा में प्रशासनिक जिम्मेदारी में अस्थायी बदलाव, अपर आयुक्त को मिला अतिरिक्त प्रभार

कोरबा अम्बिकावाणी - नगर पालिक निगम कोरबा में प्रशासनिक व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन ने अस्थायी बदलाव किया है। शासन द्वारा जारी आदेशानुसार, वर्तमान आयुक्त आशुतोष पांडेय को ५ मई २०२५ से १३ जून २०२५ तक मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में प्रशिक्षण हेतु नामांकित किया गया है। प्रशिक्षण अवधि के दौरान नगर निगम की कार्यप्रणाली प्रभावित न हो, इसके लिए शासन ने अपर आयुक्त विनय कुमार मिश्रा को निगम आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। यह आदेश छत्तीसगढ़ राज्यपाल के नाम पर विधिवत रूप से जारी किया गया है। श्री मिश्रा इससे पूर्व भी नगर निगम के विभिन्न महत्त्वपूर्ण कार्यों की निगरानी कर चुके हैं और प्रशासनिक अनुभव से परिपूर्ण माने जाते हैं। प्रशासनिक हलकों में यह निर्णय स्थानीय विकास कार्यों की निरंतरता सुनिश्चित करने की दिशा में एक सकारात्मक पहल के रूप में देखा जा रहा है। उम्मीद जताई जा रही है कि श्री मिश्रा के नेतृत्व में निगम की गतिविधियां पूर्ववत सुचारु रूप से संचालित होती रहेंगी और नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी।

पति की लंबी आयु की कामना के लिए सुहागिनों ने रखा वट सावित्री का व्रत

रायपुर। पति की लंबी आयु की कामना के लिए सोमवार को सुहागिन महिलाओं ने निर्जला व्रत रखकर वट सावित्री की पूजा-अर्चना की। सदा सुहागन रहने की मनोकामना लेकर नवविवाहित महिलाएं वट वृक्ष का विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने के बाद वट वृक्ष में धागा बांधने की रस्म पूरी की।

न्यायालय तहसीलदार, सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

// ईश्तहार //

रा०प्र०क्र० 202412260100123/
अ-19/2024-25
ग्राम - रामनगर

सर्व साधारण ग्राम रामनगर को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक संस्था कार्यपालन अभियंता छ०ग० गृह निर्माण मण्डल, परियोजना संभाग कोरिया द्वारा अपने पत्र क्रमांक 2889 दिनांक 27.11.2024 के माध्यम से ग्राम रामनगर, प०ह०नं० 23 तहसील सूरजपुर स्थित शासकीय भूमि खसरा नं० 3317 रकबा 7.45 हे० एवं खसरा नं० 3319 रकबा 0.96 हे० एवं खसरा नं० 3320 रकबा 1.61 हे० कुल खसरा नं० 3 प्लाट योग रकबा 10.02 हे० भूमि को अटल बिहार योजना के तहत भूमि आंबटन करने हेतु श्रीमान कलेक्टर महोदय सूरजपुर के समक्ष अनुरोध किये जाने पर जांच कार्यवाही पूर्ण कर प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त के संबंध में हल्का पटवारी नं० 23 तहसील सूरजपुर जांच प्रतिवेदन मय पंचनामा एवं खसरा, नक्शा की प्रति सहित लिया गया। हल्का पटवारी द्वारा प्रतिवेदित किया है कि ग्राम रामनगर, प०ह०नं० 23 तहसील सूरजपुर स्थित शासकीय भूमि खसरा नं० 3317 रकबा 7.45 हे० एवं खसरा नं० 3319 रकबा 0.96 हे० एवं खसरा नं० 3320 रकबा 1.61 हे० कुल खसरा नं० 3 प्लाट योग रकबा 10.02 हे० भूमि (सेंटलमेंट अनुसार परती मद) को अटल बिहार योजना के तहत भूमि आंबटन किये जाने हेतु प्रस्तावित किया गया है। उक्त आंबटित भूमि के साथ खसरा नं० 3313, 3314, 3315, 3316, 3318 रकबा क्रमशः 2.18, 2.75, 2.21, 8.30, 3.05 हे० भूमि (सेंटलमेंट अनुसार जंगल झाड़ी मद) योजना अंतर्गत खेल मैदान व उद्यान निर्माण हेतु सुरक्षित किया जायेगा।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 30.05.2025 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में आपत्ति/दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 20.05.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार सूरजपुर,
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार, अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202504020700196/

मामले की श्रेणी :- राजस्व
विषय:- अ-27 सन:- 2024-2025
सुन्दरपुर, प.ह.नं. (00026),
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार- केन्दी बाई, उर्मिला, घुरनी,
अनावेदक पक्षकार-केन्दी बाई, उर्मिला, घुरनी,

ईश्तहार

आवेदिका उर्मिला आ० स्व० रामनाथ व अन्य, निवासी ग्राम सुन्दरपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम सुन्दरपुर स्थित खसरा नंबर 259, 339/1, 472/3, 505/2, 506/2, 507/2, 566/5, 641/4 रकबा क्रमशः 0.162, 0.126, 0.081, 0.008, 0.020, 0.020, 0.186, 0.148 हे० कुल प्लाट 08 कुल रकबा 0.751 भूमि को उभयपक्ष के मध्य में 1/3 अंश में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 23.06.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 22/04/2025 को जारी किया जाता है।

UMESHWAR SINGH BAJ
तहसीलदार
तहसील- अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार, सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

// ईश्तहार //

रा०प्र०क्र० अ-21(4)/2024-25
ग्राम - गोपालपुर

सर्व साधारण ग्राम गोपालपुर को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती चंदा देवी अग्रवाल पिता स्व० अशोक अग्रवाल एवं अन्य-1 दोनों जाति अग्रवाल निवासी नगर सूरजपुर तहसील व जिला-सूरजपुर (छ०ग०) के द्वारा ग्राम गोपालपुर, प०ह०नं० 09 तहसील सूरजपुर स्थित व्यपवर्तित भूमि खसरा नं० 555 रकबा 0.304 हे० में से रकबा 24 डिस्मिल भूमि को अनावेदिका श्रीमती सुलोचना देवी अग्रवाल पत्नि श्री सतीश कुमार बंसल निवासी वाइट विल्डिंग मनेन्द्रगढ़ रोड़ चन्दरपुर तहसील व जिला-सूरजपुर के पक्ष में दान पत्र निष्पादित कराने के संबंध में अनुमति बावत कलेक्टर महोदय, जिला-सूरजपुर (छ०ग०) के समक्ष प्रस्तुत करने से जांच कार्यवाही पूर्ण कर प्रतिवेदन इस न्यायालय में प्राप्त हुआ हैं। जिस पर भूमि बिक्री की अनुमति बावत कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या हितबद्ध पक्षकार अथवा किसी संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 06/06/2025 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अधिकृत अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19.05.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार सूरजपुर,
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार, सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

// ईश्तहार //

रा०प्र०क्र० अ-21(4)/2024-25
ग्राम-महंगवा

आम जनता ग्राम महंगवा को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक आनन्द कुमार आ० वल्द श्री हरीदास जाति अग्रवाल निवासी ग्राम सूरजपुर तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ०ग०) के द्वारा सूरजपुर प०ह०नं० 11 स्थित भूमि खसरा नं० 790, 791, 1134 रकबा क्रमशः 0.040, 0.024, 0.012 हे० भूमि पर अनावेदकगण का नाम विलोपित कराकर आवेदक अपना नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराने हेतु छ०ग० भू- राजस्व संहिता 1959 की धारा 109, 110 के तहत बिक्री नामा, खसरा, बी-1 की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या हितबद्ध पक्षकार अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 09.06.2025 को इस न्यायालय में 11.00 बजे अपना स्वंय अपने अधिकृत अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है, नियत समयावधि के बाद आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 16.05.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
सूरजपुर,
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार, सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

// ईश्तहार //

रा०प्र०क्र० 202412260100122/
अ-19/2024-25
ग्राम - तिलसिवां

सर्व साधारण ग्राम तिलसिवां को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि विषयांतर्गत लेख है कि आवेदक कार्यपालन अभियंता छ०ग० गृह निर्माण मण्डल, परियोजना संभाग कोरिया द्वारा अपने पत्र क्रमांक 2887 दिनांक 27.11.2024 के माध्यम से ग्राम तिलसिवां, प०ह०नं० 07 तहसील सूरजपुर स्थित शासकीय भूमि खसरा नं० 197/1 रकबा 17.705 हे० में से रकबा 0.800 हे० भूमि को अटल बिहार योजना के तहत भूमि आंबटन करने हेतु श्रीमान कलेक्टर महोदय सूरजपुर के समक्ष अनुरोध किये जाने पर जांच कार्यवाही पूर्ण कर प्रतिवेदन हेतु प्राप्त होने पर उक्त के संबंध में हल्का पटवारी नं० 07 तहसील जांच प्रतिवेदन मय पंचनामा एवं खसरा, नक्शा की प्रति सहित लिया गया। हल्का पटवारी द्वारा प्रतिवेदित किया है कि ग्राम तिलसिवां, प०ह०नं० 07 तहसील सूरजपुर स्थित शासकीय गोचर मद में दर्ज भूमि खसरा नं० 197/1 रकबा 17.705 हे० भूमि में से रकबा 0.800 हे० (2 एकड़) भूमि उक्त प्रयोजना हेतु चयन कर प्रस्तावित किया गया है।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 06.06.2025 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में आपत्ति/दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 21.05.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार सूरजपुर,
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

C M Y K

अम्बिकावाणी

अम्बिकापुर , मंगलवार 27 मई, 2025

सम्पादकीय

जब आप यह समझते हैं कि आपके सभी कार्य परमात्मा के लिए है तो हर कार्य एक सुखदायी अनुभव बन जाता है।

0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

देश विरोधी नेटवर्क से जुड़ना अक्षम्य अपराध

हरियाणा की एक यूटयूबर को पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया। ज्योति मल्होत्रा नाम की इस आरोपी को हिसार स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ सरकारी गोपनीयता अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संगत धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है,

और अदालत ने पूछताछ के लिए उसे पांच दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। यह गिरफ्तारी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी इंटर-स्टेट इंटेलिजेंस (आईएसआई) से जुड़े जासूसी नेटवर्क के खिलाफ देश की सुरक्षा एजेंसियों द्वारा कार्रवाई तेज करने के फलस्वरूप हुई है। इससे पहले एक महिला समेत दो लोगों को पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में पंजाब के मलेरकोटला से गिरफ्तार किया गया था। वे भी पाकिस्तान उच्चायोग में तैनात कुछ अधिकारियों के संपर्क में थे। हरियाणा के कैथल जिले के गुहला में भी एक युवक को जासूसी के आरोप में दबोचा गया है। ये तमाम गिरफ्तारियां इस लिहाज से चौंकाने वाली है कि आरोपी स्लीपर के रूप में मौजूद थे, और समाज में इस कदर सक्रिय थे कि उन पर पहली नजर में शक होना तक संभव नहीं था।

ये पाकिस्तान उच्चायोग के कुछ अधिकारियों के जाल में फंसे तो लालच के चलते फंसे। चाहते थे कि इस प्रकार मिलने वाले धन से ऐश की जिंदगी जी जाए। धन कमाने की लालसा होना कोई अपराध नहीं है, लेकिन इस लालसा के वशीभूत होकर देश विरोधी नेटवर्क से जुड़ जाना अक्षम्य अपराध है।

आरोपी ज्योति के यूटयूब चैनल के 3.77 लाख सब्सक्राइबर हैं। लेकिन शोनाशौकत की जिंदगी जीने की इच्छा ने उसे कानून के शिंकजे में धकेल दिया। वह पाकिस्तान के अलावा कई दूसरे देशों में भी घूम-फिर चुकी है। उसके मोबाइल फोन में कोड में पाकिस्तान उच्चायोग के अधिकारियों के नंबर मिले हैं, जिनसे वह निरंतर संपर्क में रहती थी और देश की महत्त्वपूर्ण जानकारी और सूचनाएं उन तक पहुंचा रही थी। हैरान करने वाली बात यह है कि वह देशभक्ति का लबादा ओढ़ कर अपनी करतूतों तो अंजाम दे रही थी। इन लोगों की गिरफ्तारियां भारतीय एजेंसियों की यकीनन बड़ी सफलता है, परंतु जरूरी है कि इनके पूरे नेटवर्क को ध्वस्त किया जाए। उन लोगों तक भी पहुंचा जाए जिनके ये लोग संपर्क में थे। यह काफी बड़ा जाल हो सकता है।

भारत ने तुर्किये को रणनीतिक रूप से घेरा

कुलदीप सिंह भाटी

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद आतंकियों को सबक सिखाने और आतंकवाद के प्रति भारत की असहिष्णुता की नीति के तहत भारत ने पड़ोसी देश पाकिस्तान में 'ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। इससे बौखलाए पाकिस्तान ने भारत पर सैन्य कार्रवाई शुरू कर दी थी।

हालांकि बाद में पाकिस्तान ने घबराकर संघर्ष-विराम का प्रस्ताव रखा जिसे भारत ने सशर्त स्वीकार कर लिया। पाकिस्तान के साथ इस सैन्य-संघर्ष में भारत के विरुद्ध प्रतिक्रिया देने और नापाक इरादों वाले पाकिस्तान का साथ देने वाले देशों विशेषतः तुर्किये और अजरबैजान के लिए भारत में बहुत नाराजगी देखी जा रही है। इस संघर्ष में तुर्किये ने जिस तरीके से भारत के खिलाफ वाक-युद्ध छेड़ा, यह संप्रभु भारत के लिए असहनीय व अस्वीकार्य था। तुर्किये ने न केवल मीडिया व अन्य मंचों पर भारत के विरुद्ध बयान दिए बल्कि पाकिस्तान को इस संघर्ष में सैन्य संसाधन उपलब्ध करवा कर सहायता भी की। 14 मई को तुर्किये प्रधानमंत्री अर्दोआन ने पाकिस्तान को अपना दोस्त बताते हुए भारत के खिलाफ विष वमन किया। संघर्ष के दौरान भारत पर हुए ड्रोन हमलों में प्रयुक्त बेयकर यीहा 3 और असीसगार्ड सोंगर नामक ड्रोन भी तुर्किये ने ही उपलब्ध कराए। इसके बाद भी जब पाक-सेना इनको ठीक से प्रयोग करने में अक्षम रही तो तुर्किये ने अपने तकनीकी विशेषज्ञों तक को सहायता के लिए पाकिस्तान भेजा था। भारत ने पाकिस्तान के प्रति तुर्किये के इस समर्थन व सहयोग को परोक्ष रूप से आतंकवाद व इसकी समर्थक सत्ताओं के लिए प्रोत्साहक माना। पाकिस्तान से सीजफायर के बाद भारत ने तुर्किये पर महत्त्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए कूटनीतिक तरीके से इसके भारत के साथ हो रहे विदेशी-व्यापार को लक्ष्य बनाया। तुर्किये ने पाकिस्तान को अपना महत्त्वपूर्ण मित्र राष्ट्र तो बताया पर वह यह भूल गया कि भारत ही वह देश है जिसने 2023 में उसके देश में आए भूकंप पर ऑपरेशन दोस्त के तहत सबसे पहले व सबसे तेज 12 घंटे में राहत सामग्री, बचाव उपकरण, सेना व एनडीआरएफ की टीम भेजी थी। दगाबाज तुर्किये का यह दुष्कृत्य न केवल सरकार बल्कि यहां के जनमानस के लिए भी अस्वीकार्य था। अतः हमारी सरकार द्वारा विरोधस्वरूप तुर्किये के विरुद्ध कुछ प्रतिबंधात्मक कदम उठाए जाते, इससे पहले ही हमारी राष्ट्रवादी जनता ने स्वतः संज्ञान लेकर स्वविवेक से तुर्किये से आयातित उत्पादों का बहिष्कार कर उनके विरु द्ध मोर्चा खोल दिया। सर्वप्रथम देशवासियों ने तुर्किये के पर्यटन व्यवसाय पर चोट की और वहां घूमने जाने वाले भारतीयों ने बड़ी संख्या में अपने टिकिट रद्द करवाए। ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया और ट्रैवल एजेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने 9 मई को घोषणा की कि वे अब तुर्की और अजरबैजान के लिए पैकेजों का प्रचार या बिक्री नहीं करेंगे। इससे तुर्किये को होने वाले आर्थिक नुकसान का अनुमान लगाया जा सकता है।

वर्ष 2024 में लगभग 3.30 लाख भारतीय पर्यटकों ने तुर्किये की यात्रा की, जिसका वहां की अर्थव्यवस्था में करीब 3000 करोड़ रुपये का योगदान था। विरोध के इस रास्ते को धीरे-धीरे अन्य उद्योगों ने भी अपनाया। देश के फल व्यापारियों ने तुर्किये से आयात होने वाले सेबों का बहिष्कार करना शुरू कर दिया। पर्यटन और बागवानी फसल सेब के बाद तुर्किये के मार्बल उद्योग पर भी भारत ने प्रहार किया है। तुर्किये से भारत विभिन्न प्रकार के मार्बल जिसमें ब्लॉक और स्लैब शामिल है, का आयात करता है। अब मार्बल आयात को पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया है। भारत में विभिन्न देशों से आयात होने वाले कुल मार्बल का 70 प्रतिशत आयात अकेले तुर्किये से होता है। राष्ट्र-हित व देश के प्रति उद्योग जगत की प्रतिबद्धता का ही परिणाम है कि इसके बाद भारत ने तुर्किये से आयात होने वाले ज्वेलरी उद्योग पर भी स्ट्राइक कर दी है। पिछले कुछ समय से भारत में तुर्किये में बनी कम वजन की ज्वेलरी खूब प्रचलन में आई है। इसने हमारे स्थानीय बाजारों में धूम मचा रखी है। फलतः बाजार में इसकी मांग भी तेजी से बढ ?लगी। अब तुर्किये को घुटनों पर लाने के लिए अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद (जीजेसी) के अध्यक्ष ने देश के सभी आभूषण विक्रेता, निमार्ता, व्यापारी और थोक विक्रेता से तुर्किये से सभी लेन-देन बंद करने की अपील की है। इसके अतिरिक्त इन मुख्य आयातकों वस्तुओं या उत्पादों के साथ ही सब्जियों, चूना, सीमेंट, खनिज-तेल, रसायन, प्राकृतिक या संवर्धित मोती, लोहा और इस्पात आदि के आयात पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड ?ा शुरू हो गया है।

इसके साथ ही भारत के ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म भी इसके उत्पादों को अपने पोर्टल से हटा रहे हैं। निष्कषतः भारत ने तुर्किये को पाकिस्तान का साथ देने के लिए रणनीतिक रूप से घेरा है। तुर्किये के व्यापार और वाणिज्य पर भारत की यह एक सफल ट्रेड स्ट्राइक है जिसके परिणाम वर्तमान के साथ निकट भविष्य में और बेहतर रूप से निकलकर आएंगे। यह कदम विश्व के दूसरे विरोधी देशों के लिए भी एक चेतावनी है कि भारत अब न केवल पाकिस्तान बल्कि उसके दुष्कृत्यों में उसका साथ देने वालों को भी अपने तरीके से सबक सिखाएगा।

भारत पाकिस्तान के वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शशि थरूर और असुद्दीन उवैसी गुलाम नबी आजाद की भूमिका

अजय दीक्षित

कांग्रेस नेता और संयुक्त राष्ट्र संघ में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर चुके, सांसद शशि थरूर और सांसद असाउद्दीन ओवैसी का रुख भारत, पाकिस्तान के मध्य वर्तमान तनाव के दौरान जो रहा है उसे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और देशवासियों ने सराहा है उससे भारत के महान ब विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक व्यवस्था का सिर विश्व भर में ऊंचा हुआ है।यह घटना देश के इतिहास में हमेशा याद रखी जाएगी और इसको पूर्व प्रधानमंत्री स्व अटल बिहारी वाजपेई, मौलाना आजाद,की श्रेणी में रखी जाएगी।

भारत सरकार ने शशि थरूर, और असुद्दीन उवैसी को उस प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है जो ब्रिटेन जापान स्पेन रूस, इटली ब्राजील ऑस्ट्रेलिया साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, फ्रांस, सऊदी अरब, कतर, यमन में जाकर भारतीय पक्ष को रखेगा और इन आयोजनों को भारत की संबंधित देश की काउंसलेट करेगी।यह आयोजन भारत सरकार के मान्यता प्राप्त होंगे।

शायद उस मौके के बाद दूसरा मौका होगा जब विपक्ष के नेता भारत सरकार का पक्ष रखते हैं जैसा स्व अटल बिहारी वाजपेई ने 1992 में प्रधानमंत्री नरसिंह राव के समय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में रखा था।

उल्लेखनीय है कि असाउद्दीन ओवैसी हैदराबाद से और शशि थरूर केरल से सांसद हैं।

7 मई 2025 को भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पहलगाम की आतंकी घटना पर ऑपरेशन सिंदूर चलाकर जैश हिजबुल के पाकिस्तान में ठिकानों पर कार्यवाही की थी और उसका समर्थन देश के दिग्गज नेता असुद्दीन उवैसी और कांग्रेस नेता शशि थरूर ने यह कह कर किया था कि भारत सरकार ने सक्षम कार्यवाही की है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का समर्थन किया था। ए आई एम एम के नेता असुद्दीन उवैसी ने कहा कि पाकिस्तान अंतराष्ट्रीय भिखारी है और कोई भी मुसलमान या कुरान को मानने वाला यह नहीं कहता कि निदोर्षों को कत्ल किया जाए। इतना ही नहीं ओवैसी ने कहा कि भारत के मुस्लिम सुरक्षित हैं। दुनियां में सबसे ज्यादा मुसलमान भारत में ही हैं। और प्रगतिशील हैं। सांसद असाउद्दीन ओवैसी देश में भारतीय जनता पार्टी के मुखर विरोधी हैं लेकिन जब देश की बात आती है तो उन्होंने अपना रुख स्पष्ट किया।कई मौकों पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीव्र आलोचना की है।

सांसद शशि थरूर का नाम कांग्रेस की ओर से नही आया बल्कि विदेशी मामलों के जानकार, संयुक्त राष्ट्र में दी गई सेवाओं की वजह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से आया है। शशि थरूर ने कहा कि पाकिस्तान को लेकर या किसी अन्य मुद्दों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की नीति सही है। कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खडगे को शशि थरूर की बात गले नहीं उतर पाई है। बल्कि कांग्रेस ने कहा कि शशि थरूर लक्ष्मण रेखा पा र कर रहे हैं।

पिछले कुछ दिनों से शशि थरूर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की समन्वय ठीक है। उल्लेखनीय है कि भारत पाकिस्तान युद्ध या तनाव को लेकर और यूएस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप को के सीज फायर के बयान को लेकर कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेरना चाहती है

और सरकार इस मामले में बचना चाहती है।इसी लिए उसने शरद पवार को भी तब्बजो दी है क्योंकि उन्होंने संसद का सत्र बुलाने की कांग्रेस की मांग पर अपनी अलग राय रखी।

इस समय भारत के सभी राजनीतिक दलों में इस भारत पाकिस्तान युद्ध को लेकर समीक्षा जारी है।राहुल गांधी चाहते थे कि इंडिया ब्लॉक का रूख एक हो मगर बीजेडी, टीएमसी, वाईएसआर, सीपीएम सीपीआई, एआईडीएमके ने अपने राय ही नहीं बताई है।

कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी, स्थानीय भावना और पर्यटन को केंद्र सरकार के साथ है क्योंकि कश्मीर में पहलगाम की घटना को कश्मीरियों के रोजगार के खिलाफ माना गया है इसी कारण वहां 36 वर्ष में पहलीबार पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन हुऐ हैं। उल्लेखनीय है कि कश्मीर में 05 अगस्त 2019 को संविधान की अनुच्छेद 370 विलोपित कर दी गई थी और कश्मीर को केंद्रीय क्षेत्र घोषित किया गया था तब वहां पर रोष जताया गया था लेकिन उसके पंचायत चुनाव, लोकसभा चुनाव, विधानसभा चुनाव में कश्मीरी आवाम ने जमकर मतदान किया और जो कश्मीरी आवाम ने अपने सरकार चुनी, उमर अब्दुला मुख्यमंत्री बने। कश्मीर में युवाओं को रोजगार मिला। रोजगार मिलने से शांति आई और केंद्र सरकार के खिलाफ गुस्सा कम हुआ। लेकिन लोग इसलिए खुश थे कि वर्ष भर में 29 लाख पर्यटक कश्मीर आए।

इसी कारण वहां जब 22 अप्रैल को पहलगाम बेसरन में 26 पर्यटकों की आतंकियों ने हत्या कर दी तो आम कश्मीरी आवाम को समझ में आया कि यह हमारे रोजगार पर भी हमला है।

18 वी सदी की मालवा की रानी अहिल्याबाई का संदेश आज भी प्रासंगिक है

18 वी सदी के उत्तरार्ध में मालवा के महेश्वर से निकला राजमाता अहिल्याबाई का धर्म संरक्षण और गरीबों को समर्पित संदेश आज भी सार्थक और प्रासंगिक है। इंदौर की रानी अहिल्याबाई का जन्म 1725 में 31 मई को महाराष्ट्र के अहमदनगर में चोंडी नामक गैर सामंती परिवार में हुआ था।31 मई 2025 को 300 वर्ष वी जयंती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उस दिन भोपाल जंबूरी मैदान से अहिल्याबाई का संदेश राष्ट्र को देंगे। अहिल्याबाई एक रानी ही नहीं थी बल्कि सनातन धर्म की ध्वज वाहिका भी थी। उन्होंने अपने पति और मालवा नरेश खांडे राव की मृत्यु के बाद जा चारों ओर से राजाओं ने मालवा पर आक्रमण करने की योजना बनाई तो विधवा अहिल्याबाई ने 60 वर्षों की आयु में महिलाओं की तलवार से युक्त सेना बनाई और भाजे राव पवार, शिंदे को करारा जवाब दिया हार कर सेना जो हमला करने वाली थी वह लौट गयी। उसके बाद रानी अहिल्याबाई ने मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने ऐसा राज्य बनाया जिसमें गरीबों की तमाम योजना बनाई गई थी। इतना ही नहीं तत्कालीन समय में जब मुगलों की ताकत कम हो रही थीं और मराठा शक्ती का उदय हो रहा था तब उन्होंने दिल्ली पर कब्जा करने के लिए पेशवा बाजी राव की मदद की। उनके शासन के समय बंगाल में ब्रिटिश का कब्जा हो गया था और ब्रिटिश उड़ीसा विहार, उत्तर भारत में अपने पैर जमाना चाहते थे। अहिल्याबाई ने सनातन धर्म के बद्रीनाथ, गंगोत्री, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ मंदिर आदि का जीर्णोद्धार कराया। इतिहासकार रूत्र मजूमदार लिखते हैं कि अहिल्याबाई ने संपूर्ण उत्तर भारत, पश्चिमी प्रदेश में मंदिरों को सुधरवाया और यात्रियों के लिए अन्न क्षेत, धर्मशालाएं बनवाई, कुएं खुदवाए, बाबरिया, स्थापित कराई। और ये कार्य उन्होंने ऐसे काल खंड में किए जब सनातन धर्म संकट में था ।पूरे भारत में मुस्लिम शासक थे या ब्रिटिश काल आरंभ हो रहा था ईस्ट इंडिया कंपनी पूरे भारत पर पैर जमा रही थी, हिंदुओं की दुर्दशा थी हिन्दू धर्म पर जजिया कर लगा था। एक बार उनके लिए माले राव ने गाय के बछड़े को रथ से कुचल दिया और उसकी गाय ने अहिल्याबाई का रथ के सामने धरना दे दिया।इस बात का जब पता चला कि मलेराव ने बछड़ा मारा तो अहिल्याबाई ने एक निष्पक्ष शासक के मिशाल देते हुए अपने पुत्र मलेराव को हाथी से कुचलवाने का आदेश दिया, ऐसी थीं अहिल्याबाई रानी। रानी अहिल्याबाई ने इंदौर का महल छोड़कर नर्मदा नदी के किनारे महेश्वर में अपना घर बनाया और राज भी वही से किया । 31मई को उनकी 300 वी जयंती है। इतिहासकार ने अहिल्याबाई का जीवन चरित्र की आजादी के बाद अनदेखी की हमे अलाउद्दीन खिलजी, अकबर महान, करके पढ़ाया गया देश की अहिल्याबाई जैसी विशाल शख्सियत से दूर ही रखा , । भारतीय जनता पार्टी ने अहिल्याबाई रानी के जीवन चरित्र पर एक लाइट एंड साउंड शो भी अभी हाल ही में इंदौर में आयोजित किया गया था और अब 31मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जंबूरी मैदान भोपाल में एक कार्यक्रम करने जा रहे हैं।

० अजय दीक्षित

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1337

1	2	3	4		5	6	7
8				9		10	
				11	12		
13	14		15				16
	17	18				19	
	20					21	
	22				23		
24				25			

संकेतः बाएं से दाएं

1. यह हमारा राष्ट्रीय वृक्ष है (4)
5. शरीर के अंगों के जोड़ संबंधी एक रोग (3)
8. पैर का आघात, पैरों से कुचलने की क्रिया (5)
10. गहरा दुख, शोक (2)
11. यदि ऐसा न होगा, विवाह के समय वधू का वर को अंगीकार करना (3)
13. उरस्थल को यह कहा जाता है (2)
15. जीवयुक्त, जीवित, जीवधारी (3)
17. जो रिश्तें में माता के भाई हो, मातुल (2)
19. ऋग्वेद के अनुसार एक प्रकार का पेय जो देव और दानव दोनों को प्रिय था (2)
20. एक प्रकार का हास्य रस प्रधान रूपक (4)
21. निष्पत्ति, समाधान, निराकरण (2)
22. दीवानी अदालत का अभियोग, नालिश , अधिकार, स्वामित्व (2)
23. पकाकर गाढ़ा किया हुआ गन्ने का रस (2)
24. कपि, बंदर (3)
25. किसी के अपेक्षा और अधिक अच्छा (4)

ऊपर से नीचे

1. बलवीर, बलभद्र, सीरायुक्ष, बलदेव (4)
2. ध्यानमग्न, प्रवृत्तिशील, मनोयोग से काम में लगा हुआ (2)
3. संगीत का विशेष कंपन, महक, सुगंध (3)
4. दुख, तकलीफ, कष्ट (3)
6. बौना, छोटे कद का (3)
7. तीन घंटे का समय, एक पहर (2)
9. नई जिंदगी, नया जीवन (5)
12. आवाज, शब्द, शोरगुल (2)
14. क्षमादान करने की क्रिया या भाव (5)
16. सांवले रंग का (3)
18. प्रतिमास, प्रति महीने में (4)
19. संग, साथ, संगत (4)
23. पथ, मार्ग, रास्ता (2)

वर्ग पहेली 1336 का हल

ब्रा	य	न	ला	रा		ला	
जी		ख		शि	का	य	त
ल	ह	रा	ना		फि	क	रा
	ठ		क	म	ला		श
वि		ह	की	म		घा	ना
प्र	ति	वा	सी		मू	ल	
	र		ध	नु		मे	ला
ग	प		में		पा	ल	ना

एकदा

आतंकवाद केवल भारत की समस्या नहीं

तीन बड़े हमलों का मुख्य साजिशकर्ता लश्कर-ए-तैयबा का आतंकवादी रजाउल्ला निजामनी खालिद उर्फ अबू सैफुल्ला की पाकिस्तान के सिंध प्रांत में गोली मार कर हत्या कर दी गई। पाक सरकार ने उसे सुरक्षा मुहैया की थी। वह नागपुर स्थित आरएसएस मुख्यालय, सीआरपीएफ कैंप व भारतीय विज्ञान संस्थान पर हमलों का मुख्य साजिशकर्ता था। सिंध के मतली में उसके घर के करीब के चौराहे पर अज्ञात बंदूकधारियों ने उसे गोलियां मार दीं, जिसे आपसी रंजिश का मामला बताया जा रहा है। वह लश्कर के अबू अनस तथा चीमा का करीबी सहयोगी बाताया जाता है। अनस अब भी फरार है। 2008 में उप्र के रामपुर में जन्मा खालिद रामपुर के केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल शिविर पर हमले का मास्टरमाइंड था, जिसमें सात जवानों व एक नागरिक की मौत हुई थी।

2005 में बंगलुरु के भारतीय विज्ञान संस्थान में हुए हमले में एक प्रोफेसर समेत चार अन्य लोगों की भी हत्या हुई थी। इन हमलों की साजिश और इन मासूम लोगों की हत्या के मॉडयूल का पदार्फाश होने के बाद खालिद नेपाल से पाकिस्तान भाग गया। जहां वह लश्कर-ए-तैयबा व जमात-उल-दावा जैसे आतंकी संगठनों के लिए धन जुटाने और नये आतंकियों की भर्ती करने का काम कर रहा था। लश्कर-ए-तैयबा दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा इस्लामी आतंकवादी संगठन माना जाता है।

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

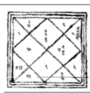

चौघड़िया

09 :03 से 10 :43 तक-चंचल
10 :43 से 12 :23 तक- लाभ
12 :23 से 14 .04 तक- अमृत
20 :24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशि : आज जिस काम को पूरा करना चाहेंगे वो आसानी से पूरा हो जाएगा। किसी जरूरी काम के पूरा होने पर बधाइयां देने के लिए घर में लोगों का आना जाना लगा रहेगा। आज आप किसी मित्र से मिलने उसके घर जा सकते हैं।

वृष राशि : आज तकदीर आपके साथ रहेगी। जिस काम को कई दिनों से पूरा करने की सोच रहे हैं वो आज किसी की मदद से पूरा हो जाएगा। आज किसी दूसरे के काम में राय देने से बचें। आज दूसरों से बात करते समय सही भाषा का प्रयोग करें।

मिथुन राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। लवमेट आज किसी अच्छे रेस्ट्रोरेंट में लंच का प्लान बना सकते हैं। आज आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा। घर से बाहर जाते समय जेब में थोड़े ज्यादा पैसे लेकर जाएं क्योंकि आज खर्च बढ़ सकता है।

कर्क राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। किसी रिश्तेदार के घर जाने का प्लान बना सकते हैं। आज आप किसी समारोह आकर्षण का केंद्र बनेंगे, लोग आपकी व्यक्तित्व से प्रभावित होंगे। इस राशि के नौकरीपेशा लोगों को आज सुनहरा मौका मिल सकता है।

सिंह राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आर्थिक पक्ष मजबूत बना रहेगा। आज ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी। जूनियर आपसे काम सीखने आ सकते हैं। दोस्तों के साथ पार्टी करेंगे, जहां सभी लोग खूब एंजॉय करेंगे। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा,

कन्या राशि :आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज लोग आपके प्रति आकर्षित होंगे। आपकी नए लोगों से दोस्ती होगी। नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए आज का दिन नए अवसर लाने वाला रहेगा।

तुला राशि : आज आपका मन किसी मित्र से मिलने का करेगा। इस राशि के विवाहित पुरुष आज जीवनसाथी को साड़ी गिफ्ट करेंगे। प्रॉपर्टी डीलर के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है। ड्राइव करते समय थोड़ा सतर्क रहें साथ ही सीट बेल्ट लगाना न भूले।

वृश्चिक राशि : आज पूरा दिन माता-पिता के साथ बीतेगा। आज खुद से बनाई हुई खीर पैरेंट्स को खिलाने पर पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी। अच्छे स्वास्थ्य के लिए ताजे फलों का सेवन करना अच्छा रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का अनुकूल रहेगा।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए आज कुछ अलग करेंगे। आपका अच्छा व्यक्तित्व समाज में अलग पहचान बनाने में मदद करेगा। आज आपको किसी सम्मानित व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है।

मकर राशि : आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। आज आपके मन में अलग-अलग विचार आयेंगे। आज आप हो सके तो वक़्त और पैसे को मनोरंजन पर ज्यादा खर्च न करें। ऐसी स्थिति में आप अपने किसी करीबी की मदद ले सकते है।

कुंभ राशि : आज आपका दिन नई उंमग लेकर आयेगा। आज नई बिजनेस डील फाइनल होगी। जिसके लिए आपको विदेश की यात्रा करनी पड़ सकती है। आज मुश्किल कामों का आसानी से निपटारा कर लेंगे। आज किसी प्रोजेक्ट को पूरा करने में बड़े भाई का सहयोग मिलेगा।

मीन राशि : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपको बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। आज आपके पारिवारिक जीवन में खुशियों का माहौल बना रहेगा। किसी प्रिय मित्र से मिलने का योग बना है। आज आपको नए स्त्रोतों से धन की प्राप्ति हो सकती है।

लैपटॉप खरीदते समय भूलकर भी न करें ये गलतियां

लैपटॉप खरीदना एक बड़ा फैसला होता है। चाहे आप स्टूडेंट हों, प्रोफेशनल या फिर गेमर, लैपटॉप की जरूरत सभी को होती है। इसलिए, लैपटॉप खरीदते समय कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। आइए जानते हैं कि लैपटॉप खरीदते समय कौन सी गलतियां आपको नहीं करनी चाहिए।

अपनी जरूरतों को न समझना

- सबसे पहले ये सोचें कि आप लैपटॉप का इस्तेमाल किस लिए करेंगे।
- अगर आप एडिटिंग के लिए लैपटॉप खरीद रहे हैं तो आपको मजबूत मशीन चाहिए होगी।
- जिन फीचर्स का आप इस्तेमाल नहीं करेंगे उनके लिए ज्यादा खर्च ना करें।
- प्रोसेसर लैपटॉप का दिमाग होता है। एक अच्छा प्रोसेसर आपके लैपटॉप को तेजी से चलाएगा।
- रैम लैपटॉप की मेमोरी होती है। ज्यादा रैम होने से आप एक साथ कई प्रोग्राम चला सकते हैं।
- आपको कितनी स्टोरेज की जरूरत है, यह आपके डेटा पर निर्भर करता है।
- अगर आप बहुत सारे फाइलें, वीडियो और गेम्स स्टोर करते हैं तो आपको ज्यादा स्टोरेज की जरूरत होगी।
- अगर आप लैपटॉप को घर से बाहर लेकर जाते हैं तो बैटरी लाइफ बहुत महत्वपूर्ण होती है।

कीमत पर दें खास ध्यान

आपको दुकान में जाकर यह नहीं देखना चाहिए की कौन सा लैपटॉप आपको खरीदना है। आपको पहले से प्लान बनाकर करना चाहिए। दुकानदार आपको हमेशा महंगा लैपटॉप बेचना चाहेगा। आपको खुद रिसर्च करके और फिर फैसला लेना चाहिए। लैपटॉप खरीदना एक बड़ा फैसला है, इसलिए जल्दबाजी में कोई फैसला न लें।

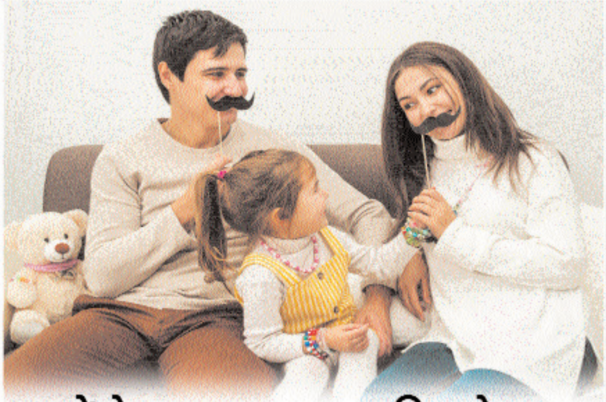

बच्चों के साथ रखना चाहिए दोस्ताना व्यवहार, ज्यादातर पैरेंट्स करते हैं ये चूक

बच्चों के साथ समय बिताएं, उनके साथ खेलें, बातचीत करें और उनकी एक्टिविटी में शामिल हों। जब बच्चे कुछ कहें, तो ध्यान से सुनें और उनकी भावनाओं को समझने की कोशिश करें।

बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार करना और दोस्ताना माहौल बनाए रखना पैरेंटिंग का एक अहम हिस्सा है। बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखना एक बेहतरीन तरीका है, जिससे आप उनके साथ एक मजबूत बंधन बना सकते हैं। यह न केवल बच्चों को सुरक्षित और प्यार महसूस कराता है, बल्कि उनके विकास के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है।

क्यों है बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार जरूरी?

बच्चे जब अपने माता-पिता को दोस्त समझते हैं, तो वे अपनी बातें खुलकर कह पाते हैं। इससे बच्चों को लगता है कि उनके माता-पिता उनकी बात सुनेंगे और उनकी भावनाओं को समझेंगे। दोस्ताना व्यवहार से माता-पिता और बच्चों के बीच एक मजबूत संबंध बनता है। इससे बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास बेहतर होता है। बच्चे आत्मविश्वास से भरे होते हैं और अपनी क्षमताओं पर विश्वास करते हैं।
माता-पिता अक्सर ये गलतियां करते हैं बच्चों को आदेश देने की बजाय उन्हें समझाएं कि क्यों कुछ चीजें करना जरूरी है। क्योंकि, बच्चों की अपनी राय होती है, उन्हें सुनें और उनकी राय का सम्मान करना चाहिए। बच्चों की तुलना दूसरों से न करें। बच्चों पर चिल्लाना या मारना उनके आत्मविश्वास को कम करता है।

बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार कैसे रखें?

बच्चों के साथ समय बिताएं, उनके साथ खेलें, बातचीत करें और उनकी एक्टिविटी में शामिल हों। जब बच्चे कुछ कहें, तो ध्यान से सुनें और उनकी भावनाओं को समझने की कोशिश करें। बच्चों से सवाल पूछें, ताकि वे अपनी बातें खुलकर कह सकें। बच्चों की हर छोटी बड़ी उपलब्धियों की सराहना करें और उन्हें प्रोत्साहित करें। दोस्ती का मतलब यह नहीं है कि बच्चों को सब कुछ करने दें। उन्हें सीमाएं निर्धारित करें और उन्हें समझाएं कि क्यों कुछ चीजें करना जरूरी है। बच्चों को वह व्यवहार सिखाएं जो आप उनसे देखना चाहते हैं। बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार करने के लिए आपको खुद में कुछ बदलाव लाने पड़ सकते हैं। बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार बनाए रखने के लिए धैर्य रखना बहुत जरूरी है।

दोस्ताना व्यवहार रखें

बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखने से वे आपसे अपने मन की बातें खुलकर साझा कर सकते हैं। इससे बच्चे आपके करीब महसूस करते हैं और किसी भी समस्या या चिंता को बिना झिझक आपके सामने रख सकते हैं। अक्सर माता-पिता बच्चों की बातों को नजरअंदाज कर देते हैं या जल्दी-जल्दी जवाब देते हैं। यह एक बड़ी चूक है। बच्चों की बातों को ध्यान से सुनना और उनकी भावनाओं को समझना जरूरी है।
अनुशासन सिखाएं, लेकिन प्यार से अनुशासन जरूरी है, लेकिन इसे सख्ती से नहीं बल्कि प्यार और समझदारी से सिखाएं। बच्चों को उनकी गलतियों का एहसास कराते समय उन्हें यह भी समझाएं कि आप उनसे प्यार करते हैं और यही कारण है कि आप उनकी भलाई के लिए ऐसा कर रहे हैं। बच्चों की तुलना दूसरों से करने से वे असुरक्षित महसूस कर सकते हैं। हर बच्चा अनोखा होता है और उनके गुणों को पहचानना और सराहना करना जरूरी है। बच्चे अपने माता-पिता के व्यवहार को देखकर सीखते हैं। इसलिए, उन्हें अच्छे मूल्य सिखाने के लिए आपको खुद अच्छे आचरण का पालन करना चाहिए।

प्रोत्साहन और प्रशंसा करें

बच्चों को उनके अच्छे व्यवहार, मेहनत और उपलब्धियों के लिए प्रोत्साहित करना और प्रशंसा करना चाहिए। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे आगे और बेहतर करने के लिए प्रेरित होते हैं। बच्चों को समय देना बेहद जरूरी है। उन्हे अपनी दिनचर्या मे शामिल करें और उनके साथ खेलें, पढ़ें, और बातचीत करें। इससे आपका रिश्ता मजबूत होगा।

बच्चों से डील करते हुए वही करें जो सही हो

कई बार बच्चे पेरेंट्स पर प्रेशर डालकर उनसे कोई बात मनवाना चाहते हैं। मसलन वे अपनी पसंद का सामान खरीदना चाहते हैं, किसी एक्टिविटी में जाना चाहते हैं, टीवी देखना चाहते हैं या अपनी पसंद का कोई और काम करना चाहते हैं। इसमें ये देखना जरूरी है कि बच्चे की बात किस हद तक मानी जा सकती है। अगर बच्चे की बात कुछ हद तक मानी जा सकती है तो उसे इस बारे मे स्पष्ट बताएं और अपनी स्थिति भी उसके सामने साफ कर दे। अगर बच्चे की परीक्षाएं हैं और वह अनुशासित नहीं है तो उसके नखरे उठाने के बजाय थोड़ा सख्ती से पेश आना बच्चे के हित में है। अगर बच्चा बड़े खर्च करने के लिए प्रेशराइज करे तो सिर्फ उसकी बात रखने के लिए उसकी इच्छाएं पूरी करना सही नहीं है।

इस तरह प्यार से समझाएंगी तो आपका चंचल और शरारती बच्चा भी रहेगा खुश

बच्चे जब खेलते-कूदते हैं और तरह-तरह की शरारतें करते हैं तो घर-परिवार में हर किसी का अच्छा खासा मनोरंजन होता है। लेकिन कभी-कभार बच्चों की शरारतें बहुत ज्यादा बढ़ जाती हैं, जिन्हें संभालना पेरेंट्स के लिए मुश्किल हो जाता है। कई बार बच्चे खुद को नोटिस कराने के लिए चिल्लाते हैं तो कभी बहुत जिद करते हैं वहीं कभी-कभी बच्चे बहुत ज्यादा रोते भी हैं। अगर ऐसी चीजें बच्चे की आदत में शुमार हो जाए तो पेरेंट्स गुस्से में बच्चों को पीट देते हैं या बुरा-भला कह देते हैं, लेकिन इसका असर बच्चों पर अच्छा नहीं होता। ऐसे में बच्चों से समझदारी से डील करना बहुत अहम हो जाता है। आइए जानते हैं कि बच्चे इस तरह का व्यवहार क्यों करते हैं और ऐसे व्यवहार से पेरेंट्स को कैसे डील करना चाहिए।

इन चीजों का बच्चों पर पड़ता है असर

बच्चों के जीवन में आने वाले परवर्तन का उन पर गहरा असर होता है। घर में छोटे भाई-बहन का आना, घर शिफ्ट करना, प्ले ग्रुप में जाना, किसी नए बच्चे के संपर्क में आना, परिवार के सदस्यों के साथ व्यवहार, ये सभी चीजें बच्चों के व्यवहार पर असर डालती है।
कई बार पेरेंट्स अपने चैलेंजेस में इतनी बुरी तरह उलझ जाते हैं कि उसका असर बच्चे भी महसूस करते हैं। बच्चों पर पेरेंट्स का नाहक नाराज होना उन्हें गुस्सैल और चिड़चिड़ा बना देता है।
कई बार पेरेंट्स के बच्चों के साथ बहुत ज्यादा सख्ती से पेश आने की वजह से भी बच्चे पेरेंट्स के प्रति नाराजगी रखते हैं और रिएक्ट करते हैं, ऐसे में पेरेंट्स को अपने व्यवहार के प्रति बहुत सजग रहने की जरूरत होती है।
बच्चे पेरेंट्स से अटेंशन चाहते हैं और इसमे कुछ भी बुरा नहीं है। अगर बच्चे थोड़ी-बहुत शरारत कर रहे हैं और शालीनता से पेश आ रहे हैं तो उन्हें प्यार से समझाया जा सकता है और अगर वे थोड़ी ज्यादा शरारत करें तो उनकी हर बात को मानना बहुत जरूरी नहीं है।

बच्चे के सामने हार ना माने

कई बार बच्चे अपनी बात मनवाने के लिए बहुत आक्रामकता से पेश आते हैं। जोर-जोर से चिल्लाना, सिर पटकना, कूद-फांद मचाना, घर-भर में दौड़ लगाना जैसी एक्टिविटीज करके बच्चे चाहते हैं कि उनकी बात फौरन मान ली जाए। ऐसी स्थिति मे आप बच्चे को इंस्पायर करें कि वह अपनी बात आपसे प्यार से कहे। आप उसकी बात संजीदगी से सुनें और प्यार से उससे बात करें, लेकिन अगर उसकी बात वाजिब नहीं है तो आप अपनी बात पर कायम रहें। बच्चा एक-दो बार जिद करता है, लेकिन जब उसे पेरेंट्स के व्यवहार मे कंसिस्टेंसी दिखती है तो वह मान जाता है।

पेरेंट्स के गुस्सा करने पर बच्चे भी होते हैं चिड़चिड़े

अगर बच्चे किसी बात से नाराज होकर चिल्लाते हैं और जिद करते हैं और आप भी उसी तरह से व्यवहार करते हैं तो उनका व्यवहार हमेशा के लिए ऐसी ही बन सकता है। अगर आप शांत भाव से बच्चे से बात करती हैं तो आप बच्चे को ज्यादा बेहतर तरीके से कन्विंस कर सकती हैं। साथ ही आपके धैर्य से बात करने से धीरे-धीरे बच्चे का गुस्सा भी शांत हो जाता है और वह रिलैक्स होकर आपसे बात करने लगता है।

बच्चों को समय देना है जरूरी

कई बार पेरेंट्स के बिजी होने पर बच्चे अकेला महसूस करते हैं और अपनी प्रॉब्लम्स शेयर नहीं कर पाते और इस सिचुएशन मे भी वे ज्यादा गुस्सा करते हैं। अगर बच्चों को पर्याप्त समय दिया जाए, उसके साथ खेलकूद में वक्त बिताया जाए, उसके साथ उनकी प्रॉब्लम्स की चर्चा की जाए और मौज-मस्ती मे वक्त बिताया जाए, तो पेरेंट्स के साथ उनकी बॉन्डिंग भी बेहतर होती है। इससे बच्चे मेंटली ज्यादा रिलैक्स रहते हैं और अपनी सिचुएशन को बेहतर तरीके से हैंडल करना सीख लेते हैं और पेरेंट्स के साथ भी अपनी प्रॉब्लम्स को आसानी से साझा करने में कामयाब होते हैं।

पौधों में बार-बार निकल आते हैं खरपतवार? छुटकारा पाने के लिए फॉलो करें ये आसान टिप्स

अपनी क्यारी में साथ दो या तीन पौधे लगाएं, जिसे कम्पनियन गार्डन कहते हैं। इससे कीटों को रोकने, मिट्टी को खनिज और पोषक तत्व प्रदान करने, खरपतवारों को दबाने जैसे कई लाभ मिलते हैं।

खरपतवार हमारे बगीचे या पौधों के लिए एक बड़ी समस्या हो सकते हैं। ये न केवल पौधों के पोषक तत्वों को सोख लेते हैं बल्कि उनकी वृद्धि को भी बाधित करते हैं। अगर आप भी खरपतवार से परेशान हैं तो इन आसान टिप्स को फॉलो करके आप उनसे छुटकारा पा सकते हैं।बरसात में पौधों के बीच कई खरपतवार निकल आते हैं। ये पौधे हमारे लिए तो हानिकारक नहीं होते हैं लेकिन अन्य पाधों की बढ़वार को जरूर घटा देते हैं। खाद का पोषण जो, पौधों को मिलना चाहिए वो खरपतवार अवशोषित कर लेते हैं, जिसके कारण पौधों की वृद्धि में कमी आ जाती है। इससे पौधों में कीट और अन्य बीमारियां भी आ सकती हैं। इसलिए समय रहते खरपतवारों को निकाल फेंकना ही पौधों के लिए सही होता है।

नियमित रूप से खरपतवार निकालें

अपने बागीचे के लिए हमेशा अच्छे बीजों का चयन करें क्योंकि इसमे कुछ अवांछित बीज भी मिले हो सकते हैं। बेहतर होगा कि आप स्वयं के बीज ही लगाएं। अगर टमाटर, बैंगन जैसी सब्जियों के बीज बोना है, तो उनसे ही बीज निकालकर मिट्टी में बो सकते हैं। इसके अलावा हमेशा गोबर की सड़ी हुई पुरानी खाद और कंपोस्ट का ही प्रयोग करें, क्योंकि इसमें खरपतवार के निकलने की गुंजाइश बहुत कम होती है।

मिट्टी को साफ रखें

अपनी क्यारी में साथ दो या तीन पौधे लगाएं, जिसे कम्पनियन गार्डन कहते हैं। इससे कीटों को रोकने, मिट्टी को खनिज और पोषक तत्व प्रदान करने, खरपतवारों को दबाने जैसे कई लाभ मिलते हैं। लेकिन ध्यान रहे, कोई भी पौधा किसी भी पौधे के साथ नहीं लगा सकते है, जैसे- टमाटर के साथ अजवाइन, गाजर, गेंदा लगा सकते है, लेकिन मक्का या गोभी नहीं लगा सकते हैं।

मल्चिंग करें

खरपतवार को निकालने के बाद गमले या क्यारी में न छोड़ दें। उन्हे फौरन दूर फेंक दे। ताजी खरपतवार को जड़ सहित खींचकर निकाल दें। लेकिन कई बार उनको हाथों से उखाड़ने पर जड़ें मिट्टी में ही रह जाती हैं। खासतौर पर ऐसा तब होता है जब ये खरपतवार बड़ी हो गई हो और उसकी जड़ों ने मिट्टी पकड़ ली हो। ऐसे में उन्हे खींचकर निकालने के बजाय खुरपी या हंसिया आदि से ने निकालें। खरपतवार को कंट्रोल करने का सबसे अच्छा तरीका है मल्चिंग। सूखे पत्तों, कार्डबोर्ड या फिर पुराने अखबार को मिट्टी के ऊपर बिछा दें। यह मल्चिंग 1-2 इंच के करीब न होनी चाहिए।

सिंचाई का ध्यान रखें

पौधों की मिट्टी में कार्बनिक खाद का प्रयोग करें। इससे खरपतवार की वृद्धि बहुत कम होती जाएगी। न कार्बनिक खादों का प्रयोग भूमि में उगने वाली फसलों को पर्याप्त वायु संचार, भूमि संरचना व अनुकूल नमी बनाए रखने के लिए किया जाता है। साथ ही ऐसा करने से मिट्टी के अंदर होने वाली खरपतवार भी बहुत कम हो जाती हैं। इसलिए अपनी बगिया में हमेशा जैविक और कार्बन युक्त खादों का ही प्रयोग करें।

बेकिंग सोडे का भी प्रयोग कर सकते हैं

खरपतवार को खत्म करने के लिए बेकिंग सोडे का भी प्रयोग कर सकते हैं। इसके लिए घास पर इसका अच्छी तरह से छिड़काव कर दे। लेकिन ध्यान रखें ज्यादा बेकिंग सोडा, मिट्टी को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए केवल खरपतवार पर इसे थोड़ी-थोड़ी मात्रा में डालें। गमलों और क्यारियों की निरंतर गुड़ाई करते रहें। गुड़ाई पौधों की वृद्धि के लिए अच्छी है। इसके साथ ही ने इससे खरपतवार भी दूर हो जाते हैं।

मनेंद्रगढ़। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा 29 मई गुरुवार को बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा आयोजित की जा रही है। बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा प्रातः 10 से 12.15 बजे तक जिले के 2 परीक्षा केंद्रों शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय मनेंद्रगढ़ तथा शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनेंद्रगढ़ में आयोजित की जाएगी। परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात परीक्षार्थियों को किसी भी परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जायेगा। परीक्षार्थियों को अपना फोटोयुक्त मूल आईडी प्रूफ परीक्षा केंद्र में लाना अनिवार्य किया गया है। मूल पहचान पत्र के अभाव में परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जायेगा। परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र में मोबाइल एवं अन्य डिवाइस ले जाना वर्जित किया गया है।

न्यूज गैलरी

पूर्ववर्ती सरकार के शिक्षा विभाग में व्यापक भ्रष्टाचार को लेकर प्रकाशित खबर पर कोई कार्यवाही नहीं

बालवाड़ी नहीं कमाईवाड़ा
अधिकारी के हस्तक्षेप से सस्ता सामान लिया 15 हजार में!
छत्तीसगढ़ बालवाड़ी योजना

कोरिया बैकुंठपुर। पुख्ता एवं प्रमाणित खबर प्रशासन पर पूर्ववर्ती सरकार में तत्कालीन कलेक्टर ने जांच समिति का गठन कर जांच करने का आदेश दिया समिति के द्वारा जांच भी की गई और जांच में यह पाया गया कि शिक्षा विभाग में व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार किया गया है बावजूद इसके शासन प्रशासन के द्वारा कोई भी कार्यवाही नहीं की गई।

कोरिया जिले में राजीव गांधी शिक्षा मिशन के समग्र शिक्षा के तहत बाल बड़ी योजना के तहत खरीदी में अनियमितता की जांच की गई इस जाच समिति में कलेक्टर के द्वारा गठित सदस्यों ने भी यह माना कि बालवाड़ी योजना अंतर्गत प्रदाय किए गए सामग्री का अनुमानित लागत ५५६० रुपए है बावजूद इसके कोरिया जिले में पदस्थ डीएमसी के द्वारा जिले के समस्त बालवाड़ी केंद्रो में जिले के बाहर सूरजपुर के पुस्तक भंडार से ?१५००० की राशि भुगतान कर खरीदी कर व्यापक रूप से भ्रष्टाचार किया गया। इस व्यापक भ्रष्टाचार में राज्य परियोजना कार्यालय के द्वारा भ्रष्टाचार करने में भरपूर सहयोग किया गया वैसे भी अगर देखा जाए तो राजीव गांधी शिक्षा मिशन समग्र शिक्षा शिक्षा विभाग की भ्रष्टाचार की जीवन रेखा के रूप में कार्य करती है शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार की जड़ सर्व शिक्षा अभियान से ही शुरू होता है। जांच समिति द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन में यह निष्कर्ष निकाला की कोरिया एमसीबी जिले में बाल बड़ी नहीं कमाई बड़ी योजना बनाकर रह गई। पूर्ववर्ती सरकार में जितना भ्रष्टाचार शिक्षा विभाग में हुआ वह किसी से छुपा नहीं है शिक्षा विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार को देखते हुए छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री के द्वारा छत्तीसगढ़ के शिक्षा मंत्री से शिक्षा विभाग वापस ले लिया गया और दो-तीन संभागों के संयुक्त संचालक को भी बर्खास्त करते हुए ठोस कार्यवाही की गई बावजूद इसके भ्रष्टाचार में कोई कमी नहीं आई इससे यह साफ नजर आता है कि पूर्ववर्ती सरकार में शिक्षा विभाग मंत्री अधिकारी एवं कर्मचारीयो की कमाई का जरिया बनकर रह गया और जांच कमेटी में भ्रष्टाचार की पुष्टि होने के बावजूद भी सरकार के द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई। निश्चित तौर पर पूर्ववर्ती सरकार में शिक्षा विभाग जैसे विभाग को भ्रष्टाचार भ्रष्टाचार के दौर से गुजरना पड़ा।

अमानक बीज-खाद बेचने वाले पर होगी सख्त कार्रवाई, दुकानें होंगी सील

धमतरी। जिले में अमानक खाद-बीज बेचने वाले दुकानदारों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने आज इसके लिए कृषि विभाग के अधिकारियों के अलावा सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों को भी अपने-अपने क्षेत्र की खाद-बीज की दुकानों-कृषि केन्द्रों का औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं कलेक्टर न अमानक खाद-बीज पाए जाने पर ऐसी दुकानों को सील तक करने को कहा है। कलेक्टर ने आज समय सीमा की साप्ताहिक बैठक में यह निर्देश दिए। उन्होंने बदलते मौसम और बढ़ती गर्मी को ध्यान में रखते हुए मौसमी बीमारियों की जानकारी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से ली। कलेक्टर ने सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में पर्याप्त मात्रा में दवाईयां रखने के निर्देश दिए। साथ ही स्वास्थ्य केन्द्रों में कंट्रोल रूम बनाने और उसका दूरभाष नंबर जारी करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने सिकसेल जांच के लिए प्रत्येक विकासखण्ड में जांच केन्द्र बनाने के लिए भी निर्देशित किया। इसके साथ ही आयुष्मान कार्ड, आयुष्मान वाय वंदन, जेनेरिक मेडिकल दुकानों की अद्यतन स्थित आदि की भी जानकारी ली। बैठक में कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि जिले में सुशासन तिहार के तहत समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। सभी जिला स्तरीय अधिकारी समाधान शिविरों का निरीक्षण करें और जहां शिकायतें आ रहीं हैं, उनका निराकरण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार में सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य सहित मूलभूत सुविधाओं से संबंधित मिले आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए कामों को जल्द से जल्द शुरू करें। कलेक्टर ने कहा कि महतारी वंदन योजना शासन की महत्वपूर्ण योजना है। इसके तहत महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपए मिलते हैं। उन्होंने जिन महिलाओं के खाते में राशि प्राप्त नहीं हो रही है, उसके कारणों की जांच करने के निर्देश जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग को दिए और प्राथमिकता से राशि अंतरित कराने की कार्रवाई करने कहा।

17 साल बाद मिले सहपाठियों ने पुरानी यादों को साझा किया

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। रविवार को सरस्वती शिशु मंदिर मनेंद्रगढ़ के 2008 बैच के सभी छात्रों का सम्मेलन कार्यक्रम हॉटल हसदेव इन में संपन्न हुआ। 17 वर्ष बाद सभी छात्र-छात्राएं आपस में मिले और विद्यालय में जाकर गुरूजनों से मिलकर उनका आशीर्वाद लिया।

कार्यक्रम में दिल्ली, मुंबई, नागपुर, पुणे, रायपुर, भोपाल, जबलपुर, बालाघाट एवं छतरपुर आदि विभिन्न जगहों से संस्था में अध्ययनरत 2008 बैच के छात्र-छात्राओं का नगर आगमन हुआ। सभी छात्रों ने 17 साल पुरानी यादों को दोस्तों के साथ साझा किया। कुछ छात्र इंजीनियर, डॉक्टर, जज तो कुछ प्राइवेट कंपनियों में कार्यरत हैं। कुछ राजनीति में तो कुछ हाउस वाइफ हैं। सभी ने अपनी-अपनी बातें सबके सामने रखीं और एक शानदार आयोजन सुमधुर यादों के साथ समाप्त हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रशांत तिवारी, गौरव खरे, आनंद ताम्रकार, तनु अग्रवाल, सुरभि अग्रवाल, खुशबू द्विवेदी, व्यंकटेश अग्रवाल, विकास पांडेय, आकाश अग्रवाल, प्रज्ञा सिंह, दीपाली, नीरज एवं कार्यक्रम आयोजक रवि जैन, राहुल शर्मा एवं निशा गौतम आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

कायस्थ समाज ने औषधालय के साथ देवालय को भी जरूरी बताया

अस्पताल की जमीन के लिए मंदिरों को क्षति नहीं पहुंचाने मंत्री से लेकर प्रशासन तक गुहार

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ में प्रस्तावित 220 बिस्तर अस्पताल के लिए शासकीय भूमि में निर्मित साईं मंदिर सहित उससे सटे जगत-जननी मां दुर्गा, गणेश और चित्रगुप्त मंदिर को किसी प्रकार की कोई क्षति न पहुंचे, इसके लिए कायस्थ समाज ने कलेक्टर डी. राहुल वेंकट से मिलकर चर्चा की। कलेक्टर ने अस्पताल को जरूरी बताया, लेकिन आश्वस्त किया कि मंदिरों को किसी प्रकार की कोई क्षति नहीं पहुंचाई जाएगी।

बता दें कि राजस्व निरीक्षक मनेंद्रगढ़ (शहरी) द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि मनेंद्रगढ़ स्थित नजूल भू-खण्ड क्रमांक13/38 क्षेत्रफल 151819 वर्गफुट भूमि जो कि नगर मनेंद्रगढ़ के नजूल संधारण खसरा वर्ष 2025-26 में शासकीय भूमि नजूल दर्ज है के अंशभाग कुल 4004.50 वर्गफीट पर साई मंदिर निर्मित है, की जांच कर अग्रिम कार्यवाही किये जाने का निवेदन किया गया है। उक्त कब्जा हटाने के संबंध में आगामी 9 जून 2025 तक दावा-आपत्ति पेश की जा सकती है। साईं मंदिर सहित उससे सटे चित्रगुप्त मंदिर को लेकर कायस्थ समाज के लोगों ने रविवार को क्षेत्रीय विधायक एवं प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल से मिलकर मंदिर को कोई नुकसान नहीं पहुंचाने के संबंध में निवेदन किया, जिस पर मंत्री जायसवाल ने भी भरोसा दिलाया कि मंदिरों को किसी प्रकार की कोई क्षति नहीं होगी। वहीं दूसरे दिन सोमवार को कायस्थ समाज ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर डी. राहुल वेंकट से भी इस विषय में चर्चा की। कायस्थ समाज की ओर से लखन लाल श्रीवास्तव ने कहा कि समाज के साथ सभी क्षेत्रवासी अस्पताल के पक्षधर हैं। हम प्रशासन के साथ हैं, लेकिन आस्था के केंद्र मंदिरों को कोई क्षति नहीं होनी चाहिए। मंदिरों के टूटने से धार्मिक भावनाएं आहत होंगी। उन्होंने कहा कि कायस्थ समाज का चित्रगुप्त मंदिर संभाग में इकलौता मंदिर है जहां विशेष अवसरों पर समाज के करीब 5 हजार से भी ज्यादा कायस्थ समाज की श्रद्धालु महिलाएं, पुरूष और बच्चे शामिल होते हैं। वहीं अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि विद्यालय, औषधालय और देवालय तीनों अपने-अपने तरीके से महत्वपूर्ण हैं। मंदिर को किसी प्रकार की क्षति न पहुंचाई जाए, इस संबंध में कलेक्टर एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की गई है। जिला प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि अस्पताल के लिए किसी भी मंदिर को कोई क्षति नहीं पहुंचाई जाएगी। वहीं बीरेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि सोमवार की शाम एसडीएम लिंगराज सिदार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अविनाश खरे के द्वारा संयुक्त रूप से मंदिरों का अवलोकन किया गया। अधिकारियों ने कायस्थ समाज को भरोसा दिलाया कि मंदिर पर किसी प्रकार की कोई आंच नहीं आएगी। इस दौरान नरेंद्र श्रीवास्तव, सुरेश श्रीवास्तव, सत्येंद्र सिन्हा, पंकज श्रीवास्तव, रितेश श्रीवास्तव, अरविंद श्रीवास्तव, विकास श्रीवास्तव, अभिषेक सिन्हा, हिमांशु श्रीवास्तव, स्वप्निल सिन्हा, राजेश सिन्हा, अरूण श्रीवास्तव, निशांत श्रीवास्तव, कृष्ण कुमार श्रीवास्तव, गौरव जायसवाल, सौरभ मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

होटल आदित्य गैस्ट हाउस और गगन ग्रैण्ड में 2 महिला समेत 6 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। गंज थाना क्षेत्र अंतर्गत होटल आदित्य गैस्ट हाउस एवं होटल गगन ग्रैण्ड में संचालित हो रहे अनैतिक देह व्यापार का पुलिस का भंडाफोड़ करते हुए 2 महिला समेत कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों होटलों से होटल के मैनेजर, स्टाफ और कुछ संदिग्ध व्यक्तियों को मौके से पकड़ा गया, जबकि होटल संचालक और पार्टनर फरार होने में कामयाब हो गए जिनकी तलाश में पुलिस जुट गई है। बताए जा रहे हैं। 17 मई को मुखबिर से सूचना मिलने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देशन में एण्टी क्राइम एवं साइबर यूनिट तथा गंज थाना की संयुक्त टीम ने प्वाइंटर भेजकर सौदे की पुष्टि की। प्वाइंटर द्वारा इशारा दिए जाने के बाद पुलिस टीम ने होटल आदित्य गैस्ट हाउस और होटल गगन ग्रैण्ड पर एक साथ दबिश दी। यहां से पुलिस ने सुब्रत सेठी - होटल गगन ग्रैण्ड का मैनेजर, रेवती साहू - होटल आदित्य गैस्ट हाउस की मैनेजर, नीलाबर बाग - होटल स्टाफ, नीशामणी बेहरा - आरोपी महिला, मनोज कुमार वैष्णव - संदिग्ध स्थिति में मिला, तेजेश्वर कुमार डडसेना - संदिग्ध स्थिति में मिलने पर गिरफ्तार किया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 04 मोबाइल फोन और नगदी राशि जप्त की है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ थाना गंज में अपराध क्रमांक 129/25 के तहत धारा 3, 4, 5, 7 अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम 1956 (संशोधित) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल होटल के संचालक कुणाल बाग और भागीदार सुमित फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस जुट गई है।

ड्रीप सिंचाई प्रणाली से सजेगा किसान का खेत, सुशासन तिहार के तहत कृषक लकड़ा को मिला लाभ, मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अभिनव पहल पर चलाए जा रहे सुशासन तिहार 2025 के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का समाधान प्राथमिकता से किया जा रहा है। इसी क्रम में सरगुजा जिले के ग्राम कुमडेवा निवासी कृषक श्री गबरेल लकड़ा ने ड्रीप सिंचाई प्रणाली की मांग को लेकर सुशासन तिहार में आवेदन किया था, जिसे उद्यान विभाग द्वारा तत्काल संज्ञान में लेकर निराकृत किया गया। कृषक के आवेदन पर त्वरित निराकरण करते हुए खेत में ड्रीप सिंचाई प्रणाली की स्थापना कर दी गई है। इस तकनीकी सुविधा से अब श्री लकड़ा अपने खेत में कम जल में अधिक क्षेत्र की सिंचाई कर सकेंगे, जिससे उत्पादकता बढ़ेगी और श्रम की बचत भी होगी। ड्रिप प्रणाली की स्थापना के बाद कृषक ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि शासन की इस तत्परता से वे बेहद संतुष्ट हैं। उन्होंने सुशासन तिहार को किसानों के लिए वरदान बताया और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ का पहला हिन्दी फिल्म जानकी भाग- 1 का ट्रेलर मुंबई में हुआ लांच, 13 जून को 7 भाषाओं में होगी रिलीज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के निमार्ता मोहित साहू ने छत्तीसगढ़ी, हिन्दी के साथ 7 भाषाओं में अपनी आगामी फिल्म जानकी भाग - 1 बनाया है जिसका ट्रेलर मुम्बई के अंधेरी वेस्ट स्थित इंफिनिटी मॉल में रिलीज किया गया। इस अवसर पर अभिनेता दिलेश साहू एवं अभिनेत्री अनिकृति चौहान समेत एक्टर नितीन ग्वाला, डायरेक्टर कौशल उपाध्याय, म्यूजिक डायरेक्टर मोनिका वर्मा व तोषांत कुमार, फेमस वाइस डबिंग आर्टिस्ट संकेत म्हात्रे व पायल विशाल तथा म्यूजिक डायरेक्टर अर्नब चटर्जी विशेष रूप से उपस्थित थे।

महुआ पेड़ के नीचे बैठकर विधायक भईया लाल रजवाड़े ने ग्रामीणों से की चर्चा

समस्या व शिकायत के समाधान होने पर लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद

कोरिया बैकुंठपुर। बैकुण्ठपुर विकासखण्ड के ग्राम मोदीपारा में महुआ पेड़ के नीचे समाधान शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में बैकुण्ठपुर विधानसभा के विधायक भईया लाल राजवाड़े मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। श्री राजवाड़े ने एक-एक ग्रामीणों से चर्चा की बल्कि उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी भी प्राप्त की।

श्री राजवाड़े ने सुशासन तिहार के प्रथम चरण में प्राप्त आवेदनों के बारे अधिकारियों से की गई कार्यवाही के बारे में जानकारी प्राप्त की । श्री राजवाड़े ने सभी विभागों के अधिकारियों से कहा कि आवेदकों से प्राप्त आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण व समय सीमा के भीतर निराकरण करें।

विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने प्राप्त आवेदनों पर की गई कार्यवाही के बारे में ग्रामीणों के समक्ष साझा की। इसके अलावा विभाग के अधिकारियों ने महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में भी ग्रामीणों को जानकारी दी गई।

इस समाधान शिविर में २७ हितग्राहियों को राशन कार्ड, तीन बुजुर्गों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड, ५ छात्रों को जाति प्रमाण पत्र, ५ बेटियों के पालकों को सुकन्या समृद्धि योजना के तहत पासबुक और १७ हितग्राहियों को वनाधिकार पट्टा जनप्रतिनिधियों ने वितरण किया। हितग्राहियों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार को धन्यवाद भी दिए। स्वास्थ्य विभाग व आयुष विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कर दवाई वितरण भी किया गया।

शिविर में जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा, बैकुण्ठपुर एसडीएम (राजस्व), श्रीमती दीपिका नेताम, विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

कोरिया हुआ गौरवान्वित, महामहिम राज्यपाल रमेन डेका से स्काउट गाइड हुए सम्मानित

कोरिया छत्तीसगढ़। महामहिम राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य अतिथ्य में राजभवन के दरबार हाल में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ का राज्य स्तरीय अलंकरण समारोह आयोजित किया गया जिसमें भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त डॉ. सोमनाथ यादव, राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेसी, छत्तीसगढ़ स्काउट गाइड के कार्यकारी अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, राज्य सचिव कैलाश कुमार सोनी, राज्य संगठन आयुक्त स्काउट विजय यादव, राज्य संगठन आयुक्त गाइड शिवानी गणवीर, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट शैलेंद्र कुमार मिश्रा, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त सरिता पाण्डेय, सहित राज्य एवं विभिन्न जिलो के पदाधिकारी सम्मिलित हुए. अलंकरण समारोह में सत्र २०२३-२४ एवं २०२४-२५ में राज्यपाल पुरस्कार जांच परीक्षा में उत्तीर्ण राज्य के कुल २३८९ स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स और रेंजर्स का प्रमाण पत्र प्रत्येक जिले के प्रतिनिधि के रुप में १ स्काउट, १ गाइड को वितरित कर सम्मानित किया गया 7 जिसमें कोरिया जिले से जिला मुख्य आयुक्त देवेंद्र तिवारी के निदेर्शानुसार, जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला आयुक्त स्काउट जितेंद्र कुमार गुप्ता के आदेशानुसार, एवं जिला संगठन आयुक्त स्काउट नागेश्वर साहू के नेतृत्व में प्रभारी सुरेंद्र कुमार जिला सचिव के साथ स्काउट रुकेश कुमार एवं गाइड अंजली टोप्पो ने जिले के कुल ५८ स्काउट गाइड प्रमाण पत्र प्राप्त किया 7 कोरिया जिले से सत्र २०२३ - २४ में शा. उ. मा. वि. चित्ताझोर पोड़ी से सुशील दास, निखिल कुजुर, सेंट जेवियर्स उ. मा. वि. रामपुर से सत्यम कुमार पैकरा, सत्यानन्द, राहुल, ममता टोप्पो, प्रीती सिंह मार्को, रिया भगत, प्रेरणा कुजूर, अल्फा किण्डो, नैन्सी सिंह, लोयोला उ. मा. वि. भैसवार से जितेन्द्र कुमार साहू, राघवेन्द्र पुरी, मंजिला सिंह, मीना सिंह, श्वेता पैंकरा, शा. उ. मा. वि. अकलासरई से अमन कुमार, रन्नु सिह, रामेश्वर सिह, बिमल कान्त, संदीप कुमार सिह, संगीता, सुमन, प्रीती, ललिता, प्रीती सिंह, एवं सत्र २०२४ - २५ में सेंट जेवियर्स उ. मा. वि. रामपुर से अनुज किंडो, सुशील कुमार, आर्यन चक्रधारी, अमित तिग्गा, अमित सिंह, एकता खाखा, अंजली टोप्पो, प्रिया किण्डो, श्रेया भगत, सोनाक्षी सिंह, आराधना टोप्पो, मेघा सिंह, पूर्णिमा पैकरा, लोयोला उ. मा. वि. भैसवार से संजय सिंह, प्रदीप सिंह, दीपन सिंह, अरविंद सिंह, अंजली बैगा, सिमरन कुजूर, खुशबू सिंह, रीमा पैकरा, आश्रिता पैकरा, शा. उ. मा. वि. अकलासरई से राधे कृष्णा, महेंद्र सिंह, रुकेश कुमार, रणधीर, रामेश्वर, आरती, शीला सिंह, आसमा देवी, सियामती, सावित्री ने राज्यपाल पुरस्कार स्काउट - गाइड जांच परीक्षा में सफलता अर्जित किए थे जिनका प्रमाण पत्र आज राजभवन के दरबार हाल से प्राप्त हुआ.

कोरिया जिले के इस उपलब्धि पर सम्मानित होने वाले समस्त स्काउट गाइड को कलेक्टर कोरिया पदेन संरक्षक भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ कोरिया चंदन संजय त्रिपाठी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कोरिया डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, जिला मुख्य आयुक्त देवेंद्र तिवारी, जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला आयुक्त स्काउट कोरिया जितेन्द्र कुमार गुप्ता, सुरेंद्र कुमार जिला सचिव, रवि कुमार पाण्डेय जिला संघ कोषाध्यक्ष, नागेश्वर साहू जिला संगठन आयुक्त स्काउट, विजय कुजूर जिला संगठन आयुक्त गाइड, सुनील बड़ा जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट, निशा खान जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड, श्याम कुमार आण्डिल विकासखंड सचिव सोनहत, शिवप्रताप सिंह विकासखंड सचिव बैकुंठपुर, विद्यालय के प्राचार्य एवं जिले के समस्त स्काउटर गाइडर ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किए हैं.

Sports Live

ओयो का बड़ा दांव, अब होटल ही नहीं घर भी मिलेगा किराए पर; ये है बड़ा प्लान

नई दिल्ली ,26 मई । हॉस्पिटैलिटी की दुनिया में अपनी पैठ मजबूत करते हुए, भारतीय कंपनी ओयो ने अंतरराष्ट्रीय विस्तार की दिशा में एक और बड़ा कदम बढ़ाया है। ओयो की यूरोपीय वेकेशन होम मैनेजमेंट यूनिट, बेलविला बाय ओयो , ने ऑस्ट्रेलिया की प्रमुख शॉर्ट-टर्म रेंटल मैनेजमेंट कंपनी मेडकॉम्फी का अधिग्रहण कर लिया है। यह सौदा कैश और स्टॉक के मिश्रण से हुआ है और इसे ओयो की मूल कंपनी ओरावेल स्टेज की असाधारण आम बैठक (श्वत्ररू) में हरी झंडी मिल गई है।

क्या है सौदे की कीमत ? इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस अधिग्रहण के तहत ओयो शुरूआत में लगभग 1.9 मिलियन डॉलर (करीब 16 करोड़ रुपये) के शेयर जारी करेगी।

कोर्ट पर ही टेनिस स्टार राफेल नडाल के निकले आंसू

0-शानदार विदाई समारोह में हजारों दर्शक भी हुए भावुक

पेरिस,26 मई। फ्रेंच ओपन 2025 रविवार, 25 मई से शुरू हो गया है. टूनार्मेंट के पहले दिन क्ले कोर्ट के बादशाह राफेल नडाल को भावनात्मक ट्रिब्यूट पेश किया गाय. इस मौके पर उनके कुछ सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी-रोजर फेडरर, नोवाक जोकोविच और एंडी मरे- भी कोर्ट पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई. शानदार विदाई समारोह को देखकर राफेल अपने आंसू नहीं रोक पाए और कोर्ट पर ही रोने लगे.

बता दें कि द किंग ऑफ क्ले के नाम से फेमस राफेल नडाल ने पिछले साल नवंबर में अपने शानदार करियर का अंत किया. वो 22 टाइटल के साथ दूसरे सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने वाले खिलाड़ी हैं. जबकि जोकोविच 24 और फेडरर 21 ग्रैंड स्लैम के साथ पहले और तीसरे स्थान पर हैं. इसके अलावा नडाल ने सबसे ज्यादा 14 बार फ्रेंच ओपन का खिताब जीता है. अपने 20 साला फ्रेंच ओपेन करियर में उन्होंने 112 मैच जीते और केवल चार मैच हारे हैं.

स्पेनिश खिलाड़ी के विदाई समारोह में दस हजार से ज्यादा दर्शकों ने राफेल नडाल नाम की टी-शर्ट पहनकर स्टैंड में बैठे रहे. जिन पर 14 नंबर और दिल बना हुआ था. इसके अलावा बड़ी स्क्रीन पर नडाल की छोटी फिल्म दिखाई गई, जिसमें उनके अविश्वसनीय फ्रेंच ओपन के सफर को दशार्या गया था. इस दौरान स्टैंड में एक महिला को अपने साथी के आंसू पोंछते हुए देखा गया. जैसे ही फिल्म समाप्त हुई, पूरे स्टेडियम में तीन मिनट तक तालियां बजती रही और इसी दौरान नडाल के भी आंसू निकल पड़े.

राफेल ने इस मौके पर फ?ेंच में कहा, मेर्सी ब्यूकॉप पिछले 20 सालों से इस कोर्ट पर खेलने के बाद मुझे नहीं पता कि कैसे और कहां से शुरूआत करनी है. मैंने इस कोर्ट का लुत्फ उठाया, दुख झेला, जीता, हारा. सबसे बढ़कर कि मुझे यहां खेलने का मौका मिला. नडाल ने रोलैंड गैरोस में अपने गुजरे समय के बारे में बात करते हुए कहा, मेरे करियर के सबसे महत्वपूर्ण टेनिस कोर्ट पर मुझे यह विदाई देने का अवसर देने के लिए गिल्स [मोरेटन], एमिली [मॉरिस्मो] और पूरी रोलैंड गैरोस टीम का मैं दिल से आभार व्यक्त करता हूं.यह एक अविश्वसनीय कहानी है जो 2004 में शुरू हुई थी जब मैं पहली बार रोलैंड गैरोस आया था उस वक्त मैं 18 साल का था और मेरा पहला बड़ा अनुभव वह मैच था जो मैंने अपने बचपन के दोस्त और प्रतिद्वंद्वी रिचर्ड गैस्केट के खिलाफ खेला था. उस दिन से, मुझे पूरी तरह से समझ में आ गया कि रोलैंड गैरोस का क्या मतलब है.

इस मौके पर नडाल ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को भी याद किया और कहा कि, मैंने इन 20 सालों में सब कुछ अनुभव किया है. मेरे पास अविश्वसनीय प्रतिद्वंद्वी रहे हैं, जैसे एंडी, नोवाक और निश्चित रूप से रोजर. वास्तव में इन लंबे समय तक चलने वाली प्रतिद्वंद्विता के बिना कुछ भी इतना रोमांचक नहीं होता, जिसने हम सभी को हर दिन बेहतर होने के लिए प्रेरित किया है.

रोलैंड गैरोस अद्भुत है, न केवल इसलिए कि यह इतिहास का एक मौलिक हिस्सा है, बल्कि उन सभी लोगों के लिए भी जो इस टूनार्मेंट को अद्भुत बनाने के लिए अथक परिश्रम करते हैं.

छोटी खबरें

हैदराबाद ने धमाकेदार जीत के साथ ली विदाई, कोलकाता को 110 रनों से रौंदा

0-क्लासेन बने प्लेयर ऑफ द मैच

नई दिल्ली,26 मई। सनराइजर्स हैदराबाद ने कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल 2025 के 68वें मुकाबले में 110 रनों से हरा दिया है. दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में हेनरिक क्लासेन के धमाकेदार शतक की बदौलत एसआरएच ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 278 रन बनाए. केकेआर इस लक्ष्य का पीछा करते हुए 18.4 ओवर में 10 विकेट गंवाकर सिर्फ 168 रन बना पाई और 110 रनों से मैच हार गई. इस जीत के साथ हैदराबाद ने जीत के साथ आईपीएल 2025 का अभियान समाप्त किया है जबकि केकेआर को टूनार्मेंट से हार के बाद विदाई लेनी पड़ी है. हैदराबाद से जीत के लिए मिले 279 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के लिए केकेआर की ओर से क्विंटन डी कॉक और सुनील नारायण ने पारी की शुरूआत की लेकिन डी कॉक 9 और नारायण 31 रन बनाकर पवेलियन लौट गए. इसके बाद अजिंक्य रहाणे ने 15 और अंगकृष रघुवंशी ने 14 रन बनाए. रिंकू सिंह 9, आंद्रे रसेल 0, रमनदीप सिंह 13 रन बनाकर चलते बने. टीम के लिए अंत में मनीष पांडे ने शानदार खेल दिखाते हुए 37 और हर्षित राणा ने 34 रनों की पारी खेली लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए. हैदराबाद के लिए हर्ष दुबे, जयदेव उनादकट और ईशान मलिंगा ने सबसे ज्यादा 3-3 विकेट हासिल किए. इस मैच में हेनरिक क्लासेन ने शतकीय पारी खेली. उन्होंने 39 बॉल पर 7 चौके और 9 छक्कों के साथ 105 रनों की नाबाद पारी खेली. वो हैदराबाद के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे. उनके अलावा इस मैच में हैदराबाद के लिए अभिषेक शर्मा ने 16 बॉल में 4 चौके और 2 छक्कों के साथ 32 रन बनाए. ट्रेविस हेड ने 40 बॉल में 6 चौके और 6 छक्कों के साथ 76 रनों की पारी खेली. ईशान किशन 29 और अनिकेत वर्मा ने 12 रनों का योगदान दिया. केकेआर की ओर से सुनील नारायण ने 2 और वैभव अरोड़ा ने 1 विकेट चटकाया. इस मैच में क्लासेन ने दो खास उपलब्धि हासिल की वो आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए. उन्होंने 17 बॉल में 50 रन पूरे किए. इसके अलावा वो आईपीएल इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वाले संयुक्त रूप से दूसरे बल्लेबाज बन गए. उन्होंने 37 बॉल में शतक लगाया और पूर्व भारतीय बल्लेबाज यूसुफ पठान की बराबरी कर ली. इसके साथ ही हैदराबाद ने इस मैच में 278 रन बनाकर आईपीएल इतिहास का तीसरा सबसे बड़ा टोटल बनाया.

2027 तक एजेंटिक एआई अपनाने में 383 प्रतिशत वृद्धि संभव : रिपोर्ट

नई दिल्ली ,26 मई । भारत में ह्युमन रिसोर्स इंडस्ट्री के लीडर्स को उम्मीद है कि 2027 तक एजेंटिक एआई अपनाने में 383 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जा सकती है। यह जानकारी सोमवार को आई एक रिपोर्ट में दी गई।

एजेंटिक एआई को ऐसी तकनीक के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो एआई एजेंटों को इस प्रकार सक्षम बनाती है कि वे मानवीय निगरानी के बिना स्वायत्त रूप से कार्य कर सकें।

अमेरिकी क्लाउड-बेस्ड सॉफ्टवेयर कंपनी सेल्सफोर्स द्वारा 200 ग्लोबल ह्यूमन रिसोर्स अधिकारियों के सर्वे के आधार पर बनाई गई रिपोर्ट से पता चलता है कि डिजिटल लेबर केवल एक ट्रेंड नहीं है, बल्कि यह एक व्यावसायिक रणनीति में क्रांति है।

उन्हें उम्मीद है कि अगले दो वर्षों में एआई एजेंटों को अपनाने में 383 प्रतिशत की वृद्धि होगी, जिससे उत्पादकता में 41.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जा सकती है।

सीएसके ने गुजरात को हराकर जीत के साथ किया अपने सफर का अंत

0-डेवाल्ड ब्रेविस रहे मैच के हीरो

अहमदाबाद,26 मई। आईपीएल 2025 के 67वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने गुजरात टाइटंस को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 40 रनों से हरा दिया है. इस मैच में सीएसके के कप्तान धोनी ने टॉस जीता और जीटी के कप्तान शुभमन गिल को पहले फील्डिंग करने के न्योता दिया.

सीएसके ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 230 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया. इसके जवाब में गुजरात टाइटंस की टीम 18.3 ओवर में 174 रनों बनाकर ऑल आउट हो गई और 38 रनों से मैच हार गई. इस मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए डेवाल्ड ब्रेविस को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

गुजरात टाइटंस के लिए पारी की शुरूआत करने के लिए साई सुदर्शन और शुभमन गिल आए. शुभमन गिल 13 रनों के निजी स्कोर पर लौट गए. इसके बाद जोस बटलर 5 और शेरफेन रदरफोर्ड 0 के निजी स्कोर पर आउट हुए. टीम के लिए सुदर्शन ने अच्छा खेल दिखाया और 28 बॉल पर 6 चौकों की मदद से 41 रनों की पारी खेली. वो टीम के टॉप स्कोरर रहे.

उनके अलावा शाहरुख खान ने 19, राशिद खान ने 12, गेराल्ड कोएट्जी ने 8, अरशद खान ने 20 और राहुल तेवतिया ने 14 रनों का योगदान दिया लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए और पूरी टीम 147 रनों पर ढेर हो गई. सीएसके के लिए नूर अहमद और अंशुल कम्बोज ने सबसे ज्यादा 3 विकेट हासिल किए जबकि रविंद्र जडेजा को 2 विकेट प्राप्त हुए.

इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स के लिए 17 वर्षीय आयुष मात्रे ने 17 बॉल में 3 चौके और 3 छक्कों के साथ 34 रनों की पारी खेली. डेवोन कॉन्वे ने 35 बॉल में 6 चौके और 2 छक्कों की मदद से 50 रन बनाए. उर्विल पटेल ने 19 बॉल पर 4 चौके और 2 छक्कों के साथ 37 रनों का योगदान दिया.

सीएसके के लिए सबसे ज्यादा रन डेवाल्ड ब्रेविस ने बनाए. उन्होंने 23 बॉल में 6 चौके और 5 छक्कों की मदद से कुल 57 रन बनाए. रविंद्र जडेजा ने 21 रनों का योगदान दिया और टीम को 230 तक पहुंचाया. गुजरात के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 और साई किशोर, राशिद खान और शाहरुख खान ने 1-1 विकेट हासिल किया.

पंजाब और मुंबई के बीच टॉप 2 की जंग

जयपुर,26 मई। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 69 वें मैच में आज यानी 26 मई को पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस भिड़ेंगी. ये मैच शाम 7:30 से जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला जाएगा. ये मैच दोनों टीमों के लिए अहम है, क्योंकि उनको क्वालीफायर 1 में जगह पक्की करने के लिए ये मैच जीतना जरूरी है.

दोनों टीमों के लिए ये इस सीजन लीग का आखिरी मैच है. 13 मैचों के बाद पंजाब 17 पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर है जबकि मुंबई उतने ही मैचों में 16 अंको के साथ चौथे नंबर पर है. अगर पंजाब इस मैच में विजई रहता है तो फिर वो 19 पॉइंट्स के साथ टॉप पर पहुंच जाएगा और अगर मुंबई इस मैच में बाजी मारता है तो वो 18 अंको के साथ टॉप टू में क्वालीफाई कर जाएगा, क्योंकि उनका नेट रन रेट गुजरात बेहतर है. दोनों टीमों के पिछले मुकाबले की बात करें तो पंजाब को दिल्ली से हार का सामना करना पड़ा था जबकि मुंबई ने दिल्ली को हराकर टॉप फोर में जगह बनाई थी. इस हिसाब से मुंबई के हौसले बुलंद होंगे. लेकिन पंजाब की टीम भी इस सीजन बहुत मजबूत रही है और वो ट्रॉफी जीतने के दावेदार भी हैं. वो पिछले दो मैचों में 200 प्लस का स्कोर करने में कामयाब रहे हैं.

दोनों टीमों में गुणवत्ता और गहराई की कोई कमी नहीं है, फिर भी उनके खेल का एक पहलू अधिक रोमांच प्रदान करने वाला है और वो है डेथ ओवर में पंजाब किंग्स की शानदार बल्लेबाजी. इस सीजन में पंजाब डेथ ओवरों में 11.68 की गति से रन बनाए हैं, जो किसी भी अन्य टीम से अधिक है. वहीं मुंबई इसी सीजन में शानदार गेंदबाजी आक्रमण के साथ मैदान में उतरा है जो बेहद उत्पादक रहा है,जिसने सबसे अधिक विकेट लिए हैं और इस सीजन में दूसरा सबसे कम रन देने वाले रहे हैं.

पंजाब के लिए बुरी खबर ये है कि उनके तेज गेंदबाज मार्को जॉनसन नेशनल ड्यूटी के लिए अपने देश रवाना हो गए है जिसकी वजह से वो इस मैच के लिए उपलब्ध नहीं होंगे जबकि युजवेंद्र चहल चोट के कारण पिछले मैच में नहीं खेल पाए थे और इस मैच में भी उनकी उपलब्धता अनिश्चित बनी हुई है.

दोनों टीमों के हेड टू हेड रिकॉर्ड की बात करें तो मुंबई इंडियंस को पंजाब किंग्स पर मामूली बढ़त हासिल है. दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 32 मैच खेले गए हैं जिसमें मुंबई को 17 मैचों में जीत मिली है जबकि पंजाब को 15 मैचों में जीत हासिल हुई है. हालांकि, 2019 से दोनों टीमों ने पांच-पांच मैच जीते हैं.

--------------------------- व्यापार/फिल्म ---------------------------

पेटीएम का नया फीचर : अब अपनी पेमेंट हिस्ट्री में छुपा सकेंगे सीक्रेट पेमेंट, जानें कैसे करें इस्तेमाल

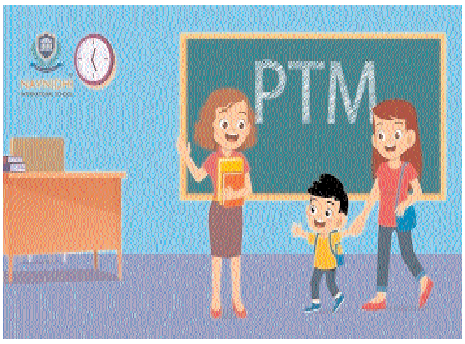

नई दिल्ली ,26 मई । डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म क्क्कड्डु4ह्लद्व ने अपने करोड़ों यूजर्स के लिए एक नया और उपयोगी फीचर पेश किया है, जिसका नाम है '॥द्वस्त्रद्ग क्कड्डु4द्वद्गठ्ठह्लर। यह फीचर उन यूजर्स के लिए काफी मददगार साबित होगा जो अपनी कुछ ऑनलाइन पेमेंट्स को दूसरों से छुपाना चाहते हैं। कंपनी का यह कदम यूजर्स की प्राइवेसी को और भी सुरक्षित बनाएगा।

'॥द्वस्त्रद्ग क्कड्डु4द्वद्गठ्ठह्लइ फीचर के नाम से ही स्पष्ट है कि यह यूजर्स को गुप्त रूप से भुगतान करने की सुविधा प्रदान करता है। यदि आप किसी को बिना बताए ऑनलाइन पेमेंट करना चाहते हैं, जैसे कि किसी के लिए सरप्राइज गिफ्ट ऑर्डर करना या देर रात की बुकिंग के लिए भुगतान करना, और आप अपनी पेमेंट हिस्ट्री में इसे दिखने से चिंतित हैं, तो यह फीचर आपकी इस परेशानी को दूर कर देगा। अब आप अपनी सीक्रेट ऑनलाइन पेमेंट्स को आसानी से दूसरों की नज?ों से बचा सकते हैं।

क्कड्डु4ह्लद्व ने इस फीचर को अपने सभी यूजर्स के लिए जारी कर दिया है। '॥द्वस्त्रद्ग क्कड्डु4द्वद्गठ्ठह्लइ की मदद से आप अपनी पेमेंट हिस्ट्री से किसी भी गुप्त ऑनलाइन पेमेंट को आसानी से हाइड और अनहाइड कर सकते हैं। यह उन सभी भुगतानों को छुपाने की अनुमति देता है जिन्हें आप दूसरों को नहीं दिखाना चाहते।

जानें '॥द्वस्त्रद्ग क्कड्डु4द्वद्गठ्ठह्लइ फीचर का इस्तेमाल करने का तरीका

सबसे पहले अपने स्मार्टफोन में क्कड्डु4ह्लद्व ऐप खोलें।

ऐप ओपन करने के बाद क्क्कड्डुद्यड्डठ्ठष्द्ग & ॥द्बह्यह्लशह्म्4 सेक्शन में जाएं।

अब आप जिस भी पेमेंट हिस्ट्री को छुपाना चाहते हैं, उस पर बाईं ओर स्वाइप करें।

स्वाइप करने के बाद आपको पेमेंट हिस्ट्री को हाइड करने का विकल्प दिखाई देगा।

पेमेंट को छुपाने के लिए '॥द्वस्त्रद्गइ ऑप्शन पर क्लिक करें और फिर 'ङ्घद्गह्यइ पर टैप करके पुष्टि करें।

इन आसान स्टेप्स को फॉलो करके आप क्कड्डु4ह्लद्व के नए '॥द्वस्त्रद्ग क्कड्डु4द्वद्गठ्ठह्लइ फीचर का लाभ उठा सकते हैं और अपनी कुछ संवेदनशील पेमेंट्स को अपनी हिस्ट्री में सुरक्षित रख सकते हैं।

भारत एशिया-प्रशांत में ग्लोबल कॉरपोरेशन के लिए रणनीतिक केंद्र : रिपोर्ट

मुंबई । भारत बीते वर्ष 2024 में एशिया-प्रशांत (एपीएसी) के सभी ऑफिस लीजिंग वॉल्यूम का 47 प्रतिशत हिस्सा था, जो 2015 में केवल 36 प्रतिशत था। व्यापार में बदलाव, सप्लाई चेन डायवर्सिफिकेशन और मैक्रोइकोनॉमिक चुनौतियों के बीच भारत की ऑफिस लीजिंग वॉल्यूम में बढ़ती हिस्सेदारी देश की रणनीतिक प्रासंगिकता को दशार्ती है। नाइट फ्रैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी), मल्टीनेशनल ऑक्यूपायर्स और थर्ड पार्टी सर्विस प्रोवाइडर्स की मजबूत मांग के कारण, 2024 में भारत के ऑफिस ट्रांजैक्शन की मात्रा रिकॉर्ड 6.68 मिलियन वर्ग मीटर (7.19 मिलियन वर्ग फीट) तक पहुंच गई। रिपोर्ट लागत दक्षता, प्रतिभा और इंफ्रास्ट्रक्चर की तलाश करने वाले ऑक्यूपायर्स के लिए भारत को एक दीर्घकालिक और स्थिर केंद्र के रूप में पेश करती है। नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा, एशिया-प्रशांत के ऑफिस लीजिंग वॉल्यूम में भारत की हिस्सेदारी बढ़कर 47 प्रतिशत हो गई है, जो देश के मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और ग्लोबल कॉरपोरेशन के लिए रणनीतिक केंद्र के रूप में बढ़ती अपील का प्रमाण है।

एसी चलाते समय इन बातों का रखें ध्यान, कम हो जाएगा बिजली का बिल

नई दिल्ली ,26 मई । गर्मियों में एयर कंडीशनर (एसी) का इस्तेमाल बढ़ने से बिजली का बिल भी बढ़ जाता है। हालांकि, कुछ आसान उपायों को अपनाकर आप अपने बिजली बिल में काफी बचत कर सकते हैं।

इन्वर्टर एसी लगवाएं: यदि आप नया एसी खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो हमेशा इन्वर्टर टेक्नोलॉजी वाला एसी ही चुनें। यह तकनीक बिजली की खपत को नियंत्रित करती है और पारंपरिक एसी की तुलना में कम ऊर्जा का उपयोग करती है।

टाइमर या स्लीप मोड का इस्तेमाल करें: रात में एसी चलाते समय टाइमर या स्लीप मोड सेट करें। इससे एसी आवश्यकतानुसार ही चलेगा और निर्धारित समय पर अपने आप बंद हो जाएगा, जिससे अनावश्यक बिजली की खपत नहीं होगी।

पंखे के साथ एसी चलाएं: एसी चलाते समय सीलिंग फैन को भी ऑन रखें। पंखे से ठंडी हवा पूरे कमरे में जल्दी फैलती है, जिससे आप एसी का तापमान थोड़ा बढ़ा सकते हैं और कंप्रेसर पर लोड कम होगा। कमरा जल्दी ठंडा होने पर एसी को बंद भी किया जा सकता है।

5 स्टार रेटिंग वाले एसी को प्राथमिकता दें: 5 स्टार रेटिंग वाले एसी भले ही थोड़े महंगे हों, लेकिन ये लंबे समय में बिजली के खर्च को काफी कम कर देते हैं। नया एसी खरीदते समय ऊर्जा दक्षता के लिए हमेशा उच्च स्टार रेटिंग वाले मॉडल को ही चुनें।

इन सरल उपायों को अपनाकर आप गर्मियों में भी अपने घर को ठंडा रख सकते हैं और साथ ही बिजली के भारी बिल से भी छुटकारा पा सकते हैं।

तटबंध निर्माण कार्य के लिए 77.35 लाख स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा बालोद जिले के विकासखण्ड-डौण्डीलोहारा के अंतर्गत ग्राम बड़ाजुंगेरा में स्थित स्थानीय नाले पर तटबंध निर्माण कार्य के लिए 77 लाख 35 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग रायपुर को तटबंध निर्माण कार्य कराने प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है।

न्यूज गैलरी

रायपुर में जल्द स्थापित होगा देश का प्रमुख एआई डेटा सेंटर- ईएसडीएस करेगी 600 करोड़ रुपये का निवेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ देश के डिजिटल परिदृश्य में बड़ा कदम रखने जा रहा है। रायपुर में अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए टेक्नोलॉजी कंपनी ईएसडीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन लिमिटेड ने 600 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश का प्रस्ताव मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

मुख्यमंत्री से नई दिल्ली स्थित छत्तीसगढ़ सदन में मुलाकात के दौरान कंपनी के चेयरमैन श्री पीयूष सोमानी और उपाध्यक्ष श्री लोकेश शर्मा ने कहा कि यह सेंटर न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे भारत के डिजिटल भविष्य को गति देगा। इस प्रस्ताव के माध्यम से छत्तीसगढ़ को एआई क्लाउड टेक्नोलॉजी, साइबर सिक्योरिटी और डिजिटल स्टोरेज के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में ठोस पहल होगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस प्रस्ताव का स्वागत करते हुए कहा, ₹डिजिटल इंडिया की भावना को छत्तीसगढ़ में धरातल पर उतारने के लिए यह निवेश मील का पत्थर साबित होगा। सरकार हरसंभव सहायता देगी ताकि यह परियोजना जल्द से जल्द मूर्तरूप ले।₹

ईएसडीएस की यह पहल छत्तीसगढ़ को एक टेक्नोलॉजी हब बनाने के साथ-साथ युवाओं के लिए उच्च स्तरीय रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगी। यह सेंटर राज्य के आईटी इकोसिस्टम को मजबूती देगा और डिजिटल आत्मनिर्भरता की ओर एक बड़ा कदम होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ के इनवेस्टमेंट कमिश्नर ऋतु सेन भी उपस्थित थी।

पर्यावरण व प्रकृति को सुरक्षित रखना सबसे बड़ा कर्म - राज्यपाल

00 भारत स्काउट्स गाइड्स के अलंकरण समारोह में शामिल हुए राज्यपाल, 00 युवाओं को स्काउट, गाईड्स हमेशा आदर्श व जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देता है

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में आज राजभवन में स्काउट्स और गाइड्स छत्तीसगढ़ राज्यस्तरीय अलंकरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में राज्यपाल श्री डेका ने राज्य के सर्वश्रेष्ठ स्काउटर, गाइडर, रोवर, रेंजर, एवं स्काउट-गाइड को राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन की समस्या को देखते हुए प्रकृति और पर्यावरण को सुरक्षित रखना हम सबकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। स्काउट्स एवं गाइड्स को इसमें अपना सक्रिय योगदान देना होगा। उन्होंने सभी से एक पेड़ मां के नाम पर लगाने और दोस्तों एवं परिजनों को भी इसके लिए प्रेरित करने की बात कही।

श्री डेका ने सम्मान प्राप्त होने पर स्काउट्स एवं गाइड्स को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत स्काउट्स एवं गाइड्स अपने आदर्श वाक्य तैयार हो के अनुरूप हमेशा अपने कर्तव्य और जिम्मेदारी के साथ देश और समाज की मदद हेतु तत्पर रहते हैं। देश के युवाओं को अच्छे नागरिक बनने, आत्मनिर्माण करने और सेवा कार्य हेतु सदा तैयार रहने की प्रेरणा देते हैं। आज भारत के युवा, अपने लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए उसी दिशा में कदम बढ़ाते हैं जहां उन्हें अपना करियर बनाना है। उसके लिए कठिन परिश्रम और लगन के साथ समय प्रबंधन बहुत जरूरी है। अगर किसी कारण से अपने लक्ष्य से चूक भी गए तो निराश मत हो बल्कि उन असफलताओं और पिछले अनुभवों से सीख लेकर आगे बढ़ें। हार नहीं मानते हुए पुनः अपने आप को तैयार करें और लक्ष्य की ओर बढें, सफलता जरूर मिलेगी। अनुशासन, दृढ़ संकल्प और स्वयं पर विश्वास, सफलता की ओर ले जाता है।

श्री डेका ने छत्तीसगढ़ के स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स द्वारा आपदा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, पेड़ लगाने और उन्हें संरक्षित रखने, साइबर अपराध, जाति भेदभाव जैसे अन्य विषयों पर विभिन्न माध्यमों से समाज को जागरूक करने की दिशा में हो रहे कार्यों सराहना की और राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में रोवर्स, रेंजर्स दलों का पंजीयन और गठन होने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

समारोह में सर्वश्रेष्ठ स्काउट श्री दीपक सिंह, श्री नितिश कुमार यादव, श्री लोमेश कुमार सर्वश्रेष्ठ गाइड कु. दीक्षा पटेल, कु. हंसनी, कु. झरना साहू सर्वश्रेष्ठ रोवर श्री अनुज साहू, सर्वश्रेष्ठ रेंजर कु. नेहा सेन व कु. प्रियंका यादव को राज्यपाल ने पुरस्कृत किया। इसी तरह सर्वश्रेष्ठ स्काउटर श्री गोपाल राम वर्मा व श्री मिलन सिंह सिन्हा एवं सर्वश्रेष्ठ गाइडर श्रीमती पुष्पा शांडिल्य व सुश्री रजनीकला पाटकर सम्मानित हुए। दीर्घ सेवा अलंकरण स्काउटर श्री रोमन लाल साहू व गाइडर श्रीमती बीना यादव को प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य आयुक्त डॉ. सोमनाथ यादव एवं आभार प्रदर्शन राज्य सचिव श्री कैलाश सोनी ने दिया। कार्यक्रम में राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर प्रसन्ना, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी, छत्तीसगढ़ स्काउट गाइड के कार्यकारी अध्यक्ष श्री राजेश अग्रवाल, राज्य के अन्य पदाधिकारी, विभिन्न जिलों से आये हुए स्काउट्, गाइडर, रोवर, रेंजर एवं स्काउट-गाइड उपस्थित थे।

पलायनवादी कांग्रेसी ही कर रहे हैं पलायन की बात - नेताम

रायपुर। सूबे के कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने एक बार फिर कांग्रेस और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर निशाना साधा है। उन्होंने कांग्रेस के आरोपों का पलटवार भी किया है। दरअसल कांग्रेस ने भाजपा सरकार में बस्तर में पलायन का आरोप लगाया था। इस पर मंत्री नेताम ने कहा कि पलायनवादी नेता पलायन की बात कह रहे हैं। कांग्रेस को दिमाग दुरुस्त कर लेना चाहिए। हमारी सरकार में कोई पलायन नहीं हो रहा है। हमारी सरकार जनता के हित में काम कर रही है। वहीं जाति जनगणना को लेकर दिल्ली में कांग्रेस की बैठक को लेकर उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता राजनीति कर बकवास करते हैं। मोदी सरकार ने जातिगत जनगणना का निर्णय ली है। कांग्रेस ने जाति जनगणना पर कोई काम नहीं की। भूपेश बघेल बघेल ने बीतें दिनों चुनाव आयोग को बीजेपी का बंधवा मजदूर कहा था। इस पर मंत्री नेताम ने कहा कि कांग्रेस की स्थिति खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे जैसी है। कांग्रेस को कहीं सफलता मिल नहीं रही है। हर जगह कांग्रेस को मुंह की खानी पड़ रही है। इसलिए कांग्रेसी उलजुलूल की बातें करते हैं।

आत्मसमर्पित नक्सल पीड़ित 38 परिवारों को मिलेगा पक्का मकान, मिलेगी मूलभूत सुविधाएं

00 नक्सल पीड़ित परिवारों एवं आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास के लिए शासन प्रतिबद्ध

दंतेवाड़ा। गीदम विकासखंड के ग्राम पंचायत झोडि ?ाबाड़म में आज एक ऐतिहासिक पहल के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत 38 आत्मसमर्पित, नक्सल पीड़ित परिवारों के लिए पक्के मकानों का भूमिपूजन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्थानीय विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, नगर पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सरपंच सहित कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ एवं अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि पंचायत झोडि ?ाबाड़म अन्तर्गत 11 हेक्टेयर की भूमि में आत्मसमर्पित नक्सली एवं नक्सली पीड़ित परिवारों के लिए मूलभूत सुविधा युक्त मॉडल स्वरूप में आवासीय पक्के मकान बनाए जाएगें।

इस अवसर पर आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में क्षेत्र के विधायक श्री चैतराम अटामी द्वारा विधि विधान से भूमि की पूजा कर निर्माण कार्य की शुरूआत की गई। इस अवसर पर विभिन्न वक्ताओं ने अपनी बात रखते हुए इस योजना को क्षेत्र के विकास और शांति स्थापना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम में स्थानीय विधायक ने कहा, ₹यह हम सबके लिए खुशी का अवसर है कि बांगापाल और कारली ग्रामों के आत्मसमर्पित नक्सली एवं नक्सली पीड़ित परिवारों के 38 परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत पक्के मकान मिल रहे हैं। यह न सिर्फ एक घर है, बल्कि उनके जीवन में स्थायित्व और सुरक्षा का प्रतीक भी है। मौके पर ₹विधायक ने सभी लाभार्थियों को इस योजना का लाभ मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए सरकार का आभार प्रकट किया। इसके साथ ही जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नंदलाल मुड़ामी ने कहा कि ₹देश के प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री का यह सपना है कि हर गरीब को उसका पक्का घर मिले। आज जो मकान इन पीड़ित परिवारों को दिए जा रहे हैं, वह उनके जीवन में स्थिरता, सम्मान और सुरक्षा की भावना को और मजबूत करेंगे।

कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने इस दौरान कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निदेर्शानुसार, आत्मसमर्पित नक्सल पीड़ित परिवारों को मुख्यधारा से जोड? के लिए यह पहल की गई है। उन्होंने बताया,₹जिस दिन कोई व्यक्ति आत्मसमर्पण करता है, उसी दिन से उसे शासन की समस्त योजनाओं का लाभ देने की व्यवस्था की जा रही है। इनमें राशन कार्ड, आधार कार्ड, मनरेगा कार्ड, बस पास, श्रम कार्ड पंजीयन, कौशल विकास, आयुष्मान कार्ड जैसी आवश्यक सुविधाएं शामिल हैं। कलेक्टर ने यह भी बताया कि इन 38 पक्के मकानों को ग्राम झोडि ?ाबाड़म में एक मॉडल क्लस्टर के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन मकानों के साथ-साथ आजीविका के साधनों के लिए मुर्गी पालन, बकरी पालन, सूकर पालन एवं सब्जी उत्पादन हेतु अलग से भूमि प्रदान की जाएगी। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री जयंत नाहटा, जनपद पंचायत सीईओ श्री बलराम ध्रुव सहित अन्य अधिकारी ओर प्रधानमंत्री आवास के हितग्राही मौजूद थे।

आईपीएस शलभ सिन्हा के नाम और फोटो का दुरूपयोग कर बनाया गया फर्जी फेसबुक अकाउंट, एसपी ने खुद की जानकारी

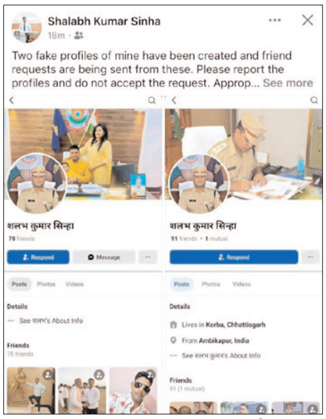

रायपुर। आईपीएस शलभ कुमार सिन्हा के नाम और फोटो का दुरूपयोग कर फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाए जाने का मामला सामने आया है। आईपीएस शलभ सिन्हा ने अपने आधिकारिक फेसबुक अकाउंट पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा कि मेरे दो फर्जी प्रोफाइल बनाए गए हैं और इनसे फ्रेंड रिक्वेस्ट की जा रही है, कृपया प्रोफाइल की रिपोर्ट करें और रिक्वेस्ट को स्वीकार न करें,हमारी ओर से उचित कार्रवाई की जा रही है। इन फर्जी खतों में प्रोफाइल फोटो एक ही तरह की लगाई गई है, लेकिन कवर फोटो अलग-अलग लगाया गया है।

टाटीबंध में चल रहे अवैध क्लिनिक पर कार्रवाई, 20 हजार का जुमार्ना

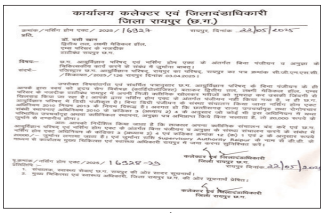
कार्यालय कलेक्टर एवं जिलादंडाधिकारी
जिला रायपुर (छ.ग.)

रायपुर। रायपुर में बिना पंजीयन और अनुमति के कार्डियोलॉजिस्ट क्लिनिक चलाने का मामला सामने आया है। जिला प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए क्लिनिक के संचालक डॉ. वसी खान पर 20 हजार का जुमार्ना लगाया है। क्लिनिक रायपुर एम्स के पास स्थित लक्ष्मी मेडिकल हॉल परिसर के दूसरे तल में चल रहा था। बिना डिग्री पंजीयन के संस्था का संचालन किया जाना नर्सिंग होम एक्ट अधिनियम 2010 नियम 2013 के नियम विरूद्ध है। इस प्रकार का क्लिनिक खोलकर इलाज करना मतलब मरीजों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं।

अंबेडकर अस्पताल में पत्रकारों के साथ मारपीट, पुलिस ने निकाला जुलूस

रायपुर। रविवार की देर रात अंबेडकर अस्पताल में पत्रकारों के साथ मारपीट करने वाले निजी सुरक्षा कंपनी के संचालक वसीम बाबू सहित 4 कर्मियों की गिरफ्तारी के बाद सोमवार को मौदहापारा पुलिस ने शहीद स्मारक भवन से जिला एवं न्यायालय तक जुलूस निकालकर पैदल लेकर गए। इस दौरान चारों आरोपी सिर झुकाकर हथेली से चेहरा छिपाते हुए चल रहे थे। पुलिस ने इनके स्टाइलिश बाल भी मुंडवा दिए थे। पुलिस ने वसीम के घर से पिस्तौल और गोलियां बरामद की हैं।

देश के सबसे उन्नत ट्रांसफॉर्मर अब बनेंगे रायपुर में

00 300 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्रस्ताव, 00 छत्तीसगढ़ से होगा अब पूरे देश को ट्रांसफॉर्मर सप्लाई

नई दिल्ली-रायपुर। विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में छत्तीसगढ़ एक और बड़ी छलांग लगाने जा रहा है। देश की प्रतिष्ठित कंपनी करमवीर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने रायपुर में अत्याधुनिक ट्रांसफॉर्मर निर्माण इकाई स्थापित करने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के समक्ष प्रस्तुत किया। इस इकाई में 300 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया जाएगा, जिससे छत्तीसगढ़ का नाम देश के सबसे बड़े ट्रांसफॉर्मर निर्माण केंद्रों में शामिल हो जाएगा।

इस अवसर पर कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री विवेक जैन ने मुख्यमंत्री से छत्तीसगढ़ सदन, नई दिल्ली में मुलाकात की। बैठक में प्रस्तावित परियोजना की रूपरेखा, निवेश संभावनाएं और रोजगार सृजन के आयामों पर विस्तार से चर्चा हुई। श्री जैन ने बताया कि यह यूनिट तकनीकी दृष्टि से देश की सबसे उन्नत ट्रांसफॉर्मर निर्माण इकाई होगी, जो भविष्य में ऊर्जा क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने में मील का पत्थर साबित होगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने निवेश प्रस्ताव का स्वागत करते हुए कहा, ₹हमारा लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़, विकसित भारत 2047 के निर्माण में एक मजबूत स्तंभ बने। यह निवेश सिर्फ एक औद्योगिक इकाई नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की तकनीकी क्षमता और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक मजबूत कदम है। राज्य सरकार इस परियोजना को हरसंभव सहायता प्रदान करेगी।₹

यह परियोजना राज्य में बिजली क्षेत्र के आधुनिकीकरण, स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार, और उद्योग आधारित विकास को गति देगी। विशेष रूप से यह पहल ₹मेक इन छत्तीसगढ़₹ के नारे को मजबूती देती है, जहां अब अत्याधुनिक तकनीक से बने ट्रांसफॉर्मर पूरे देश को रोशन करने का कार्य करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ के इनवेस्टमेंट कमिश्नर ऋतु सेन भी उपस्थित थी।

पीएससी चयनित 90 में से 70 भृत्य ने छोड़ी नौकरी, सरकार ने भर्ती किए 70 नये कर्मचारी

रायपुर। पूर्व में पीएससी से चयनित 90 में से 70 भृत्य कर्मचारियों ने नौकरी छोड़ दी थी और राज्य सरकार को कर्मचारियों की कमी महसूस होने पर सामान्य प्रशासन विभाग ने 70 कर्मचारियों को मंत्रालय में भृत्य के पद पर नियुक्त कर दिया है। इन्हें एसीएस से लेकर उप सचिव और जीएडी पूल में नियुक्त किया गया है और इन्हें फिक्स वेतन ही मिलेगा।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन, नमनाकला, अम्बिकापुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित, 0 प्रधान संपादक-महेन्द्र सिंह टुटेजा,Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ RNI No. 50247/89 ■ Postal Regn No./ छ.ग./रायगढ़/009/2016 से 2018 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com

सरगुजा संभाग

अम्बिकावाणी

■ सरगुजा ■ कोरिया ■ सूरजपुर ■ बलरामपुर ■ जशपुर

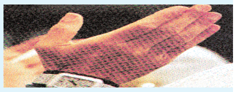

बुराई का चिंतन करने या बुराई से डरने से बुराई मन में घर कर जाती है ।

वाड्रफनगर में कांग्रेस पार्टी ने पुलिस प्रशासन के विरूद्ध धरना प्रदर्शन किया - 10

■ जिले में सड़क दुघर्टना को नगण्य करने अधिकारियों को दिया गया टिप्स- 12

बारिश में शहर की सड़कें लबालब ना हों... इससे पूर्व शहर के नालियों की साफ-सफाई अभियान का अभियान शुरू

अंबिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। बारिश से पूर्व शहर के नालियों की साफ-सफाई अभियान नगर निगम ने शुरू करा दी है। पहले दिन से ही मजदूरों के जेसीबी के जरिए नालियों से मलबा निकालने का काम कराया जा रहा है। नगर के विभिन्न इलाकों में पूरे दिन चले सफाई अभियान में काफी मात्रा में मलबा निकाला गया,जबकि गतवर्ष ही एक दशक बाद नालियों की सफाई हुई थी और बड़े पैमाने पर मलबा निकाला गया था। यह अभियान शहर के सभी वार्डों में आगे भी जारी रहेगा।

नगर निगम की विभिन्न वार्डों में बारिश से पूर्व नालियों की साफ-सफाई का काम निगम आयुक्त के निर्देश पर नगर निगम के सफाई विभाग के कर्मचारी सोमवार को जेल रोड में सफाई कराते हुए दिखाई दिए।

उक्त मार्ग पर नालियों से कई ट्रैक्टर मालवा निकल गया।

यह अभियान आगे भी बारिश होने से पूर्व तक जारी रहेगा। बारिश के मौसम के पूर्व शहर में हुई तेज बारिश से नगर के ड्रेनेज व्यवस्था की पोल खुल कर रह गई थी। उसके दूसरे दिन से ही कई स्थानों पर नालियों की सफाई का कार्य शुरू हुआ। जिस प्रकार से शहर में नालियों की हालत है उसे देखते हुए बरसात में शहर के कई स्थानों की सड़क तालाब में तब्दील हो सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए शहर में विभिन्न स्थानों पर नालियों की सफाई का अभियान शुरू किया गया है।

बता दें कि गतवर्ष नालियों की अच्छी सफाई हुई थी, बड़े पैमाने पर मलबा निकला था, इस बीच शहर में कचरा प्रबंधन का काम भी चल रहा है। बावजूद इसके बड़े पैमाने पर नालियों से मलबों का निकलना समझ से परे हैं। निगम आयुक्त ने कहा है कि अभियान शहर के सभी नालियों की सफाई होने तक जारी रहेगा। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया है कि घरों से निकलने वाला कचरा खासकर प्लास्टिक की पन्नियों को नालियों में न डालें, प्लास्टिक की पन्नियों से ही नालियां जाम होती हैं। उन्होंने कहा कि शहर में कचरा प्रबंधन का काम चल रहा है और महिलाएं घर-घर जाकर कचरा प्रबंधन कर रही हैं। उनका सहयोग करें और शहर को स्वच्छ रखने में सहायता करें।

जलभराव को दृष्टिगत रखते हुए बनी कार्ययोजना

अम्बिकापुर। सोमवार को महापौर की अध्यक्षता में वर्षा ऋतु एवं शहर में अतिवर्षा की स्थिति में जलभराव को दृष्टिगत रखते हुए निगम के सफाई विभाग, उद्यान विभाग एवं तकनीकी अमले की बैठक आयोजित करते हुए कार्ययोजना बनाया गया। बैठक में एक नियंत्रण कक्ष स्थापित करते हुए विभिन्न जोनवार आपदा प्रबंधन दल का गठन कर एवं नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए नागरिकों को तात्कालिक राहत प्रदान करने हेतु निर्देश दिया गया। इसके साथ ही शहर में अतिवर्षा की स्थिति में क्षतिग्रस्त हुए सड़कों के मरम्मत हेतु आवश्यक मरम्मत सामग्री की व्यवस्था किये जाने हेतु निर्देश प्रदान किया गया।

उपरोक्त बैठक में महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, लोनिवि प्रभारी मनीष सिंह, जल प्रदाय प्रभारी जितेन्द्र सोनी एवं एमआईसी सदस्यगण क्रमशः विशाल गोस्वामी, शशिकांत जायसवाल एवं राहुल त्रिपाठी पार्षद एवं डी.के. सिंह, ईई, संतोष रवि, ईई, अवधेश पाण्डेय, स्वा. अधि., प्रदीप पैकरा, एई, दुष्यंत बजाज एई, प्रशांत खुल्लर एई इत्यादि उपस्थित थे।

संविधान बचाओ अभियान,जिला स्तरीय रैली आज

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। कांग्रेस के राष्ट्रीय कार्यक्रम संविधान बचाओ अभियान के तहत सरगुजा जिले की जिला स्तरीय रैली और सभा २७ मई मंगलवार को होगी। इससे पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी, सरगुजा लखनपुर एवं सीतापुर में विधानसभा स्तरीय रैलियों का सफल आयोजन कर चुकी है। २७ मई को जिला स्तरीय रैली पूर्व उपमुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव के नेतृत्व में जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन से प्रारंभ होकर अम्बेडकर चौक जाएगी। वहाँ बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण उपरांत रैली गाँधीचौक पर महात्मा गांधी की प्रतिमा आएगी। यहाँ गाँधीजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद रैली वापस राजीव भवन प्रांगण पहुँचेगी। राजीव भवन प्रांगण में संविधान बचाओ अभियान को लेकर पार्टी के दृष्टिकोण पर वक्ता जानकारी देंगे। रैली में जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेता शामिल रहेंगे। सरगुजा जिले के १० सांगठनिक ब्लॉक से भी पदाधिकारी और कार्यकर्ता कार्यक्रम में अपनी सहभागिता देंगे।

मौसम की मार ...तेंदूपत्ता संकरण में हो रही देरी... कैसे होगा लक्ष्य पूरा..?

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। उत्तर छत्तीसगढ़ में प्रतिकूल मौसम का असर तेंदूपत्ता संग्रहण पर पड़ा है। अभी तक तेंदूपत्ता संग्रहण सभी समितियों में जोर नहीं पकड़ सका है। कुछ समितियों में तेंदूपत्ता तोड़ने का काम शुरू हुआ है। समय पर तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य आरंभ नहीं होने से लक्ष्य के अनुरूप तेंदूपत्ता संग्रहण पर संशय की स्थिति निर्मित हो गई है, वहीं संग्राहकों को सीधा नुकसान उठाना पड़ सकता है। तेंदूपत्ता संग्रहण, वनाच्छादित क्षेत्र में निवासरत ग्रामीणों के अतिरिक्त आय का बड़ा माध्यम है। संग्रहण में देरी से संग्राहक परिवारों में मायूसी है। इस वर्ष मई के पहले सप्ताह से ही तेज हवा, बारिश और ओलावृष्टि के कारण तेंदूपत्ता संग्रहण में दिक्कत आ रही है। वर्ष २०२४ में सरगुजा वन वृत्त में तीन लाख १२ हजार ३८९ संग्राहक परिवारों ने तेंदूपत्ता संग्रहण किया था। इसके बदले उन्हें आनलाइन माध्यम से २०३ करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। इतनी बड़ी राशि ने तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों के जीवन में खुशियां लाने का काम किया है। गत वर्ष २०२४ में तीन लाख ६९ हजार ४९३ मानक बोरा संग्रहण किया गया, जो लक्ष्य का १.६२ प्रतिशत अधिक है।

जिला-संग्रहण लक्ष्य-संग्राहक संख्या

सरगुजा --३६२००--४१७३०
सूरजपुर--७४५०० --६०५६८
बलरामपुर--१४३९००--१०९७१
कोरिया--३३०००--३०४९३
एमसीबी--४३५००--३३४४१
जशपुर---३२५००--३६१४८

लक्ष्य पाने कर रहे पूरा प्रयास-डीएफओ

डीएफओ सरगुजा अभिषेक जोगावत ने कहा कि इस वर्ष ३६२०० मानक बोरा का लक्ष्य रखा गया था जिसमें अभी तक ३४६९५ मानक बोरा का संग्रहण हो चुका है जो लक्ष्य का ९६ प्रतिशत है। मौसम की वजह से संग्रहण में बड़ा जरूर हुई है परंतु हम लक्ष्य पाने का पूरा प्रयास निश्चित अवधि तक कर रहे हैं। फिलहाल १९ करोड़ का संग्रहण अभी तक हुआ है। इस कर में १४ समितियां लगी हुई है सभी में अच्छी खरीदी हुई है।

हार्टफुलनेस संस्था के द्वारा निःशुल्क प्राणाहुति के माध्यम से ध्यान की कार्यशाला का आयोजन

प्रथम दिवस रिलेक्सेशन के साथ तनाव मुक्ति व ध्यान कराया गया

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल निर्देश पर पुलिस लाईन अम्बिकापुर में तीनदिवसीय कार्यशाला हार्टफुलनेस संस्था के द्वारा निःशुल्क प्राणाहुति के माध्यम से ध्यान की कार्यशाला का आयोजन दिनांक २५ मई से प्रारंभ की गई है जो दिनांक २७.०५.२०२५ तक चलेगी। इस आयोजित कार्यशाला में पुलिस विभाग के विभिन्न अधिकारी व कर्मचारियों की उपस्थित हो रहे हैं, अभी तक करीब २०० अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा कार्यशाला का लाभ ले चुके हैं! यह संस्था विश्व के लगभग १७० देशो में कार्य कर रही है, जिसमें प्राणाहुति के माध्यम से निःशुल्क ध्यान सिखाया व कराया जाता है। इसका विश्व मुख्यालय हैदराबाद आन्ध्रप्रदेश में रान्हा शांतिवनम में स्थित है।

संस्था के कार्यकर्ता व प्रषिक्षक राकेश कुमार सिंह एवं धर्मराज शर्मा के द्वारा बताया गया कि ध्यान एक अभ्यास है जिसमें मानसिक और शारीरिक तकनीकों के संयोजन का उपयोग करके अपने मन को केन्द्रीत या साफ किया जाता है। आप जिस तरह का ध्यान चुनते हैं, उसके आधार पर आप आराम करने, चिंता और तनाव को कम करने और बहुत कुछ करने के लिए ध्यान कर सकते हैं। हार्टफुलनेस मेडिटेशन की सहायता से हम दैनिक जीवन के तनाव को दूर कर सरल और सहज तरीके मानव उर्जा को संरक्षित कर सही दिशा में इसका उपयोग किया जा सकता है। उपस्थित कार्यकताओं के द्वारा प्राणाहुति, मेडिटेशन इत्यादि के बारे में जरूरी एवं आवश्यक जानकारियों को विस्तृत रूप से साझा किया है।

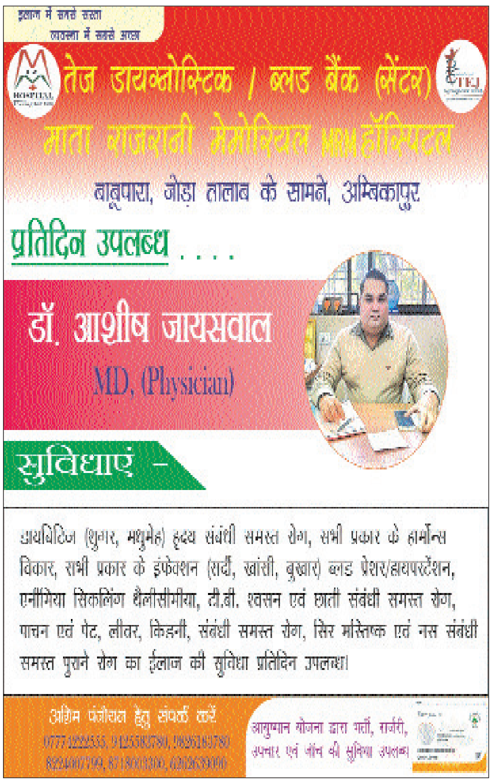

धूमधाम से मनायी गई वट सावित्री पूजा

रामानुजगंज(अम्बिकावाणी समाचार)। नगर में वट सावित्री पूजा धूमधाम से मनाया गया। वट सावित्री पूजा को लेकर महिलाओं में उत्साह देखते बन रहा था विभिन्न बरगद पेड के नीचे पूजा अर्चना के लिए महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ी प्राचीन शिव मंदिर में स्थित बरगद पेड़ के नीचे तो सुबह से मेला जैसा माहौल बन गया जो दोपहर तक बना रहा। यह व्रत महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और सुखी जीवन की कामना के लिए करती हैं।

प्राचीन शिव मंदिर बरगद पेड में नगर पुजारी

नंदकुमार पांडे, आमंत्रण धर्मशाला बरगद पेड़ के नीचे धीरज मिश्रा, सीआरपीएफ कैंप दुर्गा मंदिर के समीप बरगद पेड के नीचे धनंजय पांडे एवं पहाड़ी मंदिर बरगद पेड के नीचे पवन पांडे के द्वारा विधि विधान से पूजा अर्चना कराया गया। व्रत्तियों के द्वारा वट वृक्ष में कच्चा सूट लपेटकर सात बार परिक्रमा की। महिलाओं ने हाथ में भीगा चना लेकर सावित्री सत्यवान की कथा सुनी। फिर भीगा चना रूपए पैसे और वस्त्र अपनी सास को देकर उनका आशीर्वाद लिया।

वेद पुराण के अनुसार वटवृक्ष एक देव वृक्ष माना जाता है ब्रह्मा, विष्णु, महेश और सावित्री भी वट वृक्ष में रहते निवास करते हैं प्रलय के अंत में भगवान श्री कृष्णा इसी वृक्ष के पत्ते पर प्रकट हुए थे। गोस्वामी तुलसीदास ने भी वटवृक्ष को तीर्थराज का छत्र कहा है। यह वृक्ष अत्यंत पवित्र और दीर्घायु वाला माना जाता है धार्मिक महत्व लंबी आयु और शक्ति को ध्यान में रखकर इस वृक्ष की पूजा होती है।पर्यावरण की दृष्टि से भी यह पेड़ काफी बेहतर माना जाता है।

प्राचीन शिव मंदिर वट वृक्ष के नीचे उमड़ी भीड़

नगर में विभिन्न बरगद पेड के नीचे महिलाएं पूजा अर्चना करने पहुंची वहीं नगर के प्राचीन शिव मंदिर बरगद पेड़ के नीचे तो सुबह से ही महिलाओं का भारी भीड़ उमड़ा भीड़ सुबह से लेकर दोपहर तक बना रहा यहां विधि विधान से नगर पुजारी नंदू पांडे के द्वारा पूजा अर्चना कराई गई।

निधन: गायत्री सिंह

अंबिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। दरीपारा अम्बिकापुर निवासी रणविजय सिंह तोमर की धर्मपत्नी श्रीमती गायत्री सिंह का सोमवार को निधन हो गया। वे ६९ वर्ष की थीं। उनका अंतिम संस्कार २६ मई को शंकरघाट स्थित मुक्तिधाम में किया गया। मुखाग्नि पति रणविजय सिंह तोमर ने दी। वे अपने पीछे पति, दो पुत्र समर विजय सिंह तोमर, अमर विजय सिंह तोमर, पुत्री भावना सिंह तोमर सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गई।

सुशासन तिहार में वृद्धा पेंशन स्वीकृत होने से मोहम्मद मुस्तकीम उत्साहित, जताया मुख्यमंत्री का आभार

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। राज्य शासन द्वारा आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए आयोजित सुशासन तिहार के अंतर्गत अनेक लोगों को वर्षों से लंबित समस्याओं का समाधान मिल रहा है। लूण्ड्रा विकासखंड के ग्राम डहौली निवासी ६१ वर्षीय मोहम्मद मुस्तकीम भी ऐसे ही लाभान्वित नागरिकों में शामिल हैं, जिन्होंने इस जनसेवी आयोजन में भाग लेकर वृद्धा पेंशन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया था। पेंशन स्वीकृत होने की जानकारी मिलते ही मोहम्मद

मुस्तकीम अत्यंत उत्साहित दिखे। उन्होंने बताया कि च्मैं कई दिनों से वृद्धा पेंशन की उम्मीद कर रहा था, लेकिन कहीं से कोई जवाब नहीं मिल रहा था। सुशासन तिहार में आवेदन देने के कुछ ही समय बाद मुझे स्वीकृति की सूचना मिली। अब हर महीने पेंशन मिल पाएगी, जिससे दवाई और जरूरतों का खर्च निकाल सकूंगा।

उन्होंने राज्य सरकार और विशेष रूप से मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल आम लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है।

सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की विभिन्न योजनाओं से जुड़ने, आवेदन करने और तत्काल समाधान प्राप्त करने का अवसर नागरिकों तक पहुंचाया जा रहा है। मोहम्मद मुस्तकीम जैसे नागरिकों की संतुष्टि इस अभिनव पहल की सफलता को प्रमाणित करता है।

वाड्रफनगर में कांग्रेस पार्टी ने पुलिस प्रशासन के विरूद्ध धरना प्रदर्शन किया

वाड्रफनगर (अम्बिकावाणी समाचार)। जिसमें कांग्रेस जिलाध्यक्ष अध्यक्ष के साथ पूर्व मंत्री डाक्टर प्रेम साय सिंह टेकाम पुलिस चौकी प्रभारी के ऊपर आपराधिक प्रकरण दर्ज करने के लिए बस स्टैंड मे धरना प्रदर्शन करते हुए आगे उग्र आंदोलन की चेतावनी दीं है,,, इस दौरान कांग्रेस सरकार मे पूर्व मंत्री प्रेम साय सिंह टेकाम के साथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष भी मौजूद रहे !! वहीँ कांग्रेस के धरना प्रदर्शन भी मौजूद रहे !! वहीं पुरा मामला १८ मई का है जब वाड्रफनगर निवासी मयंक यादव और उसके एक साथी युवराज गोस्वामी को पुलिस एक घटना के संबध मे पूछताछ के लिए पुलिस चौकी बुलाई थी,, और प्रतिबंधात्मक धाराओं में कार्यवाही की गई थी जिसके विरोध में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओ ने एसडीएम और एसडीओपी को चौकी प्रभारी के ऊपर कार्यवाही करने के लिए ज्ञापन सौपा था,,, और आज मामले को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने वाड्रफनगर

को लेकर क्षेत्रीय विधायक सकुंतला सिंह पोर्ते का कहना है की आरोपी ऊपर जिला बदर की कार्यवाही हो चुकी है और अब कांग्रेस के बड़े नेता उसी अपराधी के समर्थन मे धरना प्रदर्शन कर रहे है जो की शर्मनाक है,,, बीजेपी सरकार मे गुंडा बदमाशो पर ऐसी कार्यवाही लगातार जारी रहेगी,,,,, विधायक महोदया ने पुरे घटनाक्रम मे पुलिस की कार्यवाही को सही करार देते हुए कहा है की आगे भी गुंडागर्दी करने वालो के खिलाफ कार्यवाही जारी रहेगी

सुशासन तिहार समाधान शिविर करमडीहा में उपस्थित हुई विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते

बसंतपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
सुशासन तिहार के तीसरे चरण में आज बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर विकासखंड के ग्राम करमडीहा ब में सुशासन तिहार समाधान शिविर में मुख्य अतिथि में विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते शामिल हुये । जहाँ लोगों में जबरदस्त उत्साह दिखा।विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते ने छत्तीसगढ़ महतारी एवं सरस्वती माता के समक्ष दीप प्रज्वलित कर सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित समाधान शिविर का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान ग्रामीण लोगों ने फूल माला साथ गजमाला से विधायक महोदया का अभिनंदन किया। समाधान शिविर में विधायक के साथ अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। इस अवसर विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते ने समाधान शिविर में

आत्मीयता के साथ ग्रामीणों से मुलाकात की और जनसमस्याओं को सुना अधिकारीयों को निराकरण करने के निर्देश दीये। विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते ने बताया की छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वकांक्षी पहल सुशासन तिहार अब राज्य के कोने-कोने तक अपनी छाप छोड़ रही है ।सुशासन तिहार जनता के द्वार गांव-गांव पहुंच रहा है शासन-प्रशासन द्वारा जनसमस्याओं का हो रहा समाधान ग्रामीणों को मिल रहा योजनाओं का सीधा लाभ
योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने एवं सुशासन के संकल्प को साकार करने उद्देश्य से सुशासन तिहार अंतर्गत सभी जिले में समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

इसी कड़ी में विकासखण्ड वाड्रफनगर के ग्राम करमडीहा ब में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंच कर अपने आवेदनों की स्थिति जानी। शिविर में उपस्थित विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते के साथ जनप्रतिनिधियों ने भी समाधान शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन करते हुए प्राप्त आवेदनों को गुणवत्तपूर्ण निराकरण करने की बात कही। महिला बाल विकास विभाग द्वारा शिविर में गोद भराई रस्म कार्यक्रम रखीं थी जिसमें विधायक महोदया द्वारा महिलाओं को टिका लगाकर गोद भराई रस्म पूरा किये।विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते ने अपने उद्बोधन में कहा की जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियानवन के लिए यह शिविर एक सार्थक पहल है। समाधान शिविर के माध्यम से आम जनमानस को माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देवसाय द्वारा चलाया गया महत्वाकांक्षी जन कल्याणकारी योजना के बारे में भी जानकारी प्राप्त हो रही है। समाधान शिविर में विभागों द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी साझा की गई। साथ ही पात्रतानुसार हितग्राहियों को योजनाओं को लाभ लेने प्रेरित किया गया। खाद्य विभाग द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली योजना अंतर्गत वितरण की जाने वाली सामग्री के बारे में बताया गया। विधायक सकुंतला सिंह पोर्ते के द्वारा शिविर में लोगों को राशन कार्ड का वितरण, समूह की दीदियों को लखपति सम्मान प्रमाण पत्र, स्वास्थ्य विभाग द्वारा हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड वितरण, श्रम विभाग द्वारा हितग्राहियों को श्रम कार्ड तथा प्रधानमंत्री आवास की चाभी सौंपी गई ।शिविर में गणमान्य नागरिक, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारी- कर्मचारीगण मौजूद रहे।

कलेक्टर जनदर्शन में आम जनता की सुनीं गई समस्याएं सुनी गईं, अधिकारियों को तय समय-सीमा में निराकरण के निर्देश

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
जिला प्रशासन द्वारा आम जनता की समस्याओं और मांगों के त्वरित समाधान के उद्देश्य से आयोजित साप्ताहिक कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम में कलेक्ट्रेट कंपोजिट सभाकक्ष में सोमवार को आयोजित हुई। जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों ने मांग और शिकायत को लेकर आवेदन किया। कलेक्टर श्री विलास भोसकर के मार्गदर्शन में आयोजित इस जनदर्शन में अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक ने जनता की बातों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों को प्रत्येक आवेदन का समयबद्ध समाधान करने के निर्देश दिए।
कलेक्टर जनदर्शन में पेंशन स्वीकृति और पुनरीक्षण, सीमांकन विवाद, खतौनी में त्रुटियों का सुधार, वन अधिकार

पत्र की स्वीकृति, सीसी सड़क निर्माण की मांग, भूमिहीनों के पट्टे, बिजली-पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं की समस्याएं तथा राजस्व विभाग से संबंधित अनेक आवेदन प्राप्त हुए। सभी विषयों को अपर कलेक्टर ने ध्यानपूर्वक सुना और अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से तलब कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।
अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक ने जनदर्शन में संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि, लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए, ताकि लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। प्रशासन की मंशा है कि प्रत्येक नागरिक के आवेदन की त्वरित और पारदर्शिता के साथ निपटान किया जाए।
इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री अमृत लाल ध्रुव, श्री रामसिंह ठाकुर, जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल, नगर निगम आयुक्त श्री डी.एन. कश्यप, सभी एसडीएम, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

नियमित रूप से होगा सोमवार को कलेक्टर जनदर्शन का आयोजन

जिला प्रशासन द्वारा कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम हर सप्ताह के सोमवार को नियमित रूप से आयोजित किया जा रहा है। प्रशासन की मंशा है कि इससे जनता और शासन के बीच संवाद और विश्वास मजबूत हो तथा समस्याओं का समाधान जमीनी स्तर पर सुनिश्चित किया जा सके।

रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर स्वच्छता अभियान आयोजित

अंबिकापुर ।(अम्बिकावाणी समाचार)।
भाजपा सरगुजा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के आह्वान पर महामाया मंडल व मां समलाया मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आज रानी अहिल्याबाई होल्कर की ३००वीं जयंती के अवसर पर शंकर घाट स्थित शिव मंदिर परिसर एवं बांक नदी तट पर भव्य स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। यह अभियान २० से ३१ मई तक आयोजित किए जा रहे विविध सेवा कार्यक्रमों की श्रृंखला का एक भाग है।
कार्यक्रम की जानकारी देते हुए भाजपा महामाया मंडल अध्यक्ष मनोज कंसारी ने बताया कि रानी अहिल्याबाई होल्कर भारतीय सांस्कृतिक विरासत, धर्म-संरक्षण और लोकसेवा की अमिट प्रतीक रही हैं। उन्होंने अपने शासनकाल में देशभर के अनेकों धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार कर धर्मशालाओं और यात्रियों की सेवा के लिए ढाँचागत निर्माण करवाया। उनकी स्मृति में स्वच्छता जैसे जनहितकारी सेवा कार्य करना उन्हें

सच्ची श्रद्धांजलि है और समाज में स्वच्छता व जनजागृति की भावना को सुदृढ़ करता है। आज के स्वच्छता कार्यक्रम में नगर पालिक निगम की महापौर मंजूषा भगत, नगर पालिक निगम के सभापति हरमिंदर सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विनोद हर्ष, अनामिका पैकरा, नगर निगम की स्वच्छता प्रभारी ममता तिवारी, मनीष सिंह, जन्मेजय मिश्रा, निलेश सिंह, रमेश जायसवाल, विजय सोनी, संजय गुप्ता (बोडा), गोल्डी बिहाड़े, दिनेश शुक्ला, अनिल जायसवाल, अंकित जायसवाल, शिवमंगल सिंह, अनिल तिवारी, विकास वर्मा, दीपक सिंह तोमर, संजय सोनी, शिवशंकर सिंह, रवि सिंह, गणेश सिंह, अतीश सिंह, संजू वर्मा, अजय सोनी, गणेश्वरी चौहान, परमेश सिंह नेताम, भूपेंद्र सिंह, आनंद सिंह, मनीष कुमार, विकास सोनी, पुष्पेंद्र शर्मा, संदीप सोनी, सतीश शर्मा, रंजीत चौबे, रवि चौहान, जतिन परमार, अभिमन्यु श्रीवास्तव, अजय मिश्रा सहित भाजपा के अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं नागरिक गण उपस्थित रहे।
इस अवसर पर सभी ने सामूहिक रूप से श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया और रानी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन मूल्यों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

सुदूर क्षेत्रों के पशुपालक ले रहे है मोबाईल वेटरनरी यूनिट का भरपूर लाभ

वार्डफनगर (अम्बिकावाणी समाचार)।
छत्तीसगढ़ के मैदानी एवम सुदूर क्षेत्रों में पशु चिकित्सा सेवा को और अधिक सुदृण करने हेतु प्रत्येक विकास खंडों में मोबाईल वेटरनरी यूनिट का संचालन कर निःशुल्क उपचार, टीकाकरण, बधियाकरण, कृमीनाशक दावापान रोग जांच एवम शल्य क्रिया कर पशु पालकों को लाभ पहुंचाया जा रहा हैं
पशुपालक दीनानाथ कुशवाहा निवासी ग्राम बेतो के द्वारा चलित चिकित्सा इकाई के टोल फ्री नम्बर १९६२ में कॉल कर अपने पशु के प्रसव पीड़ा के संबंध में बताते हुए कहा की मेरे गाय बच्चा देने की कोशिश कर रही हैं किंतु दे नहीं पा रही हैं ! उक्त सूचना के तारतमय में नोडल अधिकारी रूङ्क डॉक्टर देवेंद्र यादव के द्वारा टीम को तत्काल पशु पालक के घर भेजकर कराए एवम द्यद्ब1द्ग ष्ड्डद्यद्ब प्राप्त हुआ

सुशासन तिहार में ग्राम दोरना के किसानों को मिला समाधान

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
राज्य शासन द्वारा जनकल्याण एवं समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रदेशभर में चलाए जा रहे सुशासन तिहार में किसानों को वर्षों पुरानी समस्या से राहत मिली है। लूण्ड्रा विकासखंड के ग्राम दोरना निवासी श्री रसिया राम और श्री अयोध्या प्रसाद यादव को किसान क्रेडिट कार्ड प्रदान किया गया है, जिससे वे अब खेती के लिए आवश्यक आर्थिक सहायता राशि प्राप्त कर सकेंगे।
मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अभिनव पहल पर आयोजित सुशासन तिहार कार्यक्रम का उद्देश्य शासन की योजनाओं और सेवाओं को गांव-गांव तक पहुंचाना एवं आमजन की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करना है। इस कार्यक्रम में नागरिकों की शिकायतों एवं मांगों पर प्राथमिकता से कार्यवाही की जा रही है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान कार्यक्रम के तैयारी हेतु बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में आगामी २९ मई से १२ जून २०२५ तक जिले के विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत में आयोजित होने वाले विकसित कृषि संकल्प अभियान कार्यक्रम के तैयारी के संबंध में कृषि विभाग से जानकारी ली।
कलेक्टर ने कृषि विभाग से खरीफ फसलों के कृषि कार्यों और विभागीय योजनाओं की जानकारी साझा करने तथा अधिक से अधिक लाभ मिल सके इसके लिए किसानों को जागरूक करने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार करने, रूट चार्ट, नोडल अधिकारियों की नियुक्ति, नियंत्रण कक्ष की स्थापना सहित सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।
कलेक्टर श्री भोसकर ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के

मंशा अनुसार नागरिकों की समस्याओं का समय-सीमा में निराकरण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि विगत दिनों मुख्यमंत्री के प्रवास के दौरान जिले में किए गए कार्यों की मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा सराहना की गई है। उन्होंने कहा कि निरंतर शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें जिससे आम जनता को अधिक से अधिक लाभ मिल सके और समस्याओं का निराकरण समय पर हो।
कलेक्टर ने बारिश शुरू होने से पूर्व दूरवर्ती क्षेत्र में राशन सामग्री, दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं नगरीय क्षेत्रों में साफ-सफाई की व्यवस्था बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिया है। जिससे मलेरिया एवं डायरिया जैसे बीमारियों से फैलने से पहले रोकथाम किया जा सके। उन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग को जर्जर भवन को मरम्मत करने तथा सतर्कता पूर्वक स्कूल संचालन का कार्य करने के निर्देश दिए।
कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि आगामी दिनों में व्यापम, पीएससी एवं अन्य प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित होगी उसके लिए लाइट व्यवस्था दुरुस्त रखें, जिससे परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो।
कलेक्टर ने एसटी, एससी, अन्य पिछड़ा वर्ग सहित अन्य कॉलेज एवं स्कूल के बच्चे जो छात्रवृत्ति के पात्रता रखते हैं, उन्हें आवश्यक जानकारी देकर लाभ दिलाने हेतु आदिवासी विभाग सहायक आयुक्त को निर्देशित किया है। साथ ही उन्होंने सभी विभाग प्रमुख को बिना अनुमति के जिला मुख्यालय नहीं छोड़ने सख्त निर्देश दिए हैं।
कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने जल संरक्षण के तहत हमर गांव हमर पानी के लिए ग्राम पंचायत में चलाए जा रहे अभियान में अधिक से अधिक श्रमदान करने एवं आम नागरिकों को जागरूक करने के साथ-साथ जल संरक्षण के लिए वाटर हार्वेस्टिंग लगाने की व्यवस्था अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिले में खाद एवं बीज भंडारण की उपलब्धता की जानकारी ली एवं सख्त निर्देश देते हुए विभागीय अधिकारियों को कहा कि किसानों को समय पर खाद एवं बीज उपलब्धता सुनिश्चित करें।
बैठक में कलेक्टर ने आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, वन अधिकार पट्टा, पशुओं में टीकाकरण की व्यवस्था, पीएम आवास, महतारी वंदन योजना, पीएम जनमन सहित अन्य शासन की योजनाओं की समीक्षा कर सभी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री विनायक कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री सुनील कुमार नायक, श्री राम सिंह ठाकुर, श्री अमृत लाल ध्रुव, नगर निगम कमिश्नर श्री डी एन कश्यप, सर्व एसडीएम सहित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे ।

विसंगतिपूर्ण युक्तियुक्त करण के विरोध में शिक्षकों का मंत्रालय घेराव

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
शिक्षकों के साझा मंच के द्वारा विसंगतिपूर्ण युक्तियुक्तकरण का लगातार विरोध किया जा रहा है।इस कड़ी प्रांतीय निकाय के आह्वाहन पर २८ मई को मंत्रालय घेराव की रणनीति बनी है। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन सरगुजा के जिला अध्यक्ष कमलेश सिंह की अध्यक्षता में सरगुजा संगठन के पदाधिकारियों का बैठक रख हर संकुल से शिक्षकों के रायपुर पहुँचने की रणनीति बनी। आयोजित बैठक में जिसमें सरगुजा के सभी विकासखंड अध्यक्ष व जिला पदाधिकारी रहे। आज के इस बैठक में जिला अध्यक्ष कमलेश सिंह जी ने कहा है कि शासन के द्वारा जो वर्तमान में युक्तियुक्त करण की प्रक्रिया अपनाई जा रही है वह किसी भी परिस्थिति में शिक्षकों और बच्चों के भविष्य के लिए हितकर नहीं है। उन्होंने कहा है कि सेटअप २००८ के अनुसार प्राइमरी स्कूलों में न्यूनतम एक प्रधान पाठक और दो शिक्षक १ प्लस २ प्रावधानित है और मिडिल स्कूलों में एक प्रधान पाठक और चार शिक्षक १ प्लस ४

प्रावधानित है ।वर्तमान युक्ति युक्त करण नीति में एक-एक पद काम करके इसे १ प्लस १ और १ प्लस ३ कर दिया गया है ।जिससे प्रदेश में संचालित ३०७०० प्राथमिक शालाएं में एक सहायक शिक्षक पद कम कर सीधे-सीधे ३०७०० पद और १३१४९ संचालित पूर्व माध्यमिक शालाओं में एक शिक्षक पद कम कर १३१४९ पद एक झटके में समाप्त हो गए हैं और यही शिक्षक अब अतिशेष बनाए जा रहे हैं इसके विरोध में २३ शिक्षक संगठनों ने मिलकर शिक्षक साझा मंच गठित किया है इस साझा मंच के प्रदेश संचालकों के आह्वान पर २८ मई २०२५ को राजधानी रायपुर में मंत्रालय का घेराव सुनिश्चित किया गया है जिसमें हमारे सरगुजा के प्रत्येक विकासखंड के प्रत्येक संकुल से शिक्षकों की भागीदारी देने के लिए आज रणनीति तय गया और भारी संख्या में २८ को मंत्रालय घेराव के लिए पहुंचने के लिए सभी शिक्षकों से अपील किया गया सभी शिक्षकों ने एक मत होकर रायपुर जाने हेतु अपनी सहमति दिये जिलाध्यक्ष कमलेश सिंह ने इस विषय पर शासन से तीखे सवाल करते हुए कहा कि हर बार कागजीआंकड़े को लेकर लगातार विभाग शिक्षकों को पैमाने में कसने का प्रयास करता है किंतु स्थानांतरण और पदोन्नति के समय सारे नियम तोड़कर जहां चाह वहां पोस्टिंग करो की नीति अपना कर शिक्षकों के अतिशेष होने में अपनी भूमिका भी अप्रत्यक्ष रूप से निभाता है जिससे स्कूल में शिक्षक अतिशेष हो जाते हैं तो अतिशेष होने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है?
एक तरफ मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान में बेहतरी की उम्मीद करते हैं तो दूसरे तरफ शासन शिक्षा विभाग के नींव को ही कमजोर करने में लगे है जहाँ शैक्षिक व्यवस्था के तहत शिक्षकों की भर्ती करनी थी वहां पदस्थ शिक्षकों को ही कम करके अतिशेष मानने का नया नियम फरमान जारी किये है आखिर कैसे दो शिक्षक बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अन्य विभागीय कार्य के साथ दे पाएंगे यह अपने आप मे चिंतनीय विषय है और यह विषय आजकल हर पालक/अभिभावक ह्यद्वष् सदस्यों के बीच लगातर ग्रामीण तबके में चर्चा का विषय बना हुआ है कहीं न कही शासन के इस प्रकार के आदेश से पालक गण भी परेशान दिखाई दे रहे हैं आज के इस बैठक में प्रांतीय पदाधिकारी श्री मुकेश मुदलियार जी,जिला उपाध्यक्ष राजेश गुप्ता,काजेश घोष,रामबिहारी गुप्ता,रोहिताश शर्मा,सुरित राजवाड़े ,अनिल तिग्गा सहित ,अरविंद सिंह,लव गुप्ता, राकेश दुबे,नाजिम खान , अरविंद राठौड़ , भूपेंद्र सिंह, विशाल गुप्ता , राजेश सिंह, विनोद यादव ,लखन राजवाड़े,राकेश पांडेय, अमित सोनी ,रणबीर सिंह चौहान,जवाहर खलखो,सुशील मिश्रा,योअल लकड़ा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन ने मारी ठोकर, महिला डॉक्टर की मौत

राजनांदगांव। मेडिकल कॉलेज अस्पताल राजनांदगांव में शिशु रोग विशेषज्ञ महिला चिकित्सक दीपमाला सिंह ठाकुर (33 वर्ष) पति डॉ. धनंजय सिंह ठाकुर निवासी राजनांदगांव की उस समय मौत हो गई जब वह अस्पताल से अपने घर जा रही थी, तभी मेडिकल कॉलेज और रामकृष्ण नगर चौराहे के बीच अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी और वह घायल हो गई। राहगीरों की मदद से उन्हें पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से उन्हें रायपुर रेफर किया गया लेकिन इलाज के दौरान दीपमाला ने दम तोड़ दिया।

मौसम की मार ...तेंदूपत्ता संकरण में हो रही देरी... कैसे होगा लक्ष्य पूरा..? पेज 09

समाधान शिविर धनपुर में 4209 आवेदनों के निराकरण से ग्रामीणों को कराया गया अवगत

गौरेला पेंड्रा मरवाही। सुशासन तिहार के तृतीय चरण में सोमवार को जनपद पंचायत मरवाही के कलस्टर ग्राम पंचायत धनपुर में समाधान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में सभी विभागों द्वारा धनपुर कलस्टर में शामिल पंचायतों से प्राप्त आवेदनों के निराकरण की जानकारी से ग्रामीणों को अवगत कराया गया। कलस्टर में शामिल पंचायतों से प्राप्त सभी 4209 आवेदनों के निराकरण के बारे में बताया गया। साथ ही विभागीय स्टालों के माध्यम से योजनाओं की जानकारी और योजनाओं का लाभ लेने के लिए पात्रता, आवेदन की प्रक्रिया आदि के बारे में बताया गया। इस कलस्टर में 15 ग्राम पंचायत-धनपुर, अण्डी, भरीडांड़, बरगवां, नगवाही, लटकोनीखुर्द, रटगा, साल्हेकोटा, सिलपहरी, मझगवां, महोरा, बगड़ी, लरकेनी करसिंवा एवं मसूरीखार शामिल हैं। शिविर के मुख्य अतिथि मध्यक्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं विधायक श्री प्रणव कुमार मरपची ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार अपनी घोषणा पत्र को लेकर सभी के कल्याण और विकास के साथ आगे बढ़ रही है। छत्तीसगढ़ देश का एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां किसानों से 3100 रूपए प्रति क्विंटल धान खरीदा जा रहा है। महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश के 70 लाख महिलाओं को हर महीने एक हजार रूपए दिया जा रहा है, यह भी देश का सबसे बड़ा आंकड़ा है। उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना के तहत 18 लाख गरीब परिवारों को आवास स्वीकृति प्रदान की गई है। इन सब योजनाओं के क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ अन्य राज्यों की अपेक्षा सबसे आगे है। उन्होंने गुदुमदेवरी पंचायत में हमेशा बिजली कटौती होने और निमधा में एक माह से ट्रांसफार्मर खराब होने की शिकायत पर कार्यपालन अभियंता सीएसपीडीसीएल को मंच पर बुलाकर जिले में जहां-जहां ट्रांसफार्मर खराब है, को जल्द से जल्द ठीक कराने कहा। कार्यपालन अभियंता ने बताया कि जिले में 16 ट्रांसफार्मर की आवश्यकता है, जिसे बदलने का काम चल रहा है। इसके साथ ही मेंटेनेंस का कार्य चलाया जा रहा है।

माता सीता और पीएम मोदी पर अभद्र टिप्पणी पर ब्राह्मण विकास परिषद के व्हाट्सएप ग्रुप में मचा बवाल

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ ब्राह्मण विकास परिषद के व्हाट्सएप ग्रुप में एक सदस्य द्वारा माता सीता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ लगातार अपमानजनक टिप्पणियां की जा रही हैं। जिसके खिलाफ आज आक्रोशित हिंदू संगठनों और ग्रुप के सदस्यों ने सिविल लाइन थाने पहुंचकर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की। इस मौके पर अनीता तिवारी, राजेश शुक्ला और कई अन्य लोग भी मौजूद थे।

शिकायतकर्ता भोला तिवारी ने पुलिस को बताया कि व्हाट्सएप ग्रुप में 23 मई से मोबाइल नंबर 9406323082 धारक व्यक्ति द्वारा लगातार ऐसी बातें पोस्ट की जा रही हैं, जो न केवल अशोभनीय हैं, बल्कि पूरी तरह से मयार्दा और कानून का उल्लंघन भी हैं। आरोपी खुलेआम प्रधानमंत्री के लिए अपशब्द लिखता रहा और माता सीता पर की गई टिप्पणी तो धार्मिक भावनाओं को आहत करने की पराकाष्ठा थी। शिकायत में यह भी कहा गया कि ग्रुप के सदस्य कई बार उसे समझा चुके हैं, लेकिन वह उल्टे धमकाने पर उतारू हो गया है। जब पढ़े-लिखे और खुद को हिंदू कहने वाले लोग इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करेंगे, तो समाज में वैमनस्य और कटुता कैसे नहीं फैलेगी? उन्होंने आरोपी पर सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड?, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने, देश के प्रधानमंत्री की छवि को धूमिल करने और देशद्रोह जैसे गंभीर अपराधों में मामला दर्ज करने की मांग की है।

ऑनलाइन सट्टा व साइबर फ्रॉड के लिए बैंक उपलब्ध कराने वाले 6 म्यूल खाताधारक गिरफ्तार

दुर्ग। एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट दुर्ग एवं थाना सुपेला मोहन नगर, भिलाई नगर की संयुक्त कार्रवाई में ऑनलाइन सट्टा एवं साइबर फ्रॉड के लिए बैंक उपलब्ध कराने वाले मोहम्मद कलाम समेत म्यूल एकाउंट होल्डर प्रशांत विश्वकर्मा, मोन्टू कुमार, रफीक खान, समीर वर्मा और विपिन शुक्ला को गिरफ्तार किया। अकाउंट होल्डरों के खाते में साइबर फ्रॉड की 3.79 लाख रुपए से ज्यादा की रकम ट्रांस्फसर हुई थी।

एएसपी सिटी सुखनंदन राठौर ने मामले का खुलासा करते हुए पत्रकारों को बताया कि थाना सुपेला पुलिस को म्यूल अकाउंट के संबंध में जानकारी मिलने पर उत्कर्ष बैंक के अकाउंट धारक प्रशांत विश्वकर्मा व मोन्टू कुमार को पकड़ा गया था। उन्होंने अकाउंट खुलवाकर पैसे लेकर किराए पर अन्य व्यक्तियों को संचालित करने के लिए दिया था। दोनों अकाउंट में सायबर फ्रॉड के कुल 29,036 रुपए का लेन-देन हुआ। बैंक खाता धारक रफीक खान के पीएनबी बैंक अकाउंट में 50 हजार रुपए की साइबर फ्रॉड की रकम ट्रांसफर हुई। यह रकम गुजरात एवं महाराष्ट्र के व्यक्तियों से सायबर फ्रॉड कर भेजी गई। अकाउंट होल्डर समीर वर्मा एवं विपीन शुक्ला के खातों में 3 लाख रुपए की रकम ट्रांसफर हुई। यह रकम अलग-अलग राज्यों के व्यक्तियों से सायबर फ्रॉड करके भेजी गई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने अकाउंट खुलवा कर मोहम्मद कलाम नाम के व्यक्ति को दिए, जबकि मोहम्मद कलाम ने उन खातों को पैसे लेकर किसी दूसरे व्यक्ति को दे दिए थे।

सरपंचों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

कोरबा। भारत सरकार, नीति आयोग नई दिल्ली द्वारा आकांक्षी जिला/ब्लॉक कार्यक्रम के तहत नैस्कॉम फाउण्डेशन द्वारा जनपद पंचायत कोरबा के अंतर्गत समस्त ग्राम पंचायतों के सरपंचों को डिजिटली साक्षरता कार्यक्रम के तहत डिजिटल रूप से सशक्त बनाने व उनके दैनिक कार्य को सरल बनाने के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन जनपद पंचायत कोरवा के सभाकक्ष में किया गया। यह पहल प्रधानमंत्री डिजिटल साक्षरता अभियान के अंतर्गत आती है. जिसका उद्देश्य ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना है।

इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य ग्राम पंचायतों के सरपंचों को डिजिटल उपकरणों और ई-गवर्नेंस सेवाओं के उपयोग में सक्षम बनाना है, ताकि वे अपने दैनिक कार्यों को अधिक प्रभावी और पारदर्शी तरीके से कर सकें। नैस्कॉम फाउंडेशन की पहल, ₹डिजी-साक्षर₹ विशेष रूप से वंचित समुदायों को डिजिटल कौशल प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई है। इस कार्यक्रम के तहत, सरपंचों को कंप्यूटर कौशल, साइबर सुरक्षा और इंटरनेट के प्रभावी उपयोग जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीमती कौशाम्बी गबेल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कोरवा, और श्रीमती महेश्वरी साव, विकास विस्तार अधिकारी जनपद पंचायत कोरबा द्वारा किया गया। संस्था की तरफ से श्री लोकेश तिवारी प्रोजेक्ट फिल्ड ऑफिसर तथा प्रोग्राम के मास्टर ट्रेनर श्रीमती अनुसुईया ने डिजिटल साक्षरता का प्रशिक्षण दिया। इसमें 65 ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने भाग लिया, जो स्थानीय शासन और प्रशासन में डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। श्रीमती गवेल के द्वारा आज के युग में डिजिटल साक्षरता के महत्व एवं आवश्यकता को बताया गया। वही श्री लोकेश ने डिजिटल प्लेटफार्म के सुरक्षित उपयोग पर जोर देते हुए, प्रशिक्षण के माध्यम से कई उपयोगी टिप्स साझा किये।

नैस्कॉम फाउंडेशन ने वर्ष 2022 में ₹आकांक्षी जिला कार्यक्रम₹ की शुरूआत की थी, जिसका उद्देश्य 55 आकांक्षी जिलों में डिजिटल साक्षरता, ई-गवर्नेंस और कौशल विकास के माध्यम से अधिक लोगों को सशक्त बनाना है। इस पहल के तहत, डिजिटल संसाधन केंद्र स्थापित किए गए हैं, जो समुदायों को आवश्यक डिजिटल उपकरणों और सेवाओं तक पहुंच प्रदान करते हैं।

कांग्रेस की पूर्व नगर निगम अध्यक्ष के पुत्र की सड़क दुर्घटना में हुई मौत

जगदलपुर। बस्तर जिले के आड़ावाल में बीती रात हुए सड़क दुर्घटना में कांग्रेस की पूर्व नगर निगम अध्यक्ष के पुत्र नितेश साहू उम्र 28 वर्ष निवासी जगदलपुर की मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेस की पूर्व नगर निगम अध्यक्ष कविता साहू के इकलौते पुत्र नितेश साहू बीती रात अपने दुपहिया स्कूटी वाहन में सवार होकर धनपुंजी की ओर गया हुआ था, जहां से देर रात वापसी के दौरान आड़ावाल के पास स्कूटी डिवाइडर से टकरा गई। दुर्घटना के बाद घायल को उपचार के लिए मेकॉज में भर्ती किया गया,

◆◆◆---अपना बाजार---◆◆◆

विज्ञापन के लिए जगह रिक्त है

माता राजरानी मेमोरियल ¼MRM½ हॉस्पीटल
RSBY/MSBY
(स्मार्ट कार्ड) द्वारा भर्ती एवं इलाज की सुविधा उपलब्ध
स्थान - बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर,
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

बच्चों के N.I.C.U. सुविधा
नवजात बच्चों को गहन चिकित्सा कक्ष की सुविधा।
24 घंटे विशेषज्ञों की देख-रेख में वेंटीलेटर, सी-पेप एवं अन्य अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त नियोनेटल केयर यूनिट
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

एम.एस. जनरल सर्जन
हॉर्निया, हाईड्रोसिल, एपेण्डीक्स, पाईल्स, पथरी एवं सभी प्रकार की जनरल सर्जरी एवं हर प्रकार के आपरेशन की सुविधा प्रतिदिन
fo'k"k & RSBY & MSBY (स्मार्ट कार्ड) की सुविधा उपलब्ध
-: प्रतिदिन उपलब्ध:-
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

"M.S., E.N.T."
नाक, कान, गला
दूरबीन से प्रतिदिन नाक, कान, गला की जांच की जाती है
रोगों के वरिष्ठ अनुभवी चिकित्सक (अत्याधुनिक उपकरणों की सुविधा) के साथ
प्रतिदिन उपलब्ध
समय-दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक
कान एवम् बहरेपन की सम्पूर्ण जांच की जर्मनी की अत्याधुनिक मशीन द्वारा।
कान की मशीन उत्कृष्ट क्वालिटी एवं दो साल की वारण्टी के साथ अत्यन्त रियायती मूल्यों पर उपलब्ध।
आडियोमेट्री की जांच एवम् सेवाए नियमित उपलब्ध
विशेष- नाक, कान, गले से संबंधित सभी प्रकार के आपरेशन (सर्जरी) की सुविधा स्मार्ट कार्ड द्वारा उपलब्ध।
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

प्रतिदिन फिजिशियन परामर्श
डायबिटिज (शुगर/मधुमेह), हृदय संबंधी समस्त रोग, सभी प्रकार के हार्मोन्स विकार (थाइराईड), समस्त प्रकार के इंफेक्शन (सर्दी, खांसी, बुखार, ब्लड प्रेशर (हायपरटेंशन)), एनीमिया, सिकलिंग, थैलीसीमीया, टी.बी., श्वसन एवं छाती संबंधी समस्त रोग, पाचन एवं पेट, लीवर, किडनी (गुर्दा), सिर, मस्तिष्क एवं नस संबंधी समस्त रोग एवं सभी प्रकार के पुराने रोगों के उपचार हेतु उपलब्ध रहेंगे...
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

सभी बीमारियों के
विशेषज्ञ चिकित्सक नियमित उपलब्ध
डॉक्टर्स हाउस
रानी तालाब के सामने, गेहूं बाड़ी के आगे
शासकीय अस्पताल रोड, अम्बिकापुर
मो.-94255-83780, 62626-39090, 62626-39191
फोन 07774222555

पतंजली सेवा केन्द्र
पतंजली के सभी प्रोडक्ट पर 2 से 10 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध
नि: शुल्क डॉक्टर (वैद्य) परामर्श सेवा प्रतिदिन उपलब्ध
सुबह 10.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर, तेज मेडिकल के सामने
सम्पर्क नम्बर- 9425583780, 9522629990
आपसे विनम्र निवेदन है कि जरूरतमंद मरीजों तक इसकी जानकारी देने की कृपा करें।
आपके सहयोग एवं सलाह के लिए हृदय से धन्यवाद।

आधुनिक मशीनों एवम् विश्वसनीय जांच 24 घंटे उपलब्ध
एम.आर.आई
सीटी स्कैन
सोनोग्राफी
टी.एन.टी.
ब्लड बैंक सुविधा (24 घंटे)
ई.ई.जी, ई.सी.जी.
टीकाकरण की सुविधा
प्रतिदिन
आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित कम्प्यूटरीकृत पैथोलॉजी लैब
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

आपके नगर अम्बिकापुर मे अब प्रतिदिन विशेषज्ञ उपलब्ध
मानसिक एवं नशामुक्ति विशेषज्ञ
समय-दोपहर 2 बजे से 6 बजे तक
रोग : डिप्रेशन, उदासी, चिंता, घबराहट, सरदर्द, माइग्रेन, मिर्गी, झटका, बेहोशी, कम एकाग्रता, नींद की कमी, असामान्य व्यवहार, पागलपन, शराब व अन्य नशे की लत, गर्दन दर्द, कमर दर्द, नस मांसपेशियों में दर्द, बच्चों में चंचलता, मंदबुद्धि आदि से संबंधित बीमारियों के परामर्श एवं उपचार हे
पता: माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल/ तेज डायग्नोस्टिक से
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास, अम्बिकापुर मो.नं. 0774-222999, 8224007799, 9826

चेन्नई मिशन की सफलता के बाद तमिलनाडु पुलिस ने किया 'मैगिलची का विस्तार

चेन्नई ,26 मई (ए)। पुलिसकर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए तमिलनाडु पुलिस ने अपनी प्रमुख कल्याण योजना 'मगिलचीइ को अब राज्य के पश्चिमी क्षेत्र में भी शुरू किया है। यह फैसला चेन्नई और दक्षिणी जिलों में इस पहल को मिले अच्छे रिस्पॉन्स के बाद लिया गया है। पहले इन क्षेत्रों में इस योजना को लागू किया गया था, जहां पुलिसकर्मियों ने इसे काफी सकारात्मक रूप से अपनाया।
'मैगिलचीइ कार्यक्रम का पूरा मतलब 'क्षमता, विकास, आदर्श उत्थान, विकल्प और स्वतंत्रता को बढ़ावा देनाइ है। पुलिसकर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए एक समग्र और संपूर्ण तरीका अपनाता है। इस कार्यक्रम का संचालन मनोचिकित्सकों, मनोवैज्ञानिकों और सामाजिक कार्यकताओं की एक टीम मिलकर करती है। यह टीम पुलिसकर्मियों को मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी अलग-अलग समस्याओं में मदद करती है।

समाधान शिविर धनपुर में 4209 आवेदनों के निराकरण से ग्रामीणों को कराया गया अवगत...पेज 11

हड़कम्प...

जिला प्रशासन का अतिक्रमणकारियों पर चला बुलडोजर

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। सोमवार को जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कई अतिक्रमणकारियों के घर व दुकानों को जमीदोज कर दिया है। बसदेई चौक में यह कार्रवाई की गई है।जिससे हड़कम्प मच गया है। बताया गया है कि बसदेई चौक के समीप सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में लोगो ने अवैध कब्जा कर दुकान व मकान का निर्माण कराया था। जिससे सड़क सकरी हो गई थी और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। पूर्व में इस अवैध अतिक्रमण की शिकायत प्रशासन से करते हुए इस पर कार्रवाई की मांग ग्रामीणों द्वारा की गई थी। जिसको जिला प्रशासन ने काफी गम्भीरता से लिया था और अतिक्रमण पर कार्रवाई करते हुए बेजा कब्जा हटाया गया था। मगर प्रशासन के

०० बसदेई चौक से हटाए गए बेजाकब्जाधारी

कब्जा हटाने के बाद पुनः कब्जाधारियों ने अवैध अतिक्रमण कर उक्त स्थल पर दुकान एवं मकान का निर्माण कर लिया था। अतिक्रमण नहीं करने की बार बार प्रशासन के द्वारा समझाईस के बाद भी इनपर कोई असर नहीं पड़ रहा था और दिन प्रतिदिन अवैध कब्जाधारी बढ़ते जा रहे थे। एक माह पूर्व प्रशासन द्वारा २१ अतिक्रमणकारियों को नोटिस देकर कब्जा हटाने के लिए एक माह का समय दिया गया था। परंतु मियाद पूरी होने के बाद भी अवैध कब्जाधारी हटने को तैयार नहीं थे। सोमवार को एसडीएम शिवानी जायसवाल के नेतृत्व में तहसीलदार समीर शर्मा, नायब तहसीलदार इजराइल खान, राजस्व निरीक्षक रोशन मिंज, नगर पुलिस अधीक्षक एस एस पैकरा, नगर निरीक्षक विमलेश दुबे सहित बड़ी संख्या में राजस्व व पुलिस अमला मौके पर पहुंचा ओर १० दुकानों पर बुलडोर वाली कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण को जमीदोज कर दिया गया। समय आभाव के कारण ११ अतिक्रमण पर कार्रवाई नहीं हो सकी है। जिनपर भी एक दो दिन में कार्रवाई कर उक्त शासकीय भूमि को अवैध कब्जा मुक्त किया जाएगा। प्रभावितों में पान ठेला, फल की दुकान, होटल व किराना सहित अन्य दुकाने शामिल है।

00 रोजी रोटी की दुहाई

जिला प्रशासन के इस कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में विरोध करने महिला सामने आई थी और वे रोजी रोटी की दुहाई देकर कार्रवाई रोकने की गुहार कर रही थी।कुछ नेता भी सामने आए थे।पर इन सब का प्रशासन की टीम पर कोई असर नही हुआ।विरोध से निपटने के लिये बड़ी संख्या में पुलिस बल जिसमे महिला पुलिस बल भी शामिल थी तैनात किया गया था।जिससे शांतिपूर्ण ढंग से समूची कार्रवाई कर ली गई।प्रशासन ने कहा है कि शीघ्र ही नगर में भी इस तरह की कार्रवाई की जाएगी।

जिले में सड़क दुघर्टना को नगण्य करने अधिकारियों को दिया गया टिप्स

०० सड़क सुरक्षा को लेकर कलेक्टर ने ली अधिकारियों की बैठक

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। सड़क सुरक्षा परिदृश्य को लेकर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें सड़क दुर्घटनाओं को नग्णय करने की दिशा में पहल करने हेतु कलेक्टर एस.जयवर्धन द्वारा उपस्थित संबंधित अधिकारियों आवश्यक दिशानिर्देश दिए गये।
बैठक में उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात को बेहतर बनाने के लिए समन्वित प्रयास करने की बात कही । उन्होंने मुख्य सड़कों में मिलने वाली ग्रामीण सड़कों के जंक्शन, दुर्घटनाजन्य सड़क खण्डों/ब्लैक स्पॉट्स में प्राथमिकता से आवश्यक सुधारात्मक उपाय समय-सीमा में पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। इसके साथ ही यातायात नियमों का पालन नहीं करने वालों पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए व जिले में दुर्घटनाओं के कारणों की समीक्षा कर कार्ययोजना तैयार कर प्रभावी नियंत्रण हेतु निर्देश दिए गए।
बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर ने मालवाहक वाहक वाहनों में यात्री परिवहन, बिना हेलमेट, सीट बेल्ट नहीं लगाने वाले, शराब सेवन कर वाहन चलाने वालों के विरूद्ध कार्रवाई करने के साथ ही व्यापक जागरूकता कार्यक्रम करने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने सड़क दुर्घटना के पीछे सबसे बड़ी वजह दोपहिया वाहन चालक द्वारा बिना हैलमेट वाहन चलाना बताया और सभी से अपील की कि सभी दोपहिया वाहन के सावरी के दौरान हैलमेट अनिवार्य रूप से पहनें।बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा, सर्व एसडीएम, जिला परिवहन अधिकारी अनिल भगत व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

हिन्दू समाज को जागृत करने के साथ श्रीराम कथा का समापन

०० सन्तो ने हिंदुओ से एक जुट रहने का किया आह्वान

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। भव्य दीपयज्ञ, हवन, पूजन व भंडारे के साथ ९ दिवसीय संगीतयमय श्री रामकथा का रविवार को समापन हो गया। यहाँ रंगमंच प्रांगण में आयोजित श्री रामकथा के समापन में हिन्दु समाज को जागृत करने कई संत पधारे थे। जिनमें महाकालेश्वर सर्वेश्वर दास, सीताराम दास, संत बबरू वाहन महाराज, व्यास पीठ स्वामी परमात्मानंद गिरी शामिल थे। आयोजन में जिले की मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक भुलन सिंह मरावी भी पहुंचे थे। संतो ने हिन्दु समाज को जागृत करते हुए आहवाहन किया कि संगठीत रहने पर ही सभी की भलाई है। 'संघे शक्ति कलियुगे, कलियुग में केवल संगठन में ही शक्ति है।महामण्डलेश्वर सर्वेश्वर दास ने हिन्दु संस्कारों पर जोर देते हुए कहा कि सभी प्रतिदिन नियमित घर में अपने बडो एवं भगवान का आशीवाद लें ऐसा करने से ही मानव में सद्बुद्धि आयेगी और वो एश्वर्य और वैभव को प्राप्त कर सकेगा। उन्हाने जाति से उपर उठकर कमजोर को उठने के लिए मजबूत लोगो से अपील किया।सर्वेश्वर दास ने उपस्थित जन मानस से अपील किया कि हम स्वदेशी वस्तुओ का उपयोग करेंगे किसी भी स्थिति में विदेशी वस्तुओ का उपयोग नही करेंगे। स्वदेश में निर्मीत वस्तुओ के उपयोग से हमारा देश मजबूत होगा देश मजबूत होगा तो हम मजबूत होंगे। सीताराम दास ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्र निर्माण व सुखशांति के लिए जो आयाम बने है वो बिना राम नाम के सम्भव ही नही है। महंत रामरूप दास मंदकूद्वीप मुंगेली ने कहा कि जिस प्रकार से पुर्व-पश्चिम, उत्तर-दक्षिण एवं धरती और आकाश मुख्य छः दिशा है वैसे ही हिन्दु परिवार में छः धुरी है भाषा, भुषा, भवन, भोजन और भ्रमण पांच में से हिन्दु परिवार को बचाया जा सकता है।बहु वाहन महराज कैलाश गुफा जशपुर ने हिन्दु समाज में समरसता और १६ संस्कारों के विषय में चर्चा की उन्होने कहा कि सभी सनातनी के घर में सभी संस्कार को हिन्दु रीति रिवाज से करना चाहिए उन्हाने समाज से नशा को समूल समाप्त करने की अपील की उन्होंने कहा कि यदि नशा होगा तो परिवार और समाज का नाश कर देगा।व्यास पीठ स्वामी परमात्मानन्द ने समापन अवसर में बताया कि भारत में निवास रकने वाला बाहुल्य हिन्दु समाज है किन्तु एक जूट नही होने के कारण हमेशा प्रताडीत होता रहता है। हिन्दु समाज को अपने नागरीक कर्तव्य का बोध होना चाहिए।आभार प्रकट समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल ने किया। आयोजन समिति में अध्यक्ष मनोज जायसवाल, उपाध्यक्ष, शंकर अग्रवाल, उमेश चौबे, सचिव के०के० मिश्रा, सह सचिव व्ही. एस. मिश्रा, शिवशंकर कुशवाहा, कोषाध्यक्ष हिमान्शु जैन सह कोषाध्यक्ष नीरज जिंदिया, सदस्य शशि कांत गर्ग, संदीप अग्रवाल शैलेश अग्रवाल (उपाध्यक्ष नगर पालिका निगम) धर्मपाल अग्रवाल, प्रमोद तायल, दिनेश साहू, लक्ष्मीकांत साहू अंकुत तिवारी, पवन अग्रवाल, अवधेश अग्रवाल, शोभनाथ प्रजापति, आर्यन तिवारी, प्रणव अग्रवाल, शिवप्रसाद साहू संजय गुप्ता, मोनिका सिंह, बबिता सिंह, शशि किरण खेंस, रोशनी सोनी, ललिता जायसवाल, प्रदीप गुप्ता, प्रदीप देवांगन, अंकित कोसरिया, कमलेश साहू, आशीष कसेरा, अनुज साहू, संत सिंह, मनोज पाण्डेय चन्द राम कंवर, नीरज गुप्ता, आशीष सिंह आदि सक्रिय रहें।

ऑपरेशन सिंदूर......

सेना के जवानों के प्रति आभार व्यक्त करने मातृशक्ति ने निकाली सिंदूर शौर्य यात्रा

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद भारतीय सेना के शौर्य के प्रति आभार और कृतज्ञता व्यक्त करने राष्ट्रीय स्वाभिमान मंच के बैनर तले सिंदूर शौर्य यात्रा निकाली गई, जिसकी अगुवाई मातृशक्ति ने किया। सिंदूर शौर्य यात्रा के जरिए मातृशक्ति ने देश के प्रति प्रेम और सेना के प्रति सम्मान प्रकट किया। मंच का संचालन करते हुए राष्ट्रीय स्वाभिमान मंच की जिला संयोजिका बबीता सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद सैन्य बलों का उत्साह स्वागत आभार करने सहित देशभक्ति का भाव बढ़ाने हेतु सिंदूर शौर्य यात्रा व सभा का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ भूतपूर्व सैनिकों एवं अतिथि के रूप में आए संतो के द्वारा भारतमाता पर पुष्प अर्पित कर किया गया इसमें कौशल्या कुशवाह के द्वारा छत्तीसगढ़ी में देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया गया। अतिथि संतो, भूतपूर्व सैनिकों, एनसीसी की बच्चियों का सॉल,

०० सेना ने बढ़ाया देश का गौरव व सम्मान

श्रीफल को भेंट कर सम्मान किया गया, भूतपूर्व सैनिक रामभगत शर्मा के ७ वर्षीय पौत्र निवेद शर्मा के द्वारा सैन्य प्रशिक्षण का प्रदर्शन किया। एनसीसी कैडर की बच्ची मनीता सिंह ने कहा कि देश की सैनिकों के कारण ही हम सुरक्षित हैं ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से सैनिकों ने देश का गौरव और सम्मान बढाया है।अतिथि के रूप में आई डीएसपी सूरजपुर महालक्ष्मी कुलदीप ने कहा कि भारत किसी को छेड़ता नहीं और अगर कोई छेड़े तो अपने देश के दुश्मनों को छोड़ता भी नहीं, भूतपूर्व सैनिक नायब सूबेदार देवेंद्र प्रताप सिंह जिन्होंने अपने रेजीमेंट और कमांडो दस्ता की युद्ध कौशल को बताया। अतिथि रूप में आए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह जिला कार्यवाह विजय शर्मा ने बताया कि जिस प्रकार देश की सैनिक बाहरी आतंकी शक्तियों से लड़कर हमारे देश की रक्षा करते हैं हमें भी देश में पनप रहे आतंकी विचार को समाप्त करने हेतु खड़ा होना होगा मुख्य वक्ता के रूप में आए हुए।महामंडलेश्वर सर्वेश्वर दास महाराज प्रांत अध्यक्ष अखिल भारतीय संत समिति छत्तीसगढ़ इन्होंने आप अपने वक्त तबीयत में बताया कि देश की रक्षा ही हमारा परम धर्म है देश है तो हम हैं राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन का वाचन सुश्री शशि राजवाड़े ने एवं कार्यक्रम का आभार श्रीमती रचना सिंह ने किया कार्यक्रम की शोभा बढ़ाते हुए संतो एवं भूतपूर्व सैनिकों को देखा गया। जिसमें मुंगेली मटकूदीप से रामस्वरुप दास महाराज, महंत सिताराम दास महाराज, हवलदार रामभगत शर्मा हवलदार आलोक सिंह हवलदार नितेश शर्मा हवलदार आशीष गुप्ता, हवलदार हवलदार साधुशरण शर्मा ह बलवंत, हवलदार श्यामलाल राजवाडे, नायक शिवचरण, नायक अशोक साहू और भी अनेक भूतपूर्व सैनिक दिखे, सिंदूर शौर्य यात्रा जो कार्यक्रम स्थल बस स्टैंड से श्री राम मंदिर से होते हुए एसडीएम कार्यालय तक निकाली गई राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया गया। इसमेबड़ी संख्या में महिलाओं व पुलिस बल, नगर सेना बल का सहयोग देखने को मिला।इस दौरान महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाडे, विधायक भूलन सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष चंद्रमणि पैकरा, एसडीएम शिवानी जायसवाल, नायब तहसीलदार प्रियंका रवि, संघचालक दुर्गाचरण सिंह, जिला कार्यवाह अनीश गुप्ता, नगर संघचालक शंकर अग्रवाल, ठाकुर राजवाड़े, किरण खेस, मोनिका सिंह, शर्मिला तिवारी, शशिकांत गर्ग, मुकेश गर्ग, दिनेश साहू, मनोज पांडे, अनुज साहू, योगेंद्र राजवाड़े सहित भारी संख्या में महिला शक्ति शामिल थी।

बड़ी कार्रवाई...यातायात पुलिस ने 12 वाहन चालकों का डाईविंग लायसेंस कराया निलंबित

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले में सड़क हादसों को कम करने और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के लिए पुलिस ने कठोर कदम उठाया है। डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर आम जनता को यातायात नियमों के पालन हेतु जागरूक करने के साथ ही यातायात के नियम तोड़ने वालों के विरूद्ध यातायात एवं थाना-चौकी की पुलिस कड़ी कार्यवाही कर रही है।यातायात पुलिस के वाहन चेकिंग के दौरान आदित्य कुमार सिंह निवासी भटगांव, उमेश्वर देवांगन ग्राम धरसेड़ी थाना ओड़गी, सतानंद सिंह निवासी ग्राम लांची थाना सूरजपुर एवं महेश्वर पिता सरजू ग्राम तिलसिवापारा थाना भटगांव तथा अम्बिकापुर, कोरिया, बलरामपुर व गढ़वा झारखण्ड के ८ वाहन चालकों के द्वारा यातायात नियमों का पालन नहीं कर लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते पाए गए थे जिनके विरूद्ध एमव्ही एक्ट की कार्यवाही करने के साथ ही जिला परिवहन कार्यालय को प्रतिवेदन भेजकर इनके ड्राइविंग लायसेंस को निलंबित कराया गया है। इन कार्रवाइयों के पीछे

सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने का उद्देश्य है। डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने बताया कि ड्राइविंग लाइसेंस को रद्द करना या निलंबित करना सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और ट्रैफिक नियमों के प्रति लापरवाह व्यवहार को हतोत्साहित करने के लिए एक कठोर उपाय है। यातायात नियमों के प्रति लोगों में जागरूकता लाने सक्रियता से कार्य किया जा रहा है जिसका उद्देश्य सभी सड़क उपयोगकताओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाना है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि यातायात नियमों का पालन कर अपनी और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आपका जीवन बहुत कीमती है। नियमों का पालन करें और हादसों से बचें।

लापरवाही.....

सुशासन तिहार के तहत समाधान शिविर में करंट की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत

भैयाथान (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले में चल रहे सुशासन तिहार में एक बड़ी लापरवाही सामने आई है जिसमे एक की जान चली गई है।इससे प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है।सोमवार को सुशासन तिहार के तहत जनपद क्षेत्र के ग्राम दरीर्पारा में समाधान शिविर का आयोजन किया गया था। शिविर में विभिन्न ग्राम पंचायत के ग्रामीण जन व अधिकारी कर्मचारी व स्थानीय जनप्रतिनिधिगण पहुंचे थे और शिविर में विभागवार जानकारी देने की प्रक्रिया चल रही थी। इसी दरमियान टेंट के बगल से किसी के चिल्लाने की आवाज आई जिस पर जनप्रतीनिधि सहित सभी लोग दौड़ पड़े और वहां टेंट कर्मचारी रैसरा निवासी रामअवतार पैकरा उम्र लगभग ४० वर्ष अचेत अवस्था में पड़ा था। चूंकि शिविर में डॉक्टर भी उपस्थित थे उन्होंने मौके पर इलाज करना शुरू कर दिया तथा तुरंत पिकअप में लेटा कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले आया गया। बताया जाता है कि टेंट कर्मचारी टेंट संबंधित कार्य कर रहा था उस दौरान टेंट पाईप पर बंधे बिजली तार के केबल के कटने से पाईप में करंट प्रवाहित हो रहा था और पाईप ट्रक में सटा हुआ था जिससे ट्रक में भी करंट प्रवाहित हो गया। जिसकी चपेट में आने से युवक की मौत हो गई।इस घटना से समाधान शिविर में हड़कम्प मच गया।

00 कलेक्टर भी पहुंचे

घटना के बाद जिले के कलेक्टर एस जयवर्धन भी हॉस्पिटल पहुंचे जहां उन्होंने मृतक परिवार को अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की तथा प्रशासन की ओर से हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया है।इधर प्रशासन द्वारा मृतक के परिजनों को तत्कालिक सहायता राशि के रूप में ५०,००० रुपए दी गई है।

०० शिविर में अफरातफरी

00 मंत्री हॉस्पिटल व घटना स्थल पहुंची

घटना की जानकारी लगते ही महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े तुरंत हॉस्पिटल पहुंच कर वस्तु स्थिति की जानकारी ली तथा मौके पर जाकर निरीक्षण भी किया व परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि हादसे की जांच कराई जाएगी। शिविर में उपस्थित लोगों के बीच पहुंच कर मृत आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन रखा गया। तत्पश्चात शिविर स्थगित कर दिया गया।

3 क्विंटल कबाड़ के साथ पकड़ा गया विधि विरूद्ध संघर्षरत बालक

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। लटोरी पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि एक व्यक्ति अवैध कबाड़ लेकर बिक्री करने मोपेड से अम्बिकापुर की ओर जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने लटोरी में घेराबंदी कर एक टीव्हीएस मोपेड सहित ०१ विधि विरूद्ध संघर्षरत बालक को पकड़ा जिसके कब्जे से ३ क्वींटल लोहा कबाड़

कीमत करीब १० हजार रुपए का पाया जिससे कबाड़ संबंधी दस्तावेज की मांग किए जाने पर कोई कागजात प्रस्तुत नहीं किया। कबाड़ चोरी का होने की पूर्ण अंदेशा पर धारा ३५(१-ई) बीएनएसएस/३०३(२) बीएनएस के तहत कार्यवाही कर कबाड़ व मोपेड वाहन जप्त कर विधि विरूद्ध संघर्षरत बालक को विधि अनुसार किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी लटोरी अरुण गुप्ता, प्रधान आरक्षक रवि किंडो, आरक्षक सोमनाथ कुशवाहा, इश्तियाक अहमद व सुनील एक्का सक्रिय रहे।